र्राजस्दी तं० डी--(डीएन)---73



सं० 18] No. 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 1, 1982 (वैशाख 11, 1904)

PUBLISHED BY AUTHORITY

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 1, 1982 (VAISAKHA 11, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separace paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III--खण्ड [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाए

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लंक सेवा ग्रह्मोग

नई दिल्ली-110011, दिन क 31 मार्च 1982

सं० ए० 11016/1/81-प्रशा० II!--संघ लोक सेवा त्रायोग क् निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक किंगामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार ं<mark>यर डेस्</mark>क ग्रधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त , जया जाता है ।

ऋ० सं० ग्रवधि 1. श्री बी० ग्रार० बसरा 31-3-82 से तीन मास की श्रवधि के लिए। 2. श्री एस० मी० जैन 1-4-82 से तीन मास की अवधि के लिए।

2. उपर्युक्त ग्रधिकारी कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के का॰ जा॰ सं॰ 12/1/74-सी॰ एस॰ (1) दिनांक 1-46GI/82

11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार गु० 75/- पु० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

> य० रा० मधी ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा स्रायोग

गह मंत्रालय

कार्य एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1982

सं० ए०-20023/4/82-प्रशा०-5--निदेशका, केन्द्रीय ग्रन्वे-षण ब्यरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद-द्वारा, श्री सुमंत कुमार सक्सेना को दिनांक 5-3-1982 से लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

(5743)

#### दिनांक 1 प्रप्रैल 1982

सं० ए०-35013/23/82-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के निम्नलिखित पुलिस उपाधीक्षकों को, प्रत्येक के सम्मुख दी गई तिथि से अगले श्रादेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं:।

ऋ० ग्रधिकारी का संख्या नाम	शा <b>खा</b> जिसमें पद- पुलि स्थापित किया गया में	स ग्रधीक्षक के रूप नियुक्ति की तिथि
1. श्री म्रार० एन० कौल	सी० म्राई० यू० (ए)	31-3-1982 (पूर्वाह्न)
2. श्री ग्रार० पी० कपूर	एस० म्राई० सी०	26-3-1982 (पूर्वाह्न)
3. श्री मुरारी लाल	प्रशिक्षण केन्द्र	26-3-1982 (पूर्वाह्न)
4 श्री ए० के० मुजुमदा	र <b>ग्रा</b> ० ग्र० स्कंध, कलकत्ता	26-3-1982 (म्रपराह्न)

म्रार० एस० नागपाल, प्रशासनिक प्रधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय म्रन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अप्रैल 1982

सं० 11/75/79-प्रणा०-I—इस कार्यालय की तारीख 31 प्रक्तबर, 1981 की समसंख्यांक प्रधिसूचना के अनुक्रम म राष्ट्रपनि भारतीय अधिक सेवा के ग्रेड-I! के अधिकारी श्री एम० के० गांध को गोवा, दएन और दीव और दादर। आर नागर विकी, में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 31 मार्थ, नागर की भी अवधि पहले हो, जनगणना कार्य निदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांधे का मुख्यालय पणजी में होगा।

पी० पध्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय
ग्राधिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय
देवास, दिनांक 30 मार्च 1982

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/82—ग्रधोहस्ताक्षर-कर्ता, श्री एच० ग्रार० शर्मा स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को स्थापना रूप से उप-नियंत्रण ग्रधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपितत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 30-3-82 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 1 ग्रप्रैल 1982

नस्ती कमांक बी० एन० पी०/सी/5/82—श्री ग्रार० के० शोवाल, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (न्यूमरोटा) को तदर्थ श्राधार पर तकनीकी श्रिधकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपित्तत) के वेतनमान में, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 1-4-82 से तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।

इस तदर्थ नियोजन से उनको इस पद पर बने रहने का स्रथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिन् कोई कारण बताये समाप्त की जा नकरी है।

> भु० े । अस्तुः स्थापस्य स्ति

भारतीय लेखा त्या लाखा परिश्वा विश्वा कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 31 मार्च 1982

कमांक-प्रशासन-I/ले० ग्र० प्रमो०/510—महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश ग्वालियर श्री एउ० ई.० सिह (02/273) ग्रनुभाग ग्रधिकारी की स्थाना एव लेड ग्रधिकारी के पद पं रुपए 840-40-1000-द० रेट-२०-१८०० के वेतनमान मे दिनांक 13-1-82 पूर्वीह्न से बोदार्म पदोन्नति सहर्षे म्हीकार करते हैं।

्रध्रुव चरण सा**ह**् वरिष्ठ उप महालेखाकार<sub>।</sub>प्रशा०

## एउट लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई डिल्ला,-110066, दिनांक 8 अप्रैल 1982

हं ०-प्रशा० / 1 / 1818 / 5 / जिल्द — I — रक्षा लेखा म् नियंत्रक, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रिधिका की मृत्यु खेद के साथ ग्रिधिसुचित करते हैं :—

नाम ग्रेड मृत्यु की संख्या बल से संगठन तारीख हटाने की तारीख

श्री के ब्जी वरक्षा लेखा 18-3-82 18-3-82 रक्षा लेखा नियं मेनन उपनियंत्रक (ग्रपराह्न) (वायु सेना) देहरादून

> न्नार० के० माथुः रक्षा लेखा ग्रपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

# म्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कल रुता-700069, दिनांक 2 श्रप्रैल 1982

सं० 3/82/ए०/ई०-1—वार्धक्य निवृत्ति प्रायु प्राप्त कर, श्री एस० के० चन्नवर्ती मौलिक एवं स्थायी सहायक स्थान।पन्न सहायक स्टाफ श्रफसर दिनांक 31-1-82 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 4/82/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति द्रायु प्राप्तकर, श्रो प्रणान्त कुमार चक्रवर्ती मौलिक एवं स्थायी द्राणुलिपिक "सी" स्थानापन्न निजी सिचव, दिनांक 31-3-82 (द्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> डीं० पी० चक्रवर्सी, डीं० जी० मी० एफ०/प्रशासन इते महानिद्याक, मार्डनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, भाषात एवं निर्यात का कार्यालय भ्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनांस 15 भ्रप्रैल 1982 (स्थापना)

सं० 6/1371/81-प्रका०(राज०) 2311—सेवा निवृत्ति की ग्राभु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकेला में नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, श्री प्रकारी को आह को 31 जनवरी, 1982 के दोपहर बाद रक्कारी केवा से निवृत्त होने की ग्रनुमति दी जाती है।

> जे० के० माथुर, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात कि कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात

#### उद्योग मंत्रालय

# श्रीद्योगिक विकास विभागः

विकास भायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय के नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 मार्च 1982 के सं० ए०-19018/145/72-प्रणासन (राजपतित)—-राष्ट्रपति के, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के सहायक निदेशक, कि दिनांक प्रतिपिक भ्रन्वेषण) श्री बी० एम० एन० तिपाठी के दिनांक 4 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से भ्रगले श्रादेशों नक, उसी संस्थान में तक्ष्य श्राधार पर सहायक निदेशक, इसी (ग्राधिक भ्रन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 31 मार्च 1982

ः मं० 12(674)/71-प्रणासन (राजपन्नित)—-राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (चर्म/पादुका) श्री के० एल० पी० राव को विनांक 31 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से, प्रगले श्रादेशों तक, प्रक्रिया सह उत्पाद विकास केन्द्र, रांची में तदर्थ श्राधार पर निवेशक, ग्रेड-II (चर्म/पादुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 2 अप्रैल 1982

सं० 12(7)/61-प्रणा० (राज०) खण्ड-3—दिनांक 30 जून, 1981 से 31 जनवरी, 1982 तक राष्ट्रकुल (कामन-वेल्य) सिचवालय/राष्ट्रकुल तकनीकी सहयोग निधि (सि०एफ०टी० सी०) के अधीन सोलीमन द्वीप एवं बनाटू में विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनियुक्ति की प्रविध पूरी होने एवं दिनांक 1 फरवरी, 1982 से 6 मार्च, 1982 तक की प्रजित छुट्टी की समाप्ति के बाद श्री एस० पी० सिगाराम ने दिनांक 8 मार्च, 1982, (पूर्वाह्न) से विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), नई विल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (चर्म/पाढुका) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

## दिनांक 8 श्रप्रैल 1982

सं० ए०-19018(427)/79-प्रशा० (राज०)—िवकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्राक्ष के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (कांच/मृत्तिका) श्री ए० एस० श्रनन्त को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर सेने पर दिनांक 31 मई, 1981 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रनुमृति देते हैं।

# चिनांक 14 ग्रप्रैल 1982

सं० ए०-19018 (494) / 80-प्रशासन (राज०) — राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कामपुर के सहायक निदेशका, ग्रेड-2 (रसायन) — श्री श्रार० के० जीहरी को उसी संस्थान में दिनांक 25 श्रगस्त, 1981 (पूर्वाह्म) से, श्रमाले श्रादेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसाधन) के पद पर नियुक्त

> सी० जी० राय, उप निषेशक-(प्रशा०)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1982

सं प्र 6/247(236)/59—निरीक्षण निदेशक, अम-शेदपुर के कार्यालय में स्थायी उप निरीक्षण निदेशक (धातु-कर्म) भारतीय निरीक्षण नेवा ग्रुप "ए" (धातुकर्मः) शाखा के ग्रेड II (श्री पी० के० मुस्तफी निवर्तमान श्रायु होने पर दिनाक 28-2-1982 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

# दिनांक 13 श्रप्रैल 1982

सं० प्र०-6/247(406)/II—राष्ट्रपति, मद्रास निरीक्षण मण्डल में स्थानापन्न निरीक्षण श्रीक्षणारी (अस्त्र) भारतीम निरीक्षण सेवा ग्रुप "ख" वस्त्र माखा के ग्रेड III) श्री बी० बी० घौधरी को दिनांक 28-7-1973 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> न० म० पेरूमाल, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात एवं खान मंत्रालय इस्पात विभाग लौह एवं इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 5 ग्रप्रैल, 1982

सं० ई०-I-2(3)/75(,)———लौह एवं इस्पात नियंत्रक एसद्द्वारा 31-3-1982 (पूर्वाह्न) मे श्री बी एम० पंडित, प्राधीक्षक को स्थानापन्न रूप से सहायक लौह एवं इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० एन० विश्वास, संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

# (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 श्रप्रैल 1982 संव 2441B/ए०-32013(ए० श्रो०)/80-19-ए०---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित श्रधीक्षकों को प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०

रो०- 40-1200 रू० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, ग्रागामी भावेण होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:---

ऋ०सं०

नाम

<sup>रर</sup>ंभिम्<mark>युन्तिः तिनि</mark>

- श्री एस० कुजूर—24-2-1982 (पूर्वाह्न)
- 2. कुमारी ए० ई० थोमस--26-2-1982 (पूर्वाह्म)
- 3. श्री एस० एन० दास--26-2-1982 (पूर्वाह्म)
- 4. श्री ए० के० भट्टाचार्या---25-2-1982 (पूर्वाह्म)

संकर \$461B/ए०-32013 (एस० घ्रो०) 80-19 ए०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्निलिखित भंडार श्रधीक्षकों (तकनीकी) को भंडार श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, श्रस्थाई अमता में, श्रागामी श्रादेण होने तक प्रत्येक के सामने दशाई गई तिथि से पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है :—

%० सं० नाम

नियुक्ति तिथि

- श्री सी० विश्वास 18-2-82 (पूर्वाल)
- 2. श्री एस॰ सी॰ राय -- 25-2-82 (पूर्वाह्र)
- 3. श्री पी० के० भट्टाचार्या 26-2-82 (पूर्वाह्म)

जे० स्वामी नाथ। महानिदेशक।

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून (उ०प्र०) दिनांक 2 प्रप्रैल 1982

सं० सी०-5803/718-ए०--श्री बी० श्रार० णर्मा, स्थानापन्न श्रधीक्षक, महासर्वेक्षक, का कार्यालय दिनांक 18 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से श्री रामलाल, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी, जिनका स्थानान्तरण हो गया है, के स्थान पर सर्वेक्षण (हवाई) निदेणालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली में स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पए के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

जी० सी० श्रग्नवाल क्रिगेडियर, े भारत के महासर्वेक्षक

भ्राकाशवाणी : महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रप्रैल 1982

सं० 10(16)80-एस०-III---भारतीय नौसेना में, डिप्टी ग्रामींटें सप्लाई ग्राफिसर के पद पर भयन होने पर, श्री ग्रार० एम० बर्मन, सहायक इंजीनियर, श्राकाशवाणी कटक ने 12-3-1982 (ग्रपराह्न) से श्राकाशवाणी में सहायक इंजीनियर के पद से कार्य-भार, त्याग दिया है।

हरीश चन्द्र जयाल, अर्थोसन उप निदेशक (पी)

# स्वास्थ्य सेवा सहानिदेशालय

नई विस्ली, दिनांक 12 मप्रैल 1982

सं पु - 12026/15/80-एन ० एमें ० ई० पी ०/प्रशासन-I— राष्ट्रपति ने केन्द्रीय स्थास्स्य शिका सूरि किला ने श्री एम ० एल ० मेहता, एव०ई० टी० प्रेड-I को 17 मार्च, 1982 के पूर्वाह्म मे श्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय, दिल्ली में पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर जन सम्पर्क श्रीधकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> भ्रो० पी० आली, उप निदेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति).

## नई दिल्ली, दिनांक 14 प्राप्रैल 1982

सं ए०-12026/11/81-(म्रार० एम०एल०एच०) प्रणा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० एल० लाल को १ 16 फरबरी, 1982 (पूर्वाह्म) मे भ्रागामी श्रादेशों तक ने डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल में मेडिको सोशल सर्विस श्रिधकारी के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त है कर दिया है।

> तिलोक चन्द्र जैन उप निदेशक प्रशासन (श्रो० एण्ड एम०)

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाद, दिनांक 1 अप्रैल 1982

सं० ए०-19025/1/82-प्र० तृ०—संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुसार श्री चिपुरती नन्दैया को इस निवेशालय के श्रधीन नागपुर में दि० 12-3-82 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रावेण होने तक स्थानापस्र सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

# विनांक 2 श्रप्रैल 1982

मं० ए० 31014/6/78-प्रo-I—कृषि विपणन सलाह्कार, भारत सरकार, निम्नलिखित प्रधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में सहायक विपणन प्रधिकारी  $(a\dot{\eta}-1)$  के स्थाई पद पर मूल रूप में उनके नाम के भागे विनिविष्ट तिथि से नियुक्त करते हैं :—

श्रधिकारी का नाम	मूल रूप से नियुक्ति की तिथि
सर्वेश्री	
1. एस० डी० फड़के	25-3-1979
2. पी० कुटुम्बा राव	31-10-1979
3. डी० के० घोष	<b>──सम</b> —
4. प्रार०के०व्याध्रा	सम
5. एन० जे० पिल्ले	—सम—
6. ई० एस० पालोस	<del>~</del> ₹₹
7. एच० डी० श्रीवास्तव	सम
<ul><li>श्रार० एस० कटारिया</li></ul>	~ <del>~ सम~~</del>
9.एस०सी०डे	—सम—
10. के० एस१ रेड्डी *-	—सम—
11. भार० एस० वर्मा	स <b>म</b> -
12. शफीक श्रहमद	समं
13. राम प्रकाश चतुर्वेदी	—सम—
14. एस० सी० दास	सम'
15. डी० मे० घास	—सम—
16. सी०पी०गोपीनाथन नायर	सम
17. लो ० एन० राय	सम
18. एम०पी० जार्ज	—सम—
19. बी०पी० सिंह	— सम—
20. पी०वाई भर्के	सम
21. एम० कुणलनाथन	सम
22. भार०पी० सचदेव	<del>~~सम</del> ~~
23. एन० वी० भट्टाचार्या	<del>सम</del>
24. एस० वी० मोहनराव	<del>──सम</del> ──
25. टी० उन्नीकानन	—-सम
26. मुन्दर राम	3-11-1979

2. उपरोक्त प्रधिकारियों की निम्न पद पर ग्रहणा-धिकार यदि कोई हो तो सहायक विषणन प्रधिकारी (वर्ग-1) के पद पर स्थाई होने की तारीख से समाप्त हो जायेगा। सं० ए०-19025/25/81-प्र० तू० सर्वश्री एस० भ्रो० गनोरकर श्रीर वेव प्रकाश शर्मा, जो क्रमणः दिनांक 25-7-81 श्रीर 10-7-81 से सहायक विपणन प्रधिकारी (वर्ग-1) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ श्राधार पर काम कर रहे हैं, दिनांक 2-3-82 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग-1) के पद पर नियुक्त किए गए हैं।

2: श्री डी० बी० भारद्वाज, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेणालय के श्रधीन नई दिल्ली में दिनांक 12-3-82(पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन, **कृते** कृषि विषणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग

#### ऋय भ्रौर भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 7 भ्राप्रैल, 1982

सं० ऋ०भ०नि०/2/1(3)/82-प्रणासन/8929:—परमाणु कर्जा विनाग के ऋप ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने भारी पानः परियोजना कोटा के ग्राई-स्थायो उच्च श्रेणी लिपिक श्री भूदेव प्रसाव ग्रामी को श्रस्थायी रूप से रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन ऋम में 30 मार्च, 1982 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रशासन मधिकारी

## बम्बई-400001, दिनांक 8 भ्रप्रैल 1982

सं० ऋ०भ०नि०/23/3/79स्थापना/9020—परमाणु कर्जा विभाग के ऋय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने सहायक भंडार प्रधिकारी श्री टी० सी० जार्ज की छुट्टी मंजूर हो जाने पर भंडारों श्री काजीर कट्ट ईसाक जार्ज को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन ऋम में 19 प्रक्तूबर, 1981 (पू०) से 22 जनवरी, 1982 (प्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसी निवेशालय में स्थानापन्न सहायक भंडार श्रीधकारी नियुक्त किया है।

सं० क० भ० नि०/23/3/79-स्थापना/9026--परमाणु ऊर्जा विभाग के कथ और भंडार निदेशालय के निदेश क ने सहायक प्रधिकारो श्री मोहन सिंह की छुट्टी मंजूर हो जाने पर भंडारी श्री जॉन वरीद को हपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में तदर्थ श्राधार पर 17 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से पार्

23, 1982 (श्रपणाल्ला) तक के लिए इसी निवेशालय में स्थानापन्न सहायक भंडार श्रधिकारी नियुक्त किया है।

सं० फ़ भ भ नि०/23/3/79 स्थापना/9032 परमाणु कर्जा विभाग के क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार प्रधिकारी श्री एम० एस० गांगनाईक को भंडार प्रधिकारी के रूप में पदोन्नति हो जाने पर भंडारी श्री लक्ष्मण हरिश्चन्द्रा बागवे को रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में 23 नवस्बर, 1981 (पूर्वाह्र) से 16 जनवरी 1982 (ग्रपराह्न) तक के लिए तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार ग्राधकारी नियुक्त किया है।

# दिनांक 12 भ्रप्रैल 1982

सं० ऋ० भ० नि०/2/15/80-स्थापना-16526/9089--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायो भंडारी श्री जाँग वरोद को ग्रस्थायो रूप से इसी निदेशालय में रुपए 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतन ऋम

में 1 प्रप्रैल, 1982 से प्रगरे प्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न सहायक भंडार प्रश्विकारी सिमुक्त किया है।

> कें पी० जोसफ प्रशासन अधिकारो

मह्। निदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल 1982

सं० ए० 32013/3/79-ई० I—इस कार्यालय की दिनांक 15-7-81 की ग्रिधसूचना सं० ए० 32013/3/79-ई० I के कम में राष्ट्रपित ने श्री एफ० सी० शर्मा, की वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्त को दिनांक 29-10-1981 से श्रागे 30-4-1982 तक या पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारों रखने की मंजूरी दे दी है।

सुधाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

सं० ए० 32014/2/81 ई० सी० (पार्ट I)—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित तकनीकी सहायकों को उच्च पद का कार्यभार सम्भालने की तारीख से सहायक तकनीकी श्रीधकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रौर प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर सैनात किया है :—

क <b>्सं</b> ०	 नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1	2	3	4	5
	ार्वश्री		<u></u>	
	राम नाथ	वै० सं० स्टेशन, जयपुर	वै० सं० स्टेशन, जयपुर	. 3-3-82 (पूर्वाह्न <u>)</u>
	 स०पी० धाल	सी० भार० एस० डी० दिल्ली	डी० जी० सी <b>० पू</b> ≇ ( <b>मुख्या</b> लय)	17-2-82 (पूर्वाल)
	जी० एन० साहा	वै० सं० स्टेशन, <b>ध</b> गरतला	वै॰ संक स्टेशन, कमालपुर	24-2-82 (पूर्वाह्न)
	ठ० के० संदिलय	वै० सं० स्टेशन, विल्ली	ग्रार० सी० डी० यू <b>० मई विल्ली</b>	20-2-82 (पूर्वाह्न)
	o के० सक्सेना	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	ग्रार० सी० डी० यू० <b>नई <sup>स्</sup>र</b> स्ली	1-3-82 (पूर्वाह्म)
_	ार० एस० एस० लोटा	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, (देल्नी	12-2-82 (पूर्वाह्न)
	ो० डी० रस्तोगी	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली,	15-2-82 (पूर्वाह्म)
	म० एस० चौहान	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	2 3-2-82 (पूर्वाह्न)
	गजीत सिंह	वे० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	1 5-2-82 (पूर्वाह्न)
	लबीर सिंह्	<b>बै</b> ० सं० स्टे <b>ग</b> न, दिल्ली	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	12-2-82 (पूर्वाह्न)
	ा० के० गण्डोत्रा	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टे <b>ग</b> न, दिल्ली	15-2-82 (पूर्वाह्र)
	ो० बी <b>० धु</b> ले	वै० सं० स्टेशन, राजकोट	वै ० सं० स्टेशन, बम्बई	2-3-82 (पूर्वाह्न)
	ाई० के० कौशिक -	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन बम्बई	24-2-82 (पूर्वाह्न)
	ो० टी० गुजराती	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	24-2-82 (मूर्वाह्न)
	ो० के० तनेजा	वै० सं० स्टेंगन, बम्बई	वै० स० स्टेशन, बम्बई	24-2-82 (पूर्वाह्स)
	म० के० एन० एयं <b>ग</b> र	वै० सं० स्टेशन, बंगलोर	वै० सं० स्टेशन, बंगलीर	1 5-2-82 (पूर्वाह्न)
	ो० ग्रार० सेठी	सी० ए० टी० सी०, इलाहाबाद	मी० ए० टी० सी० इलाहाबाद	15-2-82 (पूर्वाह्न)
	च० एस० दुश्रा	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	बै० सं० स्टेशन, विल्ली	1 5-2-82 (पूर्वाह्न)
, 10 ±	त्व एस० कपूर रु	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	12-2-82 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	<b>म</b> र्वश्री			
2 0.	ग्स० एस० केंग	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	12-2-82 (पूर्वाह्न)
21.	ए० के० ग्रभयंकर	वै० सं० स्टेशन, बम् <b>बई</b>	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	24-2-82 (पूर्वाह्न)
22.	<b>ग्रा</b> र० एन० मोठा	वै० सं० स्टेशन, बम्बर्ध	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	24-2-82 (पूर्वाह्म)
23.	पी <b>० के</b> ० ककरिया	ग्रार० सी० डी० यू० दिल्ली	न्नार० सी० डी० यू० दिल्ली	1 5-2-82 (पूर्वाह्म)
24.	के० वैंकटरमन्	बै॰ सं॰ स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	13-2-82 (पूर्वाह्म)
25.	एम० मंजूर ग्रली	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1 3-2-82 (पूर्वाह्न)
	एस० सुद्रामणियन्	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	15-2-82 (पूर्वाह्न)
	हरभजन सिंह	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	म्रार० सी० डी० यू० दिल्ली	24-2-82 (पूर्वाह्न)
28.	एम० बी० नम्बियार	वै० सं० स्टेशन, कोइम्बटूर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	24-2-82 (पूर्वाह्न)
29.	सी० एस० म्ना <b>हलु</b> वालिया	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	भ्रार० सी० डी० यू० नई दिल्ली	22-2-82 (पूर्वाह्न)
	एच० एस० भाटिया	वै० सं० स्टेशन, पटना	<b>वै</b> ० सं० स्टेशन, पटना	19-2-82 (पूर्वाह्न)
	के० एस० सूर्यानारायणन्	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	22-2-82 (पूर्वाह्न)
	के० सी० गोस्वामी	वै० मं० स्टेशन, लखनऊ	वै० सं० स्टेशन, ल <b>ख</b> नऊ	17-2-82 (पूर्वाह्म)
33.	म्रार० एस० रणधावा	बै० सं० स्टेशन, श्रमृतसर	वै० सं० स्टेणन, भ्रमृतसर	16-2-82 (पूर्वाह्म)
34.	पी० के० सरकार	वै० सं० स्टेशन, श्रगरतला	वै० सं० स्टेशन, श्र <sup>ग</sup> रतला	17-2-82 (पूर्वाह्म)
35.	एन० एन० सिंह	वै० सं० स्टेशन, गौहाटी	वै० सं० स्टेशन, भुवनेम्बर	25-2-82 (पूर्वाह्न)

## दिनांक 8 ग्रप्रैल 1982

सं० ए० 30013/1/82-ई० सी०---नागर विमानन विभाग -के वैज्ञानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो प्रधिकारियों ने - निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वय्य् दिनांक 28-2-82 (ग्रपराह्म) से भ्रपने पद का कार्यभार स्थाग दिया है।

्र _ क्वि० — नाम श्रौर _ सं०	पदनाम तैना	ती स्टेगन
1. क्षी एन० एस० सप्रे	तकनीकी श्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
2. श्री भ्रार० श्रार० जोशी	संचार श्रधिकारी	वै० सं०स्टेशन, बम्ब्र
	सहायक	े प्रेम चन्द निदेशक प्रणासन

वन स्ननुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहराद्न, दिनांक 8 श्रप्रेल 1982

सं० 15/116/82-स्थापना-I—प्रध्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं मह्(विद्यालय, देहरादून, ने श्री भरत सिंह बिष्ट, प्रनुसंधान प्रधिकारी (तदर्थ) दो दिनांक 1-3-1982 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक सहर्ष सहायक मापिकी श्रधि-कारो नियुक्त किया है।

अनुसंधान सहायक ग्रेड-I (सलेक्शन ग्रेड) को अनुसंधान अधिकारी, प्रकाष्ट अभियांतिकी शाखा के पद पर धिनांक 20-2-82 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक सहर्ष नियमित रूप से अस्थाई तौर पर नियुक्त किया है।

> रजत कुमार कुल सचिव वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# रेल मंझालय (रेलवेबोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1982

मं. 81/डब्स्यू० 6/टी० के०/14--रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने निम्नलिखित रेल पथ के अनुरक्षण का कार्य, किसी कर्मचारी को स्थानान्तरित किये बिना, पश्चिम रेलवे से उत्तर रेलवे को अन्तरित करने का अनुमोदन किया है:---

सिकर-चुरु खंड पर कि० मी० 89.18 से कि० मी० 89.77 तक मीटर लाइन रेलपथ क्षेत्राधिकार सीमा निर्धारण प्वांइट ग्रब कि० मी० 89.18 होगा।

यह समायोजन रेलपथ के उचित भ्रनुसरण के लिए किया गया है।

रेलें क्रुपमा सभी श्रावण्यक संशोधन करें।

हिम्मत सिंह सचिव, रेलवे बोर्ड, एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त संचिद

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, विनांक 7 भ्रप्रैल 1982

सं० 1--श्री सुरजीत सिंह, प्रवर यांतिक श्रीभ-यन्ता, उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली का दिनांक 3-4-82 को स्वर्गवास हो गया है।

ग्रार० श्रीनिवसन

महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और मैंसर्स श्रोमैगा मोटर्स प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में। दिल्ली, दिनांक 5 श्रप्रैल 1982

सं० 3702/54214—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतत्हारा यह सूचना वी जाती है कि मैं० श्रोमेगा मोटर्स प्राईवेट लि० का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

डी० एन० पेगू सहायक राजिस्ट्रार म्राफ कम्पनीज, दिल्ली

कार्यालय द्रायकर द्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1

कलकसा, दिनांक 11 मार्च, 1982

श्रादेश सं०781/(एफ० न०  $^{\circ}$  28/28/75-76)—ितम्निलिखित श्रायकर निरीक्षकों को, कार्यभार ग्रहण के तारीख से अगले श्रावेण होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में श्रायकर श्रिकारी वर्ग-ख में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है:—

#### सर्वश्री

- 1. तमाल कुमार भंज चौधरी
- 2. जीवेन्द्र नाथ मैन
- ग्रमल कान्ति नारायण चौधरी
- 4. ध्यान दास गुप्ता
- मनोरंजन राय
- 6. सुभाशीस बसु
- 7. रमेन्द्र नाथ मैत्र
- 8. सुशील चन्द्र गंगोली
- 9. बीरेन्द्र नाथ देशमुकश्य
- 10. प्रकाश पाट्टादार
- 11. इन्दु भूषण चौधरी
- 12. मिहिर कुमार सेन गुप्ता
- 13. गौर हरि घोष
- 14. शांति रंजन भट्टाचार्य
- 15. श्याम सुन्दर घोष
- 16. मृणाल कान्ति चक्रवर्ती
- 17. शैलेन्द्र कुमार मुखर्जी

- 18 शिशिर रंजन घोष राय
- 19 तापस चन्द्र बोस
- 20 तपन कुमार मुखर्जी
- 21. समरेन्द्र नाथ मैत्र
- 22. मिलन कुमार चक्रवर्ती
- 23. श्रीमती प्रतिमा दाम
- 24. सत्यवतः सिन्हा राय
- 25 कामिनी कान्त हालदार

नियुक्ति बिल्कुल प्रस्थायी श्रीर श्रन्तःकालीन श्राधार पर की गई है। श्रीर उन्हें उस स्थान पर बने रहने श्रथवा श्रन्य उन्नति की तुलना में वरिष्ठता का दावा करने का श्रिष्ठकार प्रदान नहीं करता। नियुक्ति को किसी भी समय खत्म किया जा सकता है। यदि खाली जगहों की समीक्षा करने के बाद यह पाया गया कि पदोन्नति के लिए रखी गयी नियुक्तियां खाली जगहों से श्रिष्ठक हैं श्रथवा उनके प्रतिस्थापना के लिए प्रत्यक्ष नियोजित व्यक्ति सुलभ होने पर उन्हें परावर्तन किया जा सकता है। उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी भी जगह किसी भी समय स्थानान्तरित किया जा सकता है।

11. भायकर श्रिधनियम, 1961 की घारा 124 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निदेश देता हं कि:--

# सर्वश्री

- 1. तमाल कुमार भंज चौधरी
- जीवेन्द्र नाथ मैत्र
- 3. ग्रमल कान्ति नारायण चौधरी
- 4. ध्यान दास गुप्ता
- 5. मनोरंजन राय
- 6 सुभाशीस बसु
- 7. रमेन्द्र नाथ मैन्न
- 8. सुशील भन्द्र गंगोली
- 9. बीरेन्द्र नाथ देशमुनम्य
- 10. प्रकाश पाट्टादार
- 11. इन्द्र भूषण चौधरी
- 12. मिहिर कुमार सेनगुप्ता
- 13. गौर हरि घोष
- 14. शांति रंजन भट्टाचार्य
- 15. श्याम सुन्दर घोष
- 16. मुणाल कान्ति चकवर्ती
- 17. शैलेन्त्र कुमार मुखर्जी
- 18. शिक्षिर रंजन घोष राय
- 19. लापस चन्द्र बोस
- 20. तपन कुमार मुखार्जी
- 21. समरेन्द्र नाथ मैन
- 22. मिलन कुमार चक्रवर्ती
- 23. श्रीमती प्रतिमा दास
- 24. सत्यवत सिन्हा राय
- 25. कामिनी कान्त हालदार

श्रायकर श्रधिकारी, वर्ग "ख" के रूप में नियुक्त होने पर, श्रा० ग्र० के सभी कर्त्तां का पालन ऐसे व्यक्तियों या ध्यक्तियों के वर्गों या ऐसी श्राय के वर्गों या ऐसे क्षेत्रों पर करेंगे जैसा उनको समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जायेगा। III तैनाती

- (क) पदोन्नति पर, सर्वश्री तमाल कु० भंज चौधरी भ्रौर जीवेन्द्र नाथ मैक्ष की सेवाएं श्रायकर श्रायुक्त (सेन्ट्रल)-I कलकत्ता को सौंप दी गई हैं।
- (ख) क्रम संख्या 1 श्रीर 2 के श्रलावा, पदोन्नति पर सभी श्रिधकारियों को श्रायकर श्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता के कार्यालय में वि० का० श्र० के रूप में तैनात किया जाता है।
- (ग) श्री म्रार० मण्डल को छुट्टी से लौटने पर म्रा० म्र०, बी० वार्ड, जिला-IV (3) कलकत्ता के रूप में तैनात किया जाता है म्रीर श्री पी० एन० राय, म्रा० म्र० को म्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया जाता है।
- (घ) इस कार्यालय के भ्रादेश सं० 644/एफ० नं०-2ई०/5/81-82 तारीख 21-12-1981 के ऋम संख्या 18 को रद्द किया जाता है जिसके द्वारा श्री भ्रार० मण्डल की सेवा को भ्रा० भ्रा० (सेन्ट्रल)-1 कलकत्ता को सौंप दिया गया था।

एस० एन० सेन, श्रायकर श्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता प्रकृष बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्रप्रैल 1982

निवेश सं० 223/पी० ग्रार/81-82—श्रतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 223, 225 है तथा जो मकनपुर तहसील दादरी में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-8-81

को पूर्विक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्रय से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-धर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- . 1. श्रीमती किंगनदेई पत्नी शिवसहाय निवासी मकनपुर परगना लोनी तह० दावरी जिला गाजियाबाद। (अन्तरक)
  - 2 श्री राम परस्ठा बिरुडर्स प्रा० लि० 4/4 श्रासिफश्रली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि नं० 223, 226 क्षेत्रफल चारबीघा 17 बिस्या ग्राम मकनपुर परगना लोनी तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> विवेक अनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1982

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 श्रप्रैल 1982

सं० 224/पी० न्नार/81-82—अतः मुझे विवेक बनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 227, 313 है तथा मकनपुरा तह० दादरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-8-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का (अंतरितियाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री बाबू राम पुत्र छत्तर सिंह निवासी खरखौदा तह० व जिला मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स राम प्रस्था बिल्डर्स प्रा० लि० 4/4 भ्रासिफ श्रली रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि नं० 227, 313 क्षेत्रफल 4 बीका 18 बिस्व ग्राम मकनपुरा तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> विवेक बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1982

प्ररूप ग्राई० ठी∙ एन० एस ०---श्रायकर **प्रधिनि**यम, 1981 (1981 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधान सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्राप्रैल 1982

सं० 225/पी० न्नार/81-82—न्न्नत/ मुझे विवेक बनर्जी, न्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्पये से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 217 है तथा जो मकनपुर तह० दादरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय दावरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-8-1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खब्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक छप से किवत कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संदुई किसी आयं की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या कन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रश्तरिसी दारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- श्रीमती किशन देवी पत्नी शिवसहाय निवासी मकन पुर परगना लोनी तह० दादरी जिला गाजियाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2.श्री राम प्रस्थाबिल्डर्स प्रा० लि०, 4/4 म्रारिफ म्रली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशत की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तथ्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इ. प्रभाग के राजगत में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्च होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि नं० 217 क्षेत्रफल 5 बीधा 9 बिस्या ग्राम मकनपुरा तहसील वादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> विवेक बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1982

मोइन्द्र ः

प्रकप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

म्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-च (1) के म्राधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहाध्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1982

सं० 310/पी० ग्रार०/81-82—ग्रतः मुझे, विवेक बनर्जी, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/चवपये में ग्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० 208, 228 है तथा जो मकनपुर सह० वादरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यावय वादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृष्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने हा हारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्रिक है प्रौर अन्तरक (प्रस्तरकों) मौर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रनरण के निए ता गया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य ने अना प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

16) के ग्रधीन, तारीख 22-9-81,

- (क) धन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत संक्त श्रिष्ठि-नियम के भनीन कर देने के प्रकारक के दायिल्य में कमी करने या उसमे बचते में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रव, उवत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भन्-सरण में, में, उवत ग्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (।) के श्रधोन निम्निविखित व्यक्तियों, श्र**र्णातः** --  श्री कबूल सिंह पुत्र लेखराज सिंह, श्रा परनी कबूल सिंह निवासी मकनपुरा परगना तह० दावरी जिला गाजियाबाव।

(अन्तरक)

2. मैसर्स राम प्रस्था बिल्डर्स प्रा० लि० 4/4, प्रासिफ प्रसी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजात्र में प्रकारत की तारीख से 43 दित की प्रविध या तथ्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा,जो उन ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि सं० 208, 228 क्षेत्रफल चार बीघा एक बिस्या ग्राम मकनपुरा तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> विवेक बनर्जी, सक्षम अधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1982

मोहरः

# प्रकृप आई० टी । एन० एस०-

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 भ्रप्रैल 1982

सं० 311/पी श्रार०/81-82—श्रतः मुझे, विवेक बनर्जी, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 299, 297, 300, 225, 292, 304 है तथा जो मकनपुरा तह० दादरी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकरण, स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 25-9-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है स्रौर अन्तरक (अन्तरकों) स्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिन्फल कित निम्निवित्व उद्देश्य से उन्तरण निखित में वास्तविक रूष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निक्कि हित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गंगा सरन, ग्रमरनाथ सुभाष, सुन्द्रपाल, पुत छोटे निवासी मकनपुरा तह० दादरी जिला गाजिया-बाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स राम प्रस्था बिल्डर्स प्रा० लि० 4/4 म्रारिफ म्राली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि नं० 299, 297, 300, 225, 292, 304 क्षेत्रफल 13 बीघा 18 बिस्वा ग्राम मकनपुरा परगना लोनी तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> विवेक बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 2 भ्राप्रैल 1982

सं० पि० 5/एस० भ्रार० इचलकरंजी भ्रगस्त 81/6481 82-83--यतः मुझे, श्रार० के० श्रगरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गेट नं० 830 (1/5 हिस्सा) है तथा जो ग्रहापुर, ला इचलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित है, ग्रीर इससे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निवन्धक इचलकरंजी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1981,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. श्रीमती श्रक्ता बाई सखाराम सावंत श्रौर 7 बड-गांव ला० इचलकरंजी जि० कोल्हापूर।

(अन्तरक)

2. श्री पांडुरंग महावेश रोंडगें, श्री सुभाष बनाप्पा मेती इचलकरंजी, जिला० कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्रापर्टी गट नं० 830 (1/5 हिस्सा) शहापुर, लाव इजलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 2896 जो श्रगस्स, 1981 में दुय्यम निबन्धक इचलकरंजी के दंपत्तर में लिखा है)

> श्रार० के० ध्रगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 2-4-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 18 मार्च 1982

सं० श्राई० ए० सी०/सो०ए०5/एस० श्रार० जलगांव सेष्ट 81/629/81-82-- यत: मुझे, श्रार० के० श्रगरवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या शेत स० नं० 242/1 है, तथा जो महरुण, जि० जलगांव में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1981,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अच्य आहित्तयों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री सोन् चिन्तामण पाटील मेहरुण, ला० जिला जलगांव।

(अन्तरक)

 (1) श्री प्रवीण कुमार नागिनचन्द मेहता,
 (2) सौ: कमलाबाई मानीसिंगजी डागरिया रा० राजमल लखीचन्द, सराफ बाजार, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावर व्यास अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय से विया गया है।

#### अमृस्ची

प्रापर्टी जो मेट सं० नं० 242/1, मेहरुण जिला जल-गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि॰ 3475 जो सितम्बर 1981 में दुय्यम निबन्धक, जलगांव के दफ्तर में लिखा है)

> ग्रार० के० ग्रगरवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 18-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भाषकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 18 मार्च 1982

सं० ए 5/एम० श्रार० कल्याण/सितम्बर/<math>81/630/81-82—यतः मुझे, श्रार० के० श्रगरवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गरा है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सं० न० 93ए, हिस्सा नं० 1/1 (पार्ट) है तथा जो जिकणधर, कस्बे कल्याण म्युनिसिपल एरिया, कल्याण जे० ठाणे में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी याप की बाबन उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/धा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 249-ग के प्रमुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निविधा व्यक्तियों, अर्थात :--

 डा० मधुकर दामोदर जोगलेकर आगाणी, ला० बसई, जी० ठाणे।

(अन्तरक)

2. श्री निकेतन सहकारी गृह निर्माण संस्था श्री बिल्डिंग रामबाग 1, कल्याण, जि० ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

प्रॉपर्टी जो संव नंव 93 एवं हिस्सा नंव 1/1 (पार्ट) मौजे चिकणधर, कसबे कल्याण म्युनिसिपल एरिया कल्याण जिव ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत विलेख कः 1085, जो सितम्बर 1981 में बुख्यम निबन्धक कल्याण में स्थित है)

> भ्रार० के० श्रगरवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) श्रर्जन रेंज, पू

तारीख: 18-3-1982

मोहर:

3-46GI/82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन <sup>कें</sup>ज, पूना

पना-1, दिनां रू 19 मार्च 1982

निर्देश सं० सीए 5/एस भ्रार माबल/ग्रॉक्टो 81/637/81-82---यत: मुझे, श्रार० के० अग्रवाल,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 15 रि० मं० नं० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर मं० नं० 360 ग्रीर सि० मं० नं० 169 (भाग), 173 (भाग) है तथा जो बी० वाई, लोणाबला

में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, दुर्यम निबन्धक, मावल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख श्रक्तुबर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब जिस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उपधारा की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्ति कितु कित्यों, अर्थात् :---  श्री नरेश जयन्ती लाल कोटक 11, बैंक पथ, म्म्बई।

(अन्तरक)

2. दि भ्रान्टिफिक्शन बेग्रिरिक्ज कारपोरेशन लि० पंडित जवाहरलाल नेहरू मार्ग लोणावाला, 410401 जिला पूर्ण।

(अन्तरिती)

A Commence

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी जो० प्लाट नं० 15 रि सं नं० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर स नं० 360, ग्रीर सि० स० नं० 169, (भाग), 173 (भाग) बो० वार्ड लोणावाला तहसील मावल जि० पृणे मे स्थित है।

(जैसे कि र्राजस्ट्रोकृत विलेख क्र॰ 1743 जो श्रक्तुझर 1981 में दुय्यम निवन्धक मावल के दफ्तर में लिखा है

> श्रार० के० सम्रवाल. सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

नारीच: 19-3-1982

# प्रक्ष आई. टी. एन. एस.-

अयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, दिनांक 19 मार्च 1982

मं०सी ०ए 5/एस० ग्रार० मावन/ग्रक्त्बर/81/638/81-82:-यतः मुझे ग्रार० के० श्रग्रवान,

माधकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मंख्या प्लाट नं० 24 रि० म० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रीर 2 श्रीर सं० नं० 360 सि० म० नं० 169 (भाग ), 173 (भाग ) हैं तथा जो बी० वार्ड, लोणावला, तहरू मावल, जि० पुणे में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारों के कार्यालय बुय्यम निबन्धक मावल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अम्तरण कि बिल के बाल प्रतिकल, निम्निलिखत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से अच्ने में सुविधा के लिए और/बा
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के तिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री नरेश जयन्तीलाल कोटक 11, बैंक पथ, मुलई (श्रनारक)
- 2. दि० म्रान्टीफिक्शन बेम्रिशिश कारपोरेशन लि०, पंडित जवाहरलाल नेहरू मार्ग, लोणावला-410401, जि० पुणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 24 रिस नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रीर 2 श्रीर स० नं० 360, सि म नं० 169 (भाग 173 (भाग) बी वार्ड ले.णावला तह० मात्रल जि० पुणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1746 जो ध्रक्तूबर 1981 में दुय्यम निबन्धक ावल के दफ्तर में लिखा है)

> ग्रार० के० प्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, कार्यालय

पुना-411004, दिनांक 19 मार्च 1982

सं० सी०ए5/एस० भ्रार० मावल/श्रक्तूबर/81(639)/ 81-82:—यतः मुझे भ्रार० के० श्रग्रवाल,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 27, रि० स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रीर 2 श्रीर सं० नं० 360 श्रीर सि० सं० नं० 169 (भाग), 173 (भाग), है तथा जो बी० वार्ड, लोणावाला, तह० मावल जि० पुणे में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हम से विणत है), रजिस्ट्रीक्तां श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक मावल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तेंबर, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण. में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री नरेश जयन्तीलाल कोटक 11, बैंब पथ, मुबई। (श्रन्तरक)
- 2. दि ग्रान्टीफिकणन बेग्ररिंग्ज कारपोरेणन लि०, पंडित जवाहरलाल नेहरू मार्ग लोणावला 410401, जि० पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 27, रि० स० नं० 169, हिस्सा 1 भौर 2 श्रीर स० न० 360 ग्रीर सि० स० नं० 169 (भाग), 173 (भाग), बी० वार्ड, लोणावाला, तह्र० मावल जि० पुणृ में स्थित है।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1742 जो ध्रक्त्बर 1981 में द्य्यम निबन्धक म।वल के दफ्तर में लिखा है )

> भ्रार० के० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-3-82

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे

पूना-411004, दिनांक 22 मार्च 1982

सं० सी ए 5/एस० ग्रार० 5।णे/सित०/81/631/81-82~-यतः मुसे, ग्रार० के० ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्नीर जिसको संख्या स० नं० 5/1 स्नीर 6/1 है तथा जो नवपाडा, ठाणे में स्थित है, (स्नीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्नीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक ठाणे, में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 1. श्री न। रायणसिंह ठाकुर सिंह बरन श्रीर श्रर्दस फार मैसर्स दुर्गा बिल्डरस, ठाणे।

(अन्तरक)

2. विप दर्शन सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित दिप दर्शन, नवपाडा, ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमस्ची

प्रापर्टी जो० मं० नं० 5/1 ग्रीर 6/1 नवपाडा, ठाणे में स्थित है।

(जैसेकि रिजस्ट्रोकृत विलेख क्र०सं०936 जो सितम्बर, 1981 में दुय्यम निबन्धक ठाणे के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रार० के० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 22-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 23 मार्च 1982

मं० सीए.०5/एम० ग्रार० मावल/ग्रक्ट्र/81/634/81-82— यतः मुझे, ग्रार० के० ग्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 16 रि स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रौर 2 ग्रौर सं० न० 360 ग्रौर सि० सं० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) है तथा जो बी० वार्ड, लोणावाला जि० पूर्ण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुस्यम निबन्धक मावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्त्बर, 1981

का पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निलिखत उव्वदेष से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिका के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) तारीख: 12-3-1982

- 1. श्री नरेण जयन्ती लाल कोटक 11, बेंक पथ, मुबई। (अन्तरक)
- वि स्रान्टीफिक्णन वेद्यरिक्ज कारपोरेणन लि०, वंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग, लोणावाला-410401 जि० पुणे।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 16 रि० स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रोर 2 श्रोर स० न० 360 श्रोर सि० स० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) बी वार्ड, लोणावाला जि० पुणे में स्थित है।

(जैमेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि० 1744 जो श्रक्तूबर 1981 में दृथ्यम निबन्धक मावल के दफ्तर में लिखा है)।

> म्रार० के० स्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीय : 15-3-1982

# प्रकप मार्ड दी एन् एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना-411004, दिनांक 23 मार्च 1982

सं० सीए० 5/एस० ग्रार० मावल/ग्रक्तू/81/635/81-82~─ यतः मुझे, ग्रार० के० श्रग्रवाल,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मूख्य 25,000 रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मंख्या प्लाट नं० 5 रि स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रीर 2 ग्रीर म० नं० 360 ग्रीर सि स० नं० 169 (भाग) (173 (भाग) है तथा जो बी० बाई, लोणावाला, जि० पुणे में स्थित है, (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय दुख्यम निबन्धक मावल में, रजिचेट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारील ग्राक्तूबर, 1981

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य में कीथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कैर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ कर्षातः—

- श्री नरेश जयन्ती लाल कोटक, 11, बैंक पथ, मुंबई। (श्रन्तरक)
- श्री ग्रान्टिफिक्णन बेग्रारिग्ज कारपोरंणन लि०, पंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग, लोणावाला, 410401 जि० पुणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विश की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराष्ट्र
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्ण गया हु<sup>6</sup>।

#### अन्सुची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 5 रि० म० न० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर म० न० 360 ग्रीर सि० स० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) बी वार्ड, लीणावाला जि० पृणे में स्थित है।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि० 1711 जो अक्तूबर, 1981 में द्रथ्यम निबन्धक मावल के दफ्तर में लिखा है।

> श्रार० के० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-3-1982

प्ररूप आर्कः टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्शलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, पूणे

पूना-411004, दिनांक 23 मार्च 1982

सं० सी०ए० 5/एस० श्रार० मावल/श्रक्तू/81/636/81-82——यतः मझे श्रार० के० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 रि० स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर सं० नं० 360 ग्रीर सि० स० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) है तथा जो बी० वार्ड, लोणावाला जि० पुणे में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय हुय्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, तारीख श्रक्तूबर 1981। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिताता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व मंकमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

- श्री नरेण जयन्ती लाल कोटक 11, बैंक पथ, मुबई (ग्रन्तरक)
- 2. दि म्रन्टिफिक्शन बेम्निरिग्ज कारपोरेशन लि०, पंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग लोणावाला, 410401 जि० पुणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्तः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन्सूची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 6 रि० स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रौर 2 श्रौर स० न० 360 श्रौर सि० स० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) बी० वार्ड लोणावाला जि० पुणे में में स्थित है।

(जैसेकि राजिस्ट्रीक्कत विलेख नं० 1745 जो श्रक्तूबर -1981 में दूर्यम निबन्धक मात्रल के दफ्तर में लिखा है)।

> म्रार० के० भ्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना ।

नारीका: 23-3-1982

प्ररूप आइ<sup>5</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे

पूना-411004, दिनांक 24 मार्च 1982

सं० मीए० 5/एस० श्रर० मावल/ग्रक्त्<math>/81/632/81-82—यनः मझे श्रार० के० श्रग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 18 रि० स० नं० 169 हिस्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर स० न० 360 ग्रीर सि० स० न० 169 (भाग) 173 (भाग) है तथा जो बी बार्ड, लोणावाला, जि० पुणे में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक मावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908. (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1981

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रुख्यमान प्रतिफल से, एसे रुख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- 4—46GI/82

 श्रीमती निर्मला बसन्त कोट श्रीर श्रन्य 11, बैंक पथ, मुबई।

(भ्रन्तरक

2. दि ग्रंग्टिफ्क्लिंगन बेग्ररिंग्स कारपोरेशन लि० पंडित जवाहरलाल नेहरू मार्ग, लोणाबाला, 410401 जि० पुणे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 18 रि० स० न० 169 हिस्सा नं० 1 श्रौर 2 श्रौर सं न० 360 श्रौर सि० सं० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) बी० वार्ड, लोणाबाला, जि० पुणे में स्थित है)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि० सं० 1740 जो अक्टूबर 1981 में दय्यम निबंधक सावल के उपनर में लिखा है।

> श्चार० के० ऋग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पुना ।

तारीख: 24-3-1982

प्ररूप बाह .टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे

पूना-411004, दिनांक 24 मार्च 1982

सं० सी ए० 5/एस० श्रार० मावल/श्राक्तू 81/633/81-82—यतः मुझे श्रार० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 17 रि० मं० नं० 169 हिम्सा नं० 1 ग्रीर 2 ग्रीर सं० नं० 360 ग्रीर सि० सं नं० 169 (भाग) 173 (भाग) है तथा जो बी वार्ड, लोणावला. जि० पुणे में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक मावल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1981,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त आरंभिनयम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भृत, उकत निधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चुधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ मुर्थात्ःं -

 श्रीमती निर्मला बसन्त कोटक ग्रौर भ्रन्य, 11, बैंक मुंबई।

(भ्रन्तरक)

2. दि भ्रॅन्टिफिक्शन बेग्ररिंग्स कारपोरेशन लि०, पंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग लोणावाला-401401 जि० पुणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त श्वदों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### जनसूची

प्रापर्टी जो प्लाट नं० 17 रि० सं० नं० 169 हिस्सा नं० 1 श्रौर 2 श्रौर सं० नं 360 श्रौर सि० सं० नं० 169 (भाग) 173 (भाग) बी बाई लोणावाला में स्थित है।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० मं० 1739 जो श्रक्तूबर 1981 में दुय्यम निबन्धक मावल के दफ्तर में लिखा है।)

> अर० के० स्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 24-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 2 अप्रैल 1982

सं० श्राई०ए०सी०सी०ए० 5/एस० श्रार० करविर/अगस्त 81/640/82-83—यत: मुझे श्रार० के० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या सि० स० नं० 2394 है तथा जो सी वार्ड कोल्हापुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय दुय्यम निबन्धक कर्रावर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1981।

को प्रविक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निकित मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित म्युक्तियों, अधित् :-- 1. श्रीमती सौ बदरुनिसा हुसैन बागवनन सि० स० न० 2394, सी० वार्ड, कोल्हापुर।

(अन्तरक)

2. श्री श्रब्दुलगनी बद्ग पटवंगार, सि० स० न० 799, डी० वार्ड, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी जो सि० स० न० 2394, सी वार्ड कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क॰ 3059 जो ध्रगस्त 1981 में दुय्यम निबन्धक करार्वर के दफ्तर में लिखा है।

> ग्रार० के० ग्रंपवालं; सक्षम ग्रंधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पुना-411004

तारीख: 2-4-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

अप्रयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1982

निर्देश सं० सीए० 5/एस० श्रार० करावर/श्रगस्त 81/650/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० के० श्रपवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० न० 153/1 श्रीर 154/1 है तथा जो बडणणे गांव, ता० करिवर जि० कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक करिवर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिल्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दत्तोबा दादा पाटील मकान नं० 2195, ग्रे० वार्ड, कोल्हापुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बिलाम चन्दर माने उर्फ नेजदार।
  - 2. श्री बिश्वास चन्दर माने उर्फ नेजदार ।
  - 3. श्री ग्रानन्दा चदनर माने उर्फ नेजदार ।
  - 4. श्री शिवाजी चन्दर माने उर्फ नेजदार।
  - 5. श्री पडित चन्दर मान उर्फ नजदार।
  - श्री कमलाकर चन्दर माने उर्फ नेजदार ।
     मकान नं० 446, ई वार्ड, कसबा वाबझा, कोल्हापुर।
  - 7. श्री मुकाराम मल्हारी माने उर्फ नेजदार, मकान नं० 457, ई वार्ड, कमबा बावड़ा, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सुची

प्रॉपर्टी जो स० न० 153/1 श्रौर 154/1 जो गांव वडणगे, ता० करिवर, जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1811 जो ध्रगस्त 1981 में दुय्यम निबन्धक करिनर के दक्तर में लिखा है।

> श्रार० के० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-4-1982

#### प्रकप बाई • टी० एन० एस०-

# अ।यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के समीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1982

निदेश सं० ए० श्रार०-1/4-594/81-82---श्रतः मुझे सुधाकर वर्गाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1210 स्राफ फोर्ट डिवीजन है तथा जो फेरर रोड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियमः 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-8-81 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्रायः की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा श्रिपामे में भुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्च में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269व्य की उपधारा (1) के प्रधीन निस्मलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :—

(1) श्री रेबरन सीलबैस्टर परेग द्रस्टी श्राफ सेन्ट जान दी ईवेन्सलीस्ट चर्च।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हनीफ ईस्माइल

(भ्रन्तरितो)

(3) भाड़ोती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उरत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त झिन नियम', के आध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० ब्रम्बई 1599/79 उप-रिजस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 28/8/81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 11-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 मार्च, 1982

निदेश सं० ए० श्रार०-3/2018/81-82—श्रतः, मुझे, सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 22, सी० एस० नं० 14-ए है तथा जो सायन ट्राम्बे रोड, चेंबूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण च्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-8-1981 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उच्क अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती अनुराधा दयानन्द देखा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण श्रीपतराव शिंदे

(भ्रन्तरिती)

4. श्री बालकृष्ण श्रीपतराव शिंदे
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्ण गया है।

#### अनुसुची

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख सं० एस०-2671/79 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 28/8/1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बस्बई

तारीख: 18-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# आयकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बभ्बई, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश सं० ए० ग्रार० 3/2014/7/81-82—श्रनः मुझे, सुधाकर वर्मा,

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 7, हिस्सा नं० 7 है तथा जो व्हिलेज मोहिलो, श्राफ कुर्ला श्रंधेरी रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम को पूर्वीक्त प्रतिफल के लिए धन्तरित के ४ स्यमान है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, दुश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पश्चक्ष प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर मन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक 🥦 से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ध्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घरण धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धरतरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) भ्रनुबाई भ्रागस्टीयीन बोर्जेंस

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 रतिलाल बल्भजी व्होरा
  - 2. किरिट रिभूवनदास व्होरा
  - मणिलाल जिवराज मेहता
  - किशोर मणिलाल मेहता
  - 5. दिनेश मणिलाल मेहता
  - शान्तिलाल भ्रमुतलाल वैद
  - 7. विजय शान्तिलाल वैद
  - 8. कावसजी जामासजी उमरीगर
  - 9. लक्ष्मणदास छगनलाल भाटिया
  - 10. प्रेम लक्ष्मणवास भाटिया
  - 12. मुकेश लक्ष्मणदास भाटिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियों करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजराज में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकार्य के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रीवितियम के प्रश्याय 20-क में यथा परिमाणित हैं, जहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

# भ्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 340/81 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 7/8/81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 27-3-1982

मोहरः

# प्ररूप आई.टी.एन्.एसं.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश सं० ए० श्रार०-4/2012/5/81-82—श्रतः मुझे सुधाकर वर्मा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 51, एच० नं० 18 है तथा जो व्हिलेज मोहिली, ग्राफ कुर्ला ग्रंधेरी रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7/8/1981 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्टे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित! (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उदुदिय से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में ,उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रग्नेस सायमन गोम्स

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. रतिलाल वल्लभजी व्होरा
  - 2 किरिट विभूवनदास व्होरा
  - मणिलाल जिबराज व्होरा
  - 4. किशोर मणिलाल मेहता
  - 5. दिनेश मणिलाल मेहना
  - 6. शान्तिलाल श्रमृतलाल वैद
  - 7. विजय शान्सिलाल वैद
  - कावसजी जमासजी उमरीगर
     लक्ष्मणदास छगनलाल भाटिया
  - 10. प्रेम लक्षमणदास भाटिया
  - 11. मदन लक्ष्मणदास भाटिया
  - 12. मुकेश लक्ष्मणदास भाटिया

(श्रन्तरिती)

कार्यम् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी बूसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2718/80 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार अम्बई, द्वारा दिनांक 7-8-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारी**व**: 27-3-1982

प्रत्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश में ए० अन्य 3/2017/2/81-82---अन मूझे सुधाकर वर्मा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ३69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 832, एंड 833, एस० नं० 1000 सी० टी० एस० नं० 877 एण्ड 877/1 से 877/18 है तथा जो मुल्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नारीख 29/8/1981 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफाल से एसे दूरयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अ**र्थार**ः——

5 -46 GI/82 -

- (1) श्रीमती इंदुमर्नः मनमुखनाल दीर्णः
  - (अस्तरका)
- (2) ठमकर पटेल एण्ड असीसिएट्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भ्रनुसूची जैसा कि बिलेख मं० एस० 1690/81 भ्रौर उप-रिजन्दार बम्बई, द्वारा दिनांक 29/8/81 को रिजन्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रीज-3, अम्बर्ड

तारी**ख**: 27-3-1982

# प्ररूप गाईं, टी. एन. एस. -----

अत्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3. त्रम्बई अम्बई, दिनांक 31 मार्च 1982

निदेश मं० ए० श्रार्थ 3/2011/2/91-82—श्रतः मुझे, मुझक्तर वर्मा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 51, हिस्सा नंव 19 (पीव टीव) है तथा जो व्हिलेज मोहिली में स्थित है (श्रीर इससे उपावब्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजर्स्ट कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालया बम्बई में रिजर्स्ट करण श्रीधिनयस 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तार्ख 7-8-1981 डाक्यमेट नंव एसव-2583/80।

प्रिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि श्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफेल से एसे दश्यमान प्रतिफेल का प्रदेह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिल्ला, निम्नोलिक उद्देश्य में उक्त अन्तरण पिषित में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाधित्य में कभी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों ग्रा. जिल्ला भारतीय अध्याय-अर्व अधिनियम, 1922 ,1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था छिपाने में स्थिया के लिए:

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-ग के अनुसरण में, में. तक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) कैतन मेट्स बोर्जेस

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. रतीलाल बहलभजी व्हीरा
  - 2. किरिट त्रिभूवनदास व्होरा
  - 3. मर्गालाल शिवराज मेहता
  - 4. किशोर मणिलाल मेहता
  - मान्तिलाल भ्रमृतलाल वैद
  - 6. दिनेश मणिलाल मेहता
  - 7. विजय शान्तिलाल वैद
  - 8. कावसर्जा मामासर्जा उमरीगर
  - 9. लक्ष्मणदास छगतलाल भाटिया
  - 10. प्रेम लक्ष्मणदास भाटिया
  - 11. मदन लक्ष्मगदःस भाटिय।
  - 12. मुकेस लक्ष्मगदास भाटिया

(ग्रनरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख संख्या एस०-2583/ 80 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 7/8/81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन जरेंज-3, बम्बई।

न<sup>र</sup>रेखाः 31-3-1972

प्ररूप आह्र .टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, अर्जन रेज 3 बम्बई दिनाक 31 मार्च 198

निदेण सं० ए० ग्रार० 3/2009/81/82⊸—ग्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी मं एम० नं० 7, एच० नं० 2 (पी० टी०) है तथा जो व्हिलेज मोहिला, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रान्गती श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 7-8-82 की डा० नं एस-2775 80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे रुश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. रोमी डोमिनिक बोर्जेस
  - 2. पीटर डोमिनिक बोर्जेस
  - 3. जोई डोमिनिक मोर्जेस
  - 4. फिलिप डोमिनिक बोर्जेस
  - 5. पैट्रांक डोमिनिक बोर्जेम
  - मार्गारेट व्हिन्संट कप्राझई
  - 7. मैकलिन मार्किस इं।मोजा
  - 8. लूईस विडो श्राफ व्हिन्संट बोर्जेस
  - 9. ब्रंडा व्हिन्संट बोर्जेस
  - 10. ग्रास्कर व्हन्सेट बोर्जेस
  - 11. इंग्रेड व्हिन्संट बोर्जेस

(भ्रन्तरक)

- (1) 1. रतीलाल बल्लभजी क्होरा
  - 2. किरिट विभुवनदास व्होरा
  - 3. मणिलाल शिवराज मेहता
  - 4. किशोर मणिलाल महता
  - 5. दिनेश मणिलाल मेहता
  - 6. मान्तिलाल प्रमुतलाल वैद
  - 7. विजय' मान्तिलाल वैद
  - 8. कावभजी जामामजी ध्रमरीगर
  - 9. लक्ष्मणदास छगनलाल भाटिया
  - 10. प्रेम लक्ष्मणदास भाटिया
  - 11 मदन लक्ष्मणदास भाटिया
  - 12. मुकेश लक्ष्मणदास भाटिया

(श्रन्तिर्पत्)

को यह स्थाना जारी करके पृथों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति इवार अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सर्गेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस० 2575/80 श्रीर
 जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 7/8/1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

मुधाकर वर्मा, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन जरेंज-3. बम्बई

दिनांक : 31-3-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्पालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 31 मार्च, 1982

निदेश सं० ए० फ्र.र० 3/2010/3/81-82----- प्रतः मुझे. सुधाकर वर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से ही पर है

और जिलकः सं० सर्वे नं० 51, हिस्पा नं० 19 (सी.टी), है तथा जो किलेज मोहिलः में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीत, ताराख 7-8-1981 डाक्मेंट नं एस 2582/80

कां पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिकाल के लिए अस्तिरत की गई है और मुक्ते यह शिष्टास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकाल सं, एसे द्रयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कल निम्निलिखन उद्देष्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई विसी श्राय की काबस, उक्त श्रीक्षित्यम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उबन अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण में, में, उन्त श्राधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) कैतन मेट्स बोर्जेस

(भ्रत्गरकः)

- (2) 1. रतीलाल वल्लभजी व्होरा
  - 2. किरीट विभावनदास व्होरा
  - 3. मणिलाल शिवराज मेहता
  - 4. किशोर मणिल'ल मह्ता
  - 5. दिनेश मणिलाल मेहता
  - 6. भान्तिलाल ग्रमृतलाल वैद
  - 7. विजय शाल्तिलाल बैद
  - 8. कावसजी जमासजी धमरीगर
  - 9. लक्ष्मणदास छगनलाल भाटिया
  - 10. प्रेम लक्ष्मणदास भाटिया
  - 11. मदन लक्ष्मणदास भाटिया
  - 12. केश लक्ष्मणदास भाटिया

(ग्रन्तरक)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

अनसूची जसा कि, विलेख संख्या एस० 2582/80 और जो उप-रजिस्ट्रार बस्बई, द्वारा दिनांक 7/8/1981 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-3, बम्बई ।

नारीख : 31-3-1982

# प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निदेश सं2 ए० ग्राग्० 3/2013/6/81-82--- श्रतः मुझे मुधाकर वर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संव सब्हें नंव 51, हिस्सी नंव 19 (सी.टी.), है तथा जो व्हिलेज मोहिली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनसूर्च, में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 7-8-1981 की डाक्यूमेंट नंव एसव 339/81 की

करे पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिपत्न स, एसं दश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--मोहर :

(1) अनुबाई आगस्टीअन बोर्जेस

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. रितलाल वल्लभजी व्होरा
  - 2. किरिट तिभूवनदाम व्होरा
  - 3. मणिलाल जिवराज मेहता
  - 4. किणोर मणिलाल महता
  - दिनेश मणिलाल मेहताः
  - 6. शास्तिलाल प्रमृतलाल वैद
  - 7. विजय भान्तिलाल वैद
  - 8 काबमजी जामासजी उमरीगर
  - 9. लक्ष्मणदास छगनलाल भाटिया
  - 10. प्रैम नक्ष्मणदाम भाटिया
  - 11. मदन लक्ष्मणदास भाटिया
  - 12. मकेश लक्ष्मणदास भाटिया

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग</mark> सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करकं पूर्वेक्ति संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्चनसूची

श्रनसूर्चा जैसा कि, विलेख संख्या 339/81 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बर्ड, द्वार। दिनांक 7/8/81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मुधाकर, वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख / 2-4-1982 मोह्रः प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण),

अर्चन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 भ्रप्नैल 1082

निदेश सं० ए० ग्रांप० 1/4596-20/81-82—श्रतः मझे सुधाकर वर्मा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 40 ए, न्यू सर्वे नं० 1244, है तथा जो दादर, माटुंगा (दक्षिण) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-8-1981 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तिवक रूप से कि थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीर निम्नितिसित व्यक्तिनियों, अधीर्:--

(1) श्री माधव गोपाल ग्राठवले

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माधनी माधन श्राठवले

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गया है।

ग्रनसूची

श्रनसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई-1801/80 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार ग्राक्युत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 5-4-1982

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

# आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 4 दिसम्बर, 1981

निदेश सं० 384/81-82---यतः मझे श्रीमिती मंजु माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर नम्बर 4377 खाता नम्बर 4379 है, जो बसनवहल्ली काम रोड, चिकमंगलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी कार्यालय, चिकमगलीर श्रीधर डाक्मेंट नम्बर 962 तर्राख 10-8-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्री एस० एस० कुमार
- (2) श्री एम० एम० कुमार का पुत्र मास्टर मिचन एम० जी० रोड, चिकमंगलोर।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रोत चन्नैगौडा का पुत्र श्री निम्मेगौडा, स्टेट बैंक ब्राफ मैसूर, चिकमंगलोर।

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

चिक्समंगलोर में बसवनहल्ली कास रोड में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका घन नम्बर है 4377 और खाता नम्बर 4379 है।

> श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण)-श्रर्जन रैंज, बेंगलोर

नारीख: 4-12-1981

## प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलीर बंगलीर,दिन । दिनन्तर 198 1

निदेश मं० 385/8 82—यतः मझे श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संव एसव नम्बर 1/1, 1/2, 3/4, 3/4नी, 3/4 जी और 22 है, जो सक्लेणपुर तालक हालहल्लों कस्बा होब्ली में स्थिन है (और इसमें उपाबद्ध अन्भूबी में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सक्लेणपुर अंडर डाक्युमेंट नं 690/81-82 तारीख 12-8-1981

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

- (1) 1 श्री एच० एम० चन्द्रणेखर
  - 2. श्री एच० सी० कुमार
  - 3. एच० एम० कुमारा
  - 4. एट० सी० हेमामालिनी

नम्बर 2, 3, 4 के माईनर गाजियन श्री एच० एम० चन्द्रशेखर, हालहल्ली कस्वा होबली तासुक, सकलेशपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ एम॰ महावेवण्पा की पत्नी श्रीसती सरोजम्मा वेवालपुर तालुक, नागमंगला, डिस्ट्रिक्ट मंड्या।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सी 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा, अधोहास्ताक्षानी को पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

हालहल्ली कमबा होबली सक्लेशपुर तालुक में स्थित निम्तलिखित काकि एस्टेट:----

सर्वे नंबर	ग्राकार		
	एकड़ गुंट		
1/1	034		
1/2	1-0.4		
3/4 डी	003		
3/4 मी	006		
3/4 जो	212		
22	316		

श्रोमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलोर

नारोख: 4-12-1981

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. ------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 21 जनवरी, 1982

निर्देश सं० 405/81-82--यतः, मुझे, श्रोमती मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे मं० 8/2 सब-डिवीजन नम्बर 2 जो काकोडा ग्राम, गोश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूचो में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्यधि-कारी के कार्यालय, क्युपेम, गोवा श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 270, तारीख 20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिएल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-6--46GI/82

(1) दि यूनाइटेड प्राविन्सिज इनस्टीट्यूट श्राफ ब्लेसङ विर्गान मेरी, श्रलहाबाद, प्रतिनिधि, प्रोविन्सियल मुपीरियर श्रीर प्रेसिडेंट रेव० मदर स्कापीया श्राय० बि० एम० वि०।

(श्रन्तरक)

(2) श्रवर लेडी ग्राफ पर्पेटुल सोकर कान्वेंट काकोडा, गोवा प्रतिनिधि वैस प्रैसिडेंट सिस्टर सुपोरियर मेरी क्लेयोपास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी का कतारों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (सं) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गोवा, काकोडा ग्राम हास्पोटल के पास स्थित 3064 स्ववेयर मीटर खुली जगह (दक्षिण भाग सर्वे नं० 8/2) जिसका नाम है "गिटोनेम टूई" उर्फ "गिटेमोटोलोय" ग्रौर जिसका सर्वे नम्बर है 8/2।

> श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलीर

तारीख: 21-1-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. -----

नायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलार

बेंगलोर, दिनांक 21 जनवरो, 1982

निर्देण सं० 406/81-82---यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 8/2, सब-डिवीजन नम्बर 2 है, जो काकोडा ग्राम, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, क्यूपेम, गावा श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 271 तारीख 20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) दि यूताइटेड प्रोधिन्सियल इन्स्टोट्यूट श्राफ ब्लेस्ड विगीन मेरी, श्रलहाबाद, प्रतिनिधि, प्रोविन्सियल मुगीरियर और प्रेसिडेंट रेव० मदर स्कार्षिया शाय० बी० एम० वी०।

العارب والمراكب والمتعارف والمراكب والمراكب والمهجر والمتهجر

(ग्रन्तरक)

(2) अवर लेडो आक पर्पेटुल मोकर कान्वेंट, काकोडा गोवा, प्रतिनिधि वैस प्रेसिडेंट सिस्टर सृपीरियर मेरी क्लोयोपास।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>2</sup>भे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गीवा, काकोडा ग्राम में, हास्पिटल के पास स्थित 5190 स्क्वेयर मीटर खुली जगह (सर्वे नम्बर 8/2 के उत्तर भाग) जिसका नाम है "गिटोनेम टूई)" उर्फ "गिटो मोटोलोय' ग्रीर जिसका सर्वे नं० है 8/2।

श्रीमर्तः मंजू माधवन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलोर ।

तारीख: 21-1-1982

प्रकप् आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

2 6 4

बेंगलोर, दिनांक 6 फरवरी, 1982

निर्देश मं० 408/81-82--यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नंबर 378 (भागांश) ग्रीर 379 (भागांश) है जो ग्रमोना ग्राम बिचोलिम, गोवा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय, बिचोलिम ग्रंडर डाक्युमेंट नंबर 277, तारीख 12-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री रघुनाथ नारायण मुख्या राव देसाई,
 2. श्रीभतो ग्रानंदिबाई रघुनाथ मुख्या राव देसाई,
 गुरिगाव, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स सेजा गोवा प्राईवेट लिमिटेट, भ्राल्टिनो, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तिरती)

कायह स्चना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रमोना ग्राम, बिचोलिम गोवा में स्थित निम्नलिखित खुली जगह :---

सी० एस० नं०	विस्तीर्ण	नाम
379 (भागांग)	7297 स्वेक्यर मीटर	में लोग
378 (भागांश)	1 <b>9</b> 0 0 स्क्वेयर मोटर	मेलोग टुक्डो

श्रीमक्षी मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

नारीख: 6-2-1982

## प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

# आयकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के धिवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 407/82-81—यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 378 (भागशें) श्रौर 379 (भागशें) है, जो श्रमोना ग्राम, बिचोलिम,गोवा में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बिलोचिम श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 278 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का कल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण को. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) ग्रजित वामन सुरया राव देसाइ
- (2) श्री वामन नारायण सुरया राव देसाइ
- (3) श्रीमती गुमांगि उर्फ शीला वामन देसाइ श्री विश्वास के० बोर्कर
- (5) श्रीमती नीला प्रफुला सब्नीस
- (6) श्री प्रफुला ए० सब्नीस
- (7) श्री अशोक वामन सुरया राव देसाइ
- (8) श्रीमती प्रतिभा ए० सुरया राव देसाइ
- (9) श्री श्रनिल वामन सुरया राव देसाइ बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स सेजा गोवा प्राइवेट लिमिटेड अस्टिनो, पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची श्रमोना ग्राम, गोवा में स्थित, निम्न लिखित खुली जगह

सी० एस० नम्बर	विस्तीर्ण	नाम
379 378	729 <b>7</b> स्केयर मीटर 1900 स्केयर मीटर	•

श्रीमती मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

दिनांक : 6-2-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 16 फरवरी, 1982

निर्देश सं० 411/81-82—यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सि० टि० एस० नम्बर 2986 ग्रौर 2987 है, तथा जो कड बजार, बेलगम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बेलगम, ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 953 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन : तारीख 20-8-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात्:—

- 1. (1) एन० इकबाल ग्रहमद
  - (2) मेहर निगार
  - (3) सबेरा बेगम (4) हमेरा पर्वीन
  - (5) नासीर बेगम
  - (6) इम्सियाज ग्रहमद (7) इस्तेक ग्रहमद नं०, 7, वच्चुकुट्टन स्ट्रीट, मेरिमेट, मद्रास

(भ्रन्तरक)

- (1) डाक्टर श्रब्दुल सलाम सुल्तानसाहेब श्रत्तार
  - (2) डाक्टर गुलाम दस्तगीर सुल्तान साहेब ग्रतार
  - (3) श्री खतील श्रहमद मुल्तानसाहेब श्रसार
  - (4) श्रीमती गुल्यानबी श्रब्दुल गफार श्रतार 2487, मालिगल्ली, बेलगम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

कडेबजार बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका सि. हि० एस० नम्बर 2986 ग्रौर 2987

> श्रीमती मंजु माधवन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

> > 172

दिनांक: 16-2-1982

मुहर :

# प्ररूप पाई० टी • एन • एस • ---

# कारमकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभिन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 2 मार्च, 1982

निर्देश सं० 412/81-82---यत:, मझे, श्रीमती मंजू माधवन, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, त्रिप्रवास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से ग्रधित है, भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 67/4, 66/पी भ्रौर 67/6 है, जो सिरगुंडा ग्राम, तालुक चिकमगलूर में स्थित 'है (भ्रौर उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 1011 में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भाधोन : 19 तारीख 20-8-1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यभान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्थरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेशिखित उनेपप से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथत प्रधिनिक्ष के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) हुसेन साहेब के पुल श्री एच० इन्नाहिम बसवनगुडि बडावणा, शिमोगा।
  - (2) श्री हुसेन साहेब के पुत्र श्री एच० मिर्जा हुसेन करेहरूनी, तालक कड्र ।
  - (3) श्रा एच० इक्षाहिम के पुत्र श्री एच० इ० दादा कलंदर, शिमोगा।
  - (4) श्री एच० इब्राहिम के पुत्र श्री एच० इ० ताजुदीन बसवनग्डि बाडावणा, शिमोगा ।
  - (5) श्रां एच० एन० रिफक ग्रहमद, शिमोगा । (ग्रन्तरक)
- बलिपटम टैल वर्क्स, लिमिटेड पप्पीतसेरी, डिस्ट्रिक्ट कन्नातूर, केरला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हमक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त एक्टों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

इंडस्ट्रियल बिल्डिंग (जगह सहित) ग्रीर प्यांडन्ट ग्रीर मणीनरी, जी सर्वे नम्बर 67/4, 66/पी ग्रीर 67/6, सिरगुंडा ग्राम, तालुक चिकमगलूर में स्थित है ।

> श्रीमती मंजु माधवन . सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

दिनांक : 2-3-1982

प्रस्प आहाँ.टी.एन.एस. -----

क्षायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### थारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बंगलूर

बेंग पूर, दिनांक 15 मार्च, 1982

निर्देश सं० सि० घ्रार० नं० 31953/81-82---यतः,मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसक उचित वाजार मूल्य 25.000/रा. सं अधिक है

श्रीर जिसका मं० 88/1 है, तथा जो रिचमाण्ड रोड, बेगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवजी नगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ताल

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यपान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी अपने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीगः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रा एम० तामस् 7,96 पूनमल्ली हैरोड मद्रास---10. (ध्रन्तरक)
- म पर्स ए० वि० तामर्म ग्रंड कम्पनि लिमिटेड बीच रोड, ग्रिलिप्पे, केरला ।

(भ्रन्तरिती)

3. स्वयम् (वह व्यक्ति, जिसके श्रीध . में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

(वस्तावेज सं० 1757 ता० 15-9-81) 88/1 रिचमाण्ड रोड सम्प्रात्त का एक भाग जिसके उत्तर में बेचने वाले की सम्पत्ति है, दक्षिण में सम्पत्ति जिसका नाम 'डेलम् फोर्ड' पूर्व में "वारफील्ड" पश्चिम में सम्पत्ति का नाम 'ग्रवेपटेल' हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगल्र ।

दिनांकः : 15-3-1982

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं० सि० घ्रार० नं० 31812/81-1282——यतः, मुझे, मंजु माधवन

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 88/1, है तथा जो रिचमाण्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उवापाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 31-8 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त किंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यौक्तियों, अथित्:—— (1) श्रीमती एस् तामस्769, पूनमल्ली हैरोड मद्रास-10

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री जे० तामम् 23 विजय राघवाचारी रोड मद्रास-18।
- (2) श्रीमती मेबेल प्ररुल 348 पान्तियन् रोड, मद्रास-8
- (3) श्रीमती डोरिस विकटर, 769, पूनमल्ली हैरोड, मद्रास-10।
- (4) श्रीमती ग्लाडिस तामस्, 1/5, रितरटन रोड, मद्रास—10 ।
- स्वयम् (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमस ची

(दस्तावेज सं० 1734 ता० 31-8-81) 88/1, रिचमाण्ड रोड, बेंगलूर, का एक भाग ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

दिनांक: 15-3-82

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 2 श्रप्रैल 1982

निर्देश मं० सी० श्रार० 62/32417/81-82/ एक्यु० बी०-यतः, मुझे, मंजु माधवनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं. म्यूनिसिपल सं० 40 (पुरानी सं०2) है, तथा जो शोषादी रोड, बंगलीर-9 में स्थित हैं ( ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्था से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकिती के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 19-8-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:——
7—46GI/81

- 1.(1) श्री बी० एस० राज, दिवंगत बी० के० श्रीनियास ऐन्सार के पुत्र सं० 40, शेबादी रोड, बंगलीर-9
  - (2) श्रीमती लक्ष्म्मा, दिवंगत बी० के० श्रीनिवास ऐत्गारा की पुत्री सं० 3-6-460, गोकृत हरडीकर वाग, हिमायतनगर, हैदराबाद-29।
  - (3) श्री बी० एम० नारायण स्वामी, दिवंगत बि० के० श्रीनिवास ऐस्पार के पुत्र सं० 3-6-509, हारडीकर वाग हिमायतनगर, हैदराबाद-29।

(अन्तरकः)

 के० एस० द्रार० ट्रस्ट प्रतिनिधि हैं, श्री के० पी० सत्यनारायण णेट्टी सं० 19, णांनप्पा लेन बंगलीर-2। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो जक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>2</sup>, बही अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

#### अन्सूची

(दस्तावेज मं० 2187/81-82 ना० 19-8-81)

घर सम्पत्ति है, जिसका मं० 40, (पुरानी सं० 2) तथा जो शेपादी रोड, बंगलीर-9 में स्थित है।

चक्कबंदी हैं : उ० में ---टूरिस्ट होटल । द० में---मं० 39, शेषाद्री रोड, द० में---मं० 3, रामय्या शेट्टी के संपत्ती प० में---रेस कोर्स रोड,

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बंगलीर

दिनांक : 2-4-1982

प्रकृप आहूरं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज -11, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेश सं० 1 / 607—यतः मुझे, ग्राप्त एविचन्द्रन, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/—रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 84 श्रीर 91 है, जो सोमनूर-करमथमपट्टी मेन रोड, कोयमबट्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूलूर (डाक्यूमेंट सं० 1175/81) में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीमत 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई िकासी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाखित्व मे कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के निग्छ; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधि यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः -- (1) श्री सुष्प्रमियम ग्रीर श्रदरस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दोरेस्वामी घीडर श्रीर श्रदरस

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण--84 श्रौर 91 करमधमपट्टी (डाक्यूमेंट मं० 1175/81)

श्चारं० रविचन्द्रन, ,सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (सिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 2 मार्च, 1982

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजंन रेंज-11, भद्राभ

मद्राम, दिनांक 2 मार्च 1982

निदेण मं० 11580 यत. मुझे, आग० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू. में अधिक है

स्रीर जिनको सं० 11/2, है, जो संगत्र में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारों के कार्यालय, गांधीपुरम(डाक्युमेन्ट सं० 3810/81) में रजिस्ट्रीकरण स्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन स्रगस्त 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेद्य से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तियक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए;
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) ए० एम० वेनकटेमन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० गोविद भेनाय

(श्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन्त मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिणो पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि स्रोर निर्माण — 11/2, 11 स्ट्रीट, टाटा बाद, कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट सं० 3810/81) ।

श्चारः रविचन्द्रत, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-11, महासं

अतः, अब, उक्त अधिरियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 2-3 1982

मोहर

प्ररूप आर्घ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 मा (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-III. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्देश सं० 1024/एक्यू० ग्रार०-ाा/81-82—-यतः मुझे, एम० ग्राहमेद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 82 है तथा जो णरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 13-8-1981

को पूर्वेक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक से लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिक ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती इन। मित्र ग्रीर ग्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी हंसन्खरे लक्ष्मी चन्द गागलानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

82, शरत बोस रोड, कलकत्ता । 1बी०--- 2के० जमीन पर मकान (1/5वां गेयर)

> एम० श्रह्मव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-III, कलकत्ता 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 2-3-1982

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-JII, कलकता

कलकत्ता, दिनांकः 24 मार्च 1982

निर्देश मं० 1044/एक्यू०-प्रार्ट-III/81-82-- -यतः, मुझे, एम० ग्रहमद,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस दसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित वाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 70 ए० है तथा जो सोमा बाजार स्ट्रीट., कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूकी में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित किया गया है), रजिस्ट्रीक्षर्या श्रीधदारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, नारीख 17-8-1981

का पूर्वीका सम्मति है उतिन बाजार पूर्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये अन्तरित की गई है पौर पूजे पह विश्वाप करने हा कारण है कि यया पूर्वीका नमानि कः उतिन वाजार पूल्य, उनके र्म्थमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान पतिकत का पन्यः प्रतिणत से प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) प्रौर प्रम्तरितो (प्रम्तरितयों) के बीज ऐसे प्रम्तरम के लिये तथ पाथा गया प्रतिकल निम्नलिखिए उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्यां कथित नहीं किया गया है!—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) श्री प्रस्त कुमार मुखर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल साहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अपनेत सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: 🖚

- (5) इस सूत्रता के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूत्रता की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवित्र बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबळ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रत्राहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडडीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रह्याय 20-कमें परिभाषित हैं, वही यर्थ होता, जो उन अध्याप में दिया गया है

#### अनुसूची

70 ए, मोव: बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता ।
 3 के०--5 छट(क--19 वर्ग फूट ज्मीन पर मकान ।

्ग० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज III 54. रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकला-16

दिनांक : 24-3-1982

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

**नाय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 26 मार्च 1982

निर्देश सं० 1045/एक्यू० आर०ाग/81-82-- यतः, मुझे, एस० श्रहमद,

आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1 बी है तथा जो शंकर घोष लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8--1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियुष्टों, अर्थातः---- (1) श्री किशोरी मोहन डे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम सामुजी शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1 क्षी, शंकर घोष लेन, कलकत्ता ।

2 के०-6 छटांक-10 वर्ग फीट जमीन पर मकान ।

एम ग्रहमबद समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III 54, रफीश्रहमद किदवर्ड रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 26-3-1981

प्रकृप पाई० टी० एव० एस०---

आयकर मधिनिम्म, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के बधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराब/द, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं० ग्राप् ए० सी० नं० 266/81-82--यतः मझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कासे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो तोकटा, बोबीन पल्ली, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रीर पूर्णमप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 श्रगस्त, 1981

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान बितिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्तिया गया है :---

- (**३) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब**त खबत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के रायि व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा है लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या घत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बागा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --

- (1) श्री बील प्रशोक रेड्डी पिता डा० बी० पल्ला रेड्डी घर नं० 1-12-195, तारबंड, सिकन्दराबाद ।
- (2) मेमर्स मंजीवय्या नगर को० श्रापरेटिव हाउम बिल्डिंग सोमाइटी रजिस्टर नं० टी० ए० बी० 55-बाइ प्रध्यक्ष श्री पी० जयप्रकाण रेड्डी पिता पी० श्रनंत रेड्डी, 1-10-170, बोवीन पल्ली, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

## अनुसूची

कृषि भूमि तोकाटा गाांव, बोबीन पल्ली, सिकन्दराबाद सर्वे नं० 132, विस्तीर्ण 3146 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2412/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मारेड्पल्ली ।

> एस० गोविंद राजन, सक्षम ग्रधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 15-3-1982 मोहर :

## प्ररूप आई० टी • एन • एस०----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं० प्रार० ए० मी० नं० 267/81-82---यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भृमि है, जो नोकटा, बोबीनपत्नी, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्वारी के कार्यालय, मारेडपत्नी, में रजिस्ट्रीकरण श्रिश्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रशिन 19 श्रगस्त, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

- (1) श्री बीठ ग्रणीक रेड्डी पिता डा० बीठ पल्ला रेड्डी घर न० 1-12-195, तारबंड, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) सेसर्स संजीवस्था नगर को० भ्रापरेटिव हाउस विविद्या सोसाइटी रिजस्टर नं टी० ए० बी० 55-बाइ श्रध्यक्ष श्री पी० जयप्रकाण रेड्डी पिता पी० ग्रनंत रेही, 1-10-170, बोवीन पल्ली, सिकंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूची

भूमि, तोकाटा गांव, बोबीन पल्ली, सिकन्दराबाद सर्वे नं० 132 विस्तीर्ण 14 गुंठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2470/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मारेडपर्ली ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद्य

अतः ब्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 15-3-1982

परूप आई० टी० एन० एस०-----

यामकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1)के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1982

निर्देश सं० ग्राप्त ये० सी० नं० 268/81-82---यनः मुझे, एस० गोबिन्द राजन.

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- क्षये से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है, जो चीका थोकटा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यम्नरिती (पन्तरितियों) के गीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्दित हुए से विशा नहीं किया गया है.——

- (क) ध्रश्वरण में हुई किमी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी फिमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रविधा के लिए।

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

8-46GI/82

- (1) श्री के० नाथ रेड्डी पिया विट के प्रामा रेड्डी
- (2) थाँ केल भवला रही विकालिश केंद्र रहा
- (3) श्री के० मत्ता रेड्डी पिता लेट ६०० प्रतम रेड्डी बोबीन पर्स्ता स्मिक्टराबाद ।

(अन्तरक)

 मेसर्थ श्रःमर ज्योती जिल्ला स्थलत को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, 11-4-322/20/34, चीलतल-गाडा, सिकन्टर(बाद ।

बाह प्रेसीडेंट श्री श्रारः पांडुराव पिता लेट श्रारः पेंटय्या, 11-4-322/20/34, चीलएल गुड़ा, सिकन्दराबाद । (श्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कीई भी ग्रा**क्षेप :---

- (क) इस सूबतः के राजा के प्रकार की नारीख से 45 दित की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी अन्य व्यक्ति हारा श्रधोहस्ताक्षरी के पस लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वक्ती करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्वीर पर्दों हा, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याप 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

कृषि भूमि 1 एकर, 1 गुंठा, सर्वे नं० 86, 87 श्रौर 92, चीका तोका बोइनपल्ली, सिकन्दराबाद । रिजर्स्ट्रीकृत दिलेख नं० 2245/81 र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मारेडपर्ली ।

> एस० गोविन्द राजन, मक्षम अधिकारी महायह फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) अजैन रोज, हैदराबाद

विनांक 16-3-1981 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 269/81-82—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो चीं भा थों कटा गांव में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरङ्गपल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुंआधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री के० बाल रेड्डी पिता लेट के० मृत्यम रेड्डी
  - (2) श्री कें ० मल्ला रेड्डी पिता लेट वेंकट रेड्डी
  - (3) श्री के पल्ला रेड्डी पिता लेट के मुख्यम रेड्डी बोबीन पल्ली सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स ग्रामर ज्योती विकार सेक्शन को० ग्रा० हाउसिंग सोसाइटी, 11-4-322/20/34, चीलकल्पगुडा, सिकन्दराबाद बाइ प्रेसीडेट श्री ग्राए० पांडुराव पिता लेट ग्राए. पेंटय्या, 11-4-322/20/34, चीलकल-गुंडा, सिकन्दराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तिता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि 1 एकर, सर्वे नं ० 86-87 श्रीर 92, चीन्ना तानाटा गांव, बाबीन पल्ली, सिकन्यराबाद । रिषस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2246/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मारेड्पल्ली ।

> एस० गोविन्द राजन, मक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज हैदराबाद

तारीख : 16-3-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निर्देश सं० भार० ये० सी० नं० 270/81-82—यतः मुक्तो, एस० गोविन्द राजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर इमारत है, जो तीलक रोड, हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूर्या में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1981

को पृथां कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्च देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्ल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत् :----

- (1) श्रो फाली सरकारी पिता लेट पीरोजणाहा सरकारी
- (2) श्री परवज होडी वाला पिता लेट बुरजोरजी
- (3) श्री फीरदोष मानेक देवारा पिता लेट मानेक देवारा बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री वझीर मली पिना हमनमली बौधानी
- (2) श्री गौकत श्रली टोपीवाला पिता गरार्लाः
- (3) श्रीमती दौलत एस० खेरानी पति सुलतान ग्रलो
- (4) श्रीमती फरीदा शरीफ पति श्री शरीफ घर नं० 4-1-15 श्रीर 16, तीलक रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## अनुसूची

भूमि श्रौर इमारत नं० 4-1-15 श्रौर 16, तीलका रोड, हैवराबाद विस्तीर्ण 701.60 चौ० गज। रजिस्टीकृत विलेख नं० 4899/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैवराबाद।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षमं प्राधिकारी सहायम श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 18-3-1982

## प्रका धाई० टी॰ एन० एस०----

आयक्षर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधोत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 25 मार्च 1982

निर्देश पं० ए० मी० नं० 271/81-82--पनः मुझै, एस० गोविन्द राजन,

आपकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इत्तम इसके नम्बात् 'उक्त अधिनित्तन, कहा गया है), की झारा 269-ख के अगार सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उसवर सन्यति, जिसका उत्ति बानार मृत्य 25,0 10/-इ० से अधिक है

भौर जिसको सं० खुनी जमीत है, जो प्रेमनगर, खरताबाद में स्थित हैं (भौर इससे उन बढ़ अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधित अगस्त, 1981

को पूर्वी स्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से अप के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि प्रयाप्त्रींग्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके पूर्वमान प्रतिकल में, ऐसे दूश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रति त से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (प्रवारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पा गया प्रतिकल, शिक्तलिवित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्त्रित का में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के प्रशीम कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (ख) ऐसा किया आर रा किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, प्रिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) डा० वाइ० वीलीयम्म पितः श्री पुरुषोत्तम, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरकः)

- (1) श्री ई० श्रारिवदराव पिता के० वेंकटराव नरणया मोधल बिल्डर्स, 5-9-58/1-15, बाबुखान स्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद।
- (2) श्रीमती नजमुनीसाबेगम पति इक्तेदारुई(न, बेगमपेट, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

खुली भूमी छत के साथ एम० सी० एच०न० 6-3-222/5, प्रेमनगर खेरताबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण /1250.69 चौ० मी'०। प्रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4464/81 रस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी हैदराबाद।

एस० गोकिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 25-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्गज, हैदराबाद

हाँदराबाद, दिनाक 25 मार्च 1982

निदोश सं. आर. यं. सी. नं. 272/81-82--यतः मूक्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रू. स जीधक है

और जिसकी सं. खुली जमीन ही, जो मासाब टंक, हीदराबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मं और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, हौदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का पर्वास्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का पर्वास्तरितियों। उद्योग से वास्तरिक क्ष्में कि स्थान नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं. एंसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुमरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती मीता जहिंगा, 10-2-289/57, शांती-नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एम पद्दूरनाभस, घर नं 4-1-1046, बोगुल-कांट्रा, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोगे।

स्पव्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुर्गी जमीन एम. तं. 10-4-41, मासाब ट्रक, **हाँदराबाद,** विस्तीर्ण 307 चौ. गज। राजिस्ट्रीकृत विलंख नं. 5100/81 राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी **हाँद**राबाद।

एस. गांबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

त्तरीख : 25-3:1982

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, हैदरबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च, 1982

निर्देश स० ग्रार० ए० सी० न० 273/81-82—⊸यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- स्पर् से प्रिक्ष है

श्रौर जिसकी संश्रृष्ट्वली जमीन है, जो मसाटक हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और पुत्रे यह तिश्वाम करने का कारण है कि पथापुर्वोवन समाति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत, एक्त श्रीधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, इक्षम अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सीता अइसिंग

10-2-289/587, शांतीनगर,हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० दामोदर रेड्डी पिता श्री एम० सत्यनारायण राइकल गांव, भादनगर तालूक, जिला हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि अविधि साथ में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो खक्त अधिनियम के धन्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्भूची

खुली जमीन एम० नं० 10-4-41, मसाब टटंक, हैक्राबाद विस्तीर्ण 315 चौ० गज । रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5239/81 रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त ( निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 25-3-1982

मोहर:

18

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 31 मार्च 1982

निर्वेश सं० आरं० ए० सी० नं० 274/81-82---यतः मुझे, एस० गोविन्य राजन,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 6-3-1219/35 है जो ऊमानगर, बेगमपेट, हैंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिद्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्टिभा के लिए;

अतः अषः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीतः निम्द्रलिखित् व्यक्तियों, अभृति :--- (1) मैसर्स ऊमाकरन तेजकरन, घर नं०, 8-2-547, बंजाराहीनस्, हैंदराबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती लता पावा, केर ग्राफ पावा सर्जीकल कं॰ नं० 5-4-455, स्टेशन रोड़, नामपल्ली, हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां शुरू कारता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त तब्दों और पदों आ, जा उक्त विभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर नं० 6-3-1219/35, ऊमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 387 चौ० गज। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4537/81 रिजस्टीकर्सा मधिकारी हैदराबाद।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 31-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आत्महर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1/82-83---यनः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

श्रायकर श्रिवितयम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिवितयम' कहा गया है), की धारा 289-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिक है

अौर जिसकी सं० भूमि है, जो तंगेलामुडी गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ध्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीष्ठक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उवत ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने ग्राउससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उद्यतः ग्रधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में,मैं, छक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-च की उपघारा (1) के निम्तलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—-

- (1) श्री के० पूरनाचंद्राराव (ई० प्रौर जी०) श्री के० पूरनाचंद्राराव वेंकटद्वारप्रसाद का ग्रह्मवइन पुत्र, तंजूलो गूडी, श्रव विजयनगरम में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्भ ईश्ट इंडिया कमिशयल कं० (प्रा०) लि० येलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी श्रन्य स्थावत द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के ग्रा निश्चित में किए जा सकेंगे।

हपब्ढी करगः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों स्त्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के स्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जा उप श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकर, 88 मेंटस्, नांजेलामुडी गांव, श्रार० ००० एस० नं० 141/1 श्रौर 142/2 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4968/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी येलुर।

> एस० गोविन्द राजन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक : 3-4-1982

## प्रकृप धाई॰ धी॰ एन॰ एस॰~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 2/82-83-काकीनाडास्काड ---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो कंकरागुट्टा, गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रगस्त, 1981।

को पूर्वीकत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अन्तः अन्य, उन्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुक्रहरण भों, मों, उन्त अधिवियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निकालिसिस व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्रीमती डी० रूक्मीनम्मा पति वेंकट सुब्बारावः, ब्रोडीपेटा, गुंटुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकट नागेस्वरा राव पिता वेंकटनरसीम्हा-राव पेट्रोल क्रंक, क्रोडीपेटा गुंटूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वा कित सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- के क्षि कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

खुली जमीन विस्तीण 503 चौ० गज, कनकारागुट्टा, गुंटूर, म्यूनीसिपल पुराना वार्ड नं० 17, नया वार्ड नं० 21, ब्लाक नं० 41 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9107/81 रजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी गुंटूर।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक: 3-4-1982

मोहर:

-46GI/82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० ग्रार ० ए० सी० नं० 3/82-83-काकीनाडा स्कॉड —यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों की, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनहा उचिन बाजार मुख्य 25,000/- ए० से यदिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो कंकरागृट्टा गुंटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत अधिक है मार अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिम्नियम के अधीत कर देने के प्रस्तरक के द्रापित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

भतः धव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अयुक्तियों, अर्थात् क्ष्मां (1) श्रीमती के० ग्रन्नपूरनम्मा पति नरसीम्हा राव, ब्रोडीपेटा गुंट्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकट नागेस्वरा राव पिता वेंकटनरसीम्हा-राव, पेट्रोल बंक, क्रोडीपेटा गुंटूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख, से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद; जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के
  पत्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत भाषानियम, के भाष्याय 20-क में परिचाचित हैं, बहो अर्थ होना जो उस भाष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण  $492\ 2/3$  चौo गज, कंकरागूटा, गुंटूर, म्यूनीसीपल पुराना वार्ड नंo 17, नया वार्ड नंo 21, ब्लाक नंo 4, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंo 9106/81 रजिस्टीकर्ता ग्रिधिकारी गुंट्र ।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-4-1982

मोहरः

प्रकृष आहु ० टी० एम० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैंदरावाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं श्रार० ये० सी० नं० 4/82-83-काकीनाड स्काड--यतः मुझ, एस० गीविन्द राजन
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 41-1-29 है, जो खुली जमीन काकीनाडा में स्थित है (श्रौर इस उपाबध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिकस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिकस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981

को मूर्नेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्भातः :---

- (1) 1. श्री पी० श्रीरामाकृष्णय्या पिता अत्रमय्या
  2. श्री पी० चत्रमय्या पिता श्री रामकृष्णय्या
  3. श्री पी० शशागीरी राव पिता श्री रामा कृष्णय्या,
  सभी टेंपत स्ट्रीट वाकीनाडा के रहीवासी है।
  (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री डी० भारतर रेड्डी पिता कृष्णा रेड्डी 2. श्री डी० चन्द्रशेखर रेड्डी श्रल्प व इन पुत श्री बोस्कर रेड्डी का 3. श्री डी० वीरभद्रा रेड्डी, भारकर रेड्डी का श्रल्पवती पुत 4. श्रीमती डी० पशावती पिता श्री बाष्कर रेड्डी, काकीनाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विष् फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमृस्यी

भिम विस्तीर्ण 3167 चौ० गा, छत् के नाथ वर न० 41-1-29, श्रमेममेंट नं० 9645, काकीनाडा नगर । रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7386/81 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी काकीनाडा ।

एस० गोकिन्द राजन सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैंदराबाद

दिनांकः : 3 स्रप्रैलः 1982

प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1982

म्राप्य ये० सी० नं० 5/82-83 एकाकीनाडा स्काड---यतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो श्रीनगर, काकीनाडा में स्थित है (श्रौर ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर्यूप्णेरूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिनी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के निए ता पाम गम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधि-नियम, के भधीन कर देंगे के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या मन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- (1) श्रीमती ह्वी० सत्यवती पति श्री वेंकटेस्वरा राव, नया कोलनी, श्रीकाकुलम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० ह्वी० ह्वी० सुग्रमन्यम पिता श्री एस० ह्वी० पट्टाभिरामन्ता वेला-रामचन्द्रापूरम तालुक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षित नियम के प्रष्टार 20 के में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रष्टपाय में विया गया है।

# **अनुसूची**

खुली जमीन विस्तीर्ण चौ० गज 5 वां वाई एस० नं० 240 म्रिसेसमेंट नं० 714 म्रीर 715 श्रीनगर, काकीनाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7339/81 रिजस्ट्रीकर्ता म्रिप्टिमारी काकीनाडा।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण)

दिनांक : 3-4-1982

मर्जन रेंज, हैदराबाद

मोहरः

प्ररूप जाई. टी. एन्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निदेश सं० द्यार० ए० सी० नं० 6/82-83-काकीनाडा स्कॉड—-यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

सौर जिसकी सं० भूमि हैं, जो चौरला में स्थित है (सौर इससे उपा बद्ध अनुसूची में सौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चोरला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्रगस्त, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल किन्निलित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिधक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

असः अब, उक्त अधिनियम, क्री धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1. श्री एम० रामस्वामी पिता नरसीम्हम, स्वर्णा, चीराला 2. श्री एम० जनार्धन पिता सी० एच० नरसीम्हम, मेन रोड, चीराला
  - 3. श्री डी॰ मुन्नमन्यम पिता शणस्या परला (चीराला)
  - 4. श्री एम० राधाकृष्णा मूर्ती पिता रामास्वामी स्वरणा रोड, चीराला,
  - 5. श्री एम० श्रीनियासा राव (माइनर सन) बाइ पालक पिता श्री राधाकृष्ण मुर्ती
  - 6. श्री एम० बेंबटेण्डरा राव पिता रामास्वामी, स्वर्णा, चीराला
  - श्री एम० सत्यवरप्रमाद राव पिता चीना नरसीम्हम, मेन रोड, चीराला

(भ्रन्तरकः)

(2) 1. श्री के० नागभूषनम पिता वेंकट सुब्बय्या, जंद्रेपेटा पोस्ट, चीराला तालुक

2. श्री एम० सीया मल्ला रेड्डी पिता म्रडकी रेड्डी जब्रेपेटा पोस्ट, चीराला तालुक

(श्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिच- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

खुली अमीन विस्तीर्ण 2599 चौ० गज रेलबे लाइन के धाने राम मन्दिर के पास, चीराला नगर, टी० एस० नं० 27 श्रीर 28 रिजस्ट्रीवृत विलेख नं० 3148/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी चीराला।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3 प्रप्रैल 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस ..-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 7/82-83—काकीनाडा स्कॉड----थतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० 25/1 है, जो गोइगोलूपाडु, काकीनाडा में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री एस० कोंडला राध पिता मत्यनारायण राघ नेमानी गांव, काकीनाडा तालुक ।
- (2) श्री देगाला इर्विन रोमल, पिता सोलोमन जकव, काकीनाडा ।

(श्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 प्रिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **रहा वो**

भूमि, 1 एकड़, 25 सेंटम, गङ्गालुपडु, सरपावरम जंक्णन के पास, काकीनाडा नगर, सर्वे न० 25/1, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6601/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी काकीनाडा ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रक्षेत रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 श्रप्रैल 1982

में हर :

प्ररूप आहर्र.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 8/82-83-काकीनाडा स्कॉड---थतः मझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25/1 है, जो गोईगोलूपाडु, काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पुर्ण हम से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्प से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्द आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के निया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्री तातावरती भुवंनारायणामूर्ती पिता कोंडालाराव काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देगाल। इंकिन रोमल, पिता सोलोमन जैकब, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृवाँकत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

## अनुसुधी

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ 20 सेंट्स गहगोलुपाडू, सरपावरम जंक्शन, काकीनाडा के पास, सर्वे नं 25/1, 1 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 6600/81 रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी काकीनाडा ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : उम्रजैल 1982

प्ररूप आइँ.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेशा नं० पी० आर० नं० 1551/एनकी/23-II/81-82---अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव नंव 206 (पी) 205-ए (पी) जमीन है। तथा जो तीतल, बोलसाड में स्थित है (भीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1981

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिस्त में बास्तिसक है :--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्ष्य अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः——

- (1) 1 प्रेमलकुमार ललितमोहन गांधी बाग के सामने, नानपुरा, मूरत
  - श्रनुपमकुमार लिलतकुमार गांधी, 1010, गाहेजा सेंटर, न(रीमान पोयन्ट बम्बई।

(अन्तरक)

(2) ईन्डिया गेलाटीन और कैमीकल्स लिमिटिक और दूसरे जि० मैं० डी० सी० वापी ता० परडी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , भो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकल में किए जा सकों ने।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ख़ौर पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अन्स्ची

मिल्कीयत जो तीताल, बलसाड भार॰ एस॰ नं० 206 (पी) 205-ए (पी) भ्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-II, ग्रहमदाबाद

दिनोक: 5 मार्च 1982

प्ररूप आही.टी.एन.एस.\_-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ऋहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्देश नं० पी० आर० नं० 1552/एक्वी/23-॥/81-82---अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की संग्नं 174, 175, 176 देसेरा है तथा जो बिल्ली-मोरा में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप वर्णिल है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन श्रमस्त 1981

को पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित मे वास्तियक हम से किशत नहीं किशा ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के ट्रिस् और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-10—46GI/82

(1) श्री ग्रम्बालाल पुरुषोत्तमदास अमीन देसेरा, ता० गानदेवी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेमाबेन फकीरचन्द शाह बाजार बुनदेर रोड, बिल्लीमोरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया ह<sup>6</sup>ी

### अनुसूची

मिल्कीयत जो देसेरा-एस० न० 174, 175, 176 श्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रह्मदाबाद

दिनांकः : 8 मार्च 1982

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश नं पी० ग्रार० नं 1553/एक्वी/23-11/81-82— भ्रतः मुझे जी० सी० गर्ग भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से ग्रिधिक है,

श्रीर जिस की सं० नं० 403 403 404 (पी) जमीन हैं तथा जो देसेरा, बिल्लीमोरा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गानदेवी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त प्रिक्षित्यम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या निसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रत्र, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में; मैं, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थातु:— (1) श्री बालुभाई जीवनजी लाड देसारा सोना पारोड, ता० गान्देवी

(भ्रन्तरक)

- (2) पारभुभाई प्रेमा भाई पटेल
  - 2. रनछोड भाई प्रेमा भाई पटेल
  - 3. रामर्जः भाई प्रेमा भाई पटेल
  - मोहनभाई प्रेमा भाई पटेल सताकपोर ता० चीकाली, जिला बलसाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्कों।

स्वक्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रवं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिल्कीयत जो देसारा एस नं० 403+403+404 (पी) श्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई है ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

दिनांक: 8 मार्च 1982

# प्ररूप भार्च. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

# भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-॥, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1554/23-11/81-82--श्रतः मझे, जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की संव श्रारवण्सवनंव 235 (पी) है तथा जो छपरा रोख में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रास्चि में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रास्त 1981

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उच्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में स्विधा के निये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —— मोहरः (1) श्री मोहनभाई जीवाभाई पटेल श्रौर दूमरे श्रीमती श्रम्बाबेन जीवनभाई पटेल काछीयावाडी नवसारी

(श्रन्तरकः)

- (2) श्री माधवभाई परभाभाई पटेल पटेल मोसायटी, छपरा, नवसारी।
  - 2. मधुबेन धीरजभाई देसाई, कारवाडा, नवसारी
  - सिवताबेन दयाभाई पटेल उम्मेल वाया चलथान ता० कामरेज
  - 4. पारवती बेन रमेशभाई पटेल, पाराब, ता० कामरेज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिल्कीयन जो एस० नं० 4384, श्रार० एस० नं० 235 (पी) छपरा रोड, श्रगस्त, 1981 में रजिस्दी की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 12 मार्च 1982

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

# म्राथकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गा, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक, 12 मार्च 1982

निदेण नं० पी० श्राप्त नं० 1555/एक्वी/23-11/81-82-श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग, श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द से प्रधिक है

भौर जिसकी सं श्रार एस व न 239 (पी) सी एस व है जो नं 4425, 4423 नवसारी कसवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रवसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्कारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या जससे बचने में मुतिष्ठा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें मारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिमियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में ,मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) लालभाई माधवभाई कुलमुख्यार जमनाबेन
गोविन्द भाई,
जोवीसी फालीया।
लाछीयावाडी नवसारी।
(2) वालीबेन भवान भाई
3. धीलभाई भवान भाई
4. किणोरभाई भवान भाई
चोवीसी काछीयावाडी,
नवसारी।

(अन्तरक)

(2) ईछीबेन मूलजी भाई पटेल जोषी माहोलो, नवसारी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकेंसे ।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, औ खक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनसूची

मिल्कीयत जो श्रार० एस० नं० 239 (पी) सी० एस० नं० 4423-4425 श्रगस्त 1981 में रिजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 12 मार्च 1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1982

निवेण नं० पी० श्रार० नं० 1556/एक्वी/ 23-ा/81-82---श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० श्रार० एस० नं० 273/3, सानदकुवा है तथा जो साधकुवा के पास नागानालावाडी विस्तार, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिम्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय व्यी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड़/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दयाभाई देवचन्द जाह नागरवाड, नवसारी ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री मनुभाई कालीदास माह ग्रमोक निवास दौर के पास नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-अप्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अमुस्ची

मिल्कीयत जो श्रार० एम० नं० 273/3 (पी) सानदकुवा नागातालाब विस्तार, अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सह(यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-IJ, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 12 मार्च 1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।।, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1982

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1557/एक्वी/23-॥/81-82--- श्रश: मुझे, जी० सी० गर्ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% के अधिन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ष्रीर जिस की सं० 145, 148/1+2, 147/1+2+3) तथा जो 157, 158 (पी) कबीलपोर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या मन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उनतं अधिनियमं की धारा 269ना के धनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रायोंतू :— (1) श्री लल्लूभाई मोराजी पटेल, मोती चोनीसी नवसारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मगनभाई कल्याणजी पटेल पीनजारा स्ट्रीट । नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

**धक्**त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सविधि, को भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

मिल्कीयत जी एस० नं० 145, 148/ 1+2, 147/1+2 3, 157, 158 (पी) अगस्त 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह(यक्ष स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रह्मदाबाद -

दिनांकः : 12 मार्च 1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-व (1) के मधीन सूचना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1982

निदेश नं० पी० श्रार्० नं० 1558/एक्बी/23-॥/81-82— श्रतः मुझे, पी० सी० गर्ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रीति सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से श्रीधक है

श्रीर जिस की सं० सी० एस० नं० 2, टीका नं० 15/2, है तथा जो वार्ड नं० 7, नवसारी में स्थित है (श्रीर इस उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरल के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अम्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत चक्त अखिनियम के अधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; खीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्त्रारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुमरणं में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उप्धारा (1) के अधीन निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ठाकुरभाई विश्वानाथ भट्ट.
 कुलमुख्त्यार इन्दराबेन दोलतराय देसाई,
 सम सरकल,
 बम्बई-22

(अन्तरिती)

(2) श्री प्रकाण सिंह रामप्रसाद सौहता, नागरवान बिल्डिंग, नवसारी ।

(भ्रन्त∜रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्वों भीर पदों का, जो छक्त भिक्षितियम के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भश्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकीयत जो सी० एस० नं० 2, टीका नं० 15/2, वार्ड नं० 7, भगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-।। ग्रहमदाबाद

दिनांक: 12 मार्च 1982

# पुरूप आ**र्ड**् टी. एन्<u></u> एस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1982

निदेश नं ० पी० श्रार० नं ० 1559/एक्बी/23-॥/81-82 श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 185, बी० नं० 196, गांव कारेली हैं तथा जो कामरेज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कामरज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्री ठाकोरभाई रतनजी भाई पटेल श्री किशोरभाई ठाकोरभाई पटेल श्री कान फालीथा बारदोली , जिला सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) लक्षमीबेन चिताभाई पटेल गांव तुण्डी ता० पालसाना, जिला सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताउीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [1]

### अनुसुची

मिल्कीयत जो कारेली-एस० नं० 185, बी० नं० 196 श्रगस्त, 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-।।, स्रहमदाबाद

दिनांक: 16 मार्च 1982

प्ररूप आईं, टी. एन. एस. -----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1)** के **भ**धीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1560/एक्वी/23-<sup>TI</sup>/81-82---श्रत: मझे, जी० सी० गर्ग,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 306 | 307, चाला है तथा जो पारडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है); रजिस्ट्री हर्ता श्रिध हारी के कार्यीलय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक र और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिक्ति नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्य में कमी करन या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाजिए था, छिपाने सुधिधा के लिए;

भ्रतः प्रव, उनत भिधिनियम, की धारा 269-म के ध्रतुसरण में, में, उनत भिधिनियम की उपधारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्निसित व्याक्तयों, अर्थात् ध्र——
11—46 GI/82

(1) श्री जयेशकुमार बाबुभाई देसाई, दीपककुमार बाबुभाई देसाई, वापी, ता० पारडी।

(ग्रन्तरक)

- (2) बानी फातीमा को० भ्रो० हाउसिंग सोसायटी का प्रमोटर।
  - 1. मुदालाली गुलामहसैन उणवाला,
  - 2. मुलेमान हुसैनभाई मैकिलवाला वापी, ता० पारडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्येह भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढतीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रक्षाय में विया गया है।

#### अनुसूची

मिल्कीयत जो चाला एस० नं०  $306 \pm 307$  ग्रगस्त 1981 में रजिस्दी की गई हैं ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-J<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 16 मार्च 1982

# भुक्ष आहें, दी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्यं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1982

निदेश पी० ग्रार० नं० 1561/एक्वी/23-॥/81-82---ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 60/1, मोजे श्रमबाजी, है तथा जो दानता तालुका में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन 6-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कि थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री चक्द्रकान्त श्रम्बालाल पटेल, श्रमबाजी में रहता है, वानसा तालुका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पामगनभाई माधवभाई, मारबीलवाबा, स्रमबाजी दानता तालु हा

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके प्वाकित सम्पत्ति कं अर्जन क ल्लए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जो बिक्रीखत नं० 2223 पर सम्पूर्ण वर्णित पर पालनपुर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 6-8-1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।। श्रहमदाबाद,

दिनांक: 17 मार्च 1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1982

निवेश नं० पी० श्रार० नं० 1562/एक्वी/23-॥/81-82— मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

यौर जिसकी सं० भ्राप्त एस० नं० 634/1-6 भौर635/1-4 है। तथा जो पालनपुर सीम में स्थित है (भ्रीर इस उपाबक्क भ्रनुसूचि में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 14-8-1981

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसकं दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्मुसिक्त स्थिकत्यों हैं स्थातिड-⇒ (1) श्री कैंदवापटेल श्रमृतभाई चेलाभाई श्रौर दूसरे लक्षमीपुरा, पालनपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) स्वस्तिक को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, पालनपुर। के द्वारा विकमभाई छोटालाल पटेल, नवा डीसा में रहत। है

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के जाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ध्वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### अनुसूची

खेतीबीजा जमीन बिक्रीखत नं० 2305 पर सम्पूर्ण वर्णित पर पालनपुर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 14-8-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।।, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 17 मार्च 1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक यायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज ।।, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1982

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राप्किशरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ - एउ. से अधिक है

भ्रौर जिस की सं० नं० 419-2-4 (पी) जमीन है तथा भो भ्रांकलेश्वर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में भ्रौर पूर्ण-रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रांकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त,1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित किया गया है।

- (क) अम्तरण ते हुई किती आब की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नृतिस्ति व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) बाई हावा ग्रहमद मोहम्मद, कुल मुखत्यार—ग्रयूब ग्रहमद मोताला, जीताली नाका, ग्रांकलेश्वर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्वारकेश को० श्रो० हा० सोसायटी का प्रमोटर

1. श्री काणुभाई हंसमुखलाल कोटिया,

128, श्रीतम सोसायटी नं० 2,

श्रोच।

2. श्री किशोरभाई दयाभाई काटिया

128, श्रीतम सोसायटी नं० 2, ब्रोच।

3. श्रा रघुनाथ लक्षमीनारायण डालमिया,

विश्वास कालोनी,

श्रलकापुरी,

बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिल्कीयत जो एस० नं० 419-2-4 (पी) श्रांकलेश्वर ग्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्भं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 17 मार्च 1982

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1982

निवेश नं० पी० श्रार० नं० 1564/एक्वी/23-॥/81-82---श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० नं ० 413 (पी) जमीन है तथा जो श्रांकलेश्वर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में झौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रांकलेश्वर में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) बाईखतीजा बीबी युसुफ फसनजी पटेल ग्रहमद युसुफ हसनजी पटेल मकबूल हुसैन हसनजी पटेल , ग्रब्दुलकादर हसनजी पटेल कुलमुखत्यार श्री ग्रायुब ग्रहमद मोताला, जीताली नाका, ग्रांक्लेस्वर ।

(ग्रन्तरक)

(1) प्रमुख श्रीर सिचय,
वीरातनगर को० श्री० हा० मोसायटी,
1. श्री सुधीरकुमार मगनलाल गाह,
पंचायत क्वाटर्स के सामने
श्रांकलेश्वर ।
2. शंकरभाई करसनभाई पटेल
पीरमान नाका
ग्रांकलेश्वर

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

मिल्कीयत जो एस० नं० 413 (पी) श्रांकलेक्वर श्रगस्त 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।। ग्रहमदाबाद

दिनांक: 17 मार्च 1982

# प्रकप आई० टी० एन० एस०---

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थान

### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज , श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक मार्च 15, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1792 23-1/81-82---- ग्रतः मुक्ते, जी सी० गर्भ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान 25, न्यू जागनाथ राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट से रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 4 श्रीसत्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्षा से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती जयश्री बेन महेन्द्रभाई ढ़ोलीकीया ब्लाक-21-एफ मरीन ड्राइय, बम्बई-400020।

(ग्रन्तरक)

2. श्री डीलुमा जांरूभा जाडेजा 6-लक्ष्मीयाडी, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिशाधित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

### अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 146-4-12 वर्ग यार्ड है जो 25, जागनाथ मुख्य रोष्ठ, राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 6320/4-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-82

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांच 18 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार०नं० 179323-1/81-82—यतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1119 है तथा जो वजेयर मोरखी जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 10 श्रीमस्त 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री डाह्मालाल वीसाभाई मोरबी, जिला--राजकोट।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रभात टाइल्स कंपनी की भ्रोर से भागीदार श्री चुनीलाल नानजी, मोरबी, जिला-राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियौं पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्ची

वीन खेतीलायक जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकंड़ 3 गुंठा है जो बजेयर जिला मोरबी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन मोरबी रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 240/10-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्अन रेंज I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-82

**1** 

### प्रकप बाई० ही० हत्। एस०-

# आधकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-क (1) के भेग्रीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1794—यतः मुझे जी० सी० गर्ग न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इपमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के पत्रीन सक्षमं प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ব৹ র রাধাক है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 853 चैकी है तथा जो जेतपुर जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायलिय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19 ग्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिस्तत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से

(क) सम्तरण से दुई किसी साथ की कावत, उक्त सिक्षित्यम के भ्रष्टीन १० देने के भन्तरक के वासित्य में कभी गरने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए। भीर/बा

लम्ब क्रस्थरण विशिक्षत में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया

(क) एमं। किसी आय या किसी उन या ग्रस्य भास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त ग्रधिनियम, या ग्रन-कर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रज जबत भ्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ को उपवारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात ए——  श्री श्ररजन रामजी पटेल देशारवाड़ी, जेतपुर, जिला राजकोट।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री रामकृष्ण प्रीन्टरी की ग्रोर मे भागीदार—
   रसीलाबेन भगवानदास, कनफाया प्लोट,
   जैतपुर जिला राजकोट।
  - (2) मैंसर्स जयवल्लभ डाइंग एण्ड प्रीन्टींग वर्कस की भ्रोर से भागीदार— श्री किरीट कुमार मनसुखलाल कनफीया प्लोट, जेतपुर, जिला—राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकन सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन ह संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल हें 20 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जुक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीतियम के प्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं, रही अर्चहोगा, जो उप ग्रध्याय में वियागया है ।

### अन्सूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1291-4-0, प्लोट नं० 1 श्रीर 1140 वर्ग यार्ड, प्लोट नं० 5, श्रीर 1250 प्लोट नं० 2, श्रीर 1490-4-0 प्लोट नं० 3, तथा जो जेतपुर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1325 श्रीर 1326/19-8-81 से दिया गया है।

जी० सी० गर्ग, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकात (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 1, श्रहमदाबाद

सारीख: 18-3-82

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रहमदाबाद, विनांक 18 मार्च 1982

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 1795—यतः मुझे जी० सी० गर्ग

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1183 है तथा जो गांव बजेपुर तालुका—मोरबी, जिला — राजकोट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के स्रधीन श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब्क कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससी अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अम, उक्त मधिनियम् की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----12--46GI/82

- 1. (1) श्री सतवाश दामा रत्ना
  - (2) श्री नानजी काला श्रीर अन्य गांव वजेपुर, ताल्का-—मोरबी जिला—–राजकोट।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती श्रुसीला बाबुलाल
 श्री चंद्रकान्त रूपचंद
 श्री वालजी अशरामभाई मोर्र्बा, जिला राजकोट।
 (श्रुन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# अनुसुन्नी

बीन खेतीलायक जमीन जिसका क्षेत्रफल 6292 वर्ग यार्ड है, जो गांव—वजेपुर, तालुका—मोरबी, जिला—राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन मोरबी र्राजस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 3254/ग्रगस्त 1981 में दिया गया है।

> जी० मी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्राप्त नं० 1796—यत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव सर्थे नंव 11 चैकी है । तथा जो गांव चांपराजपुर तालुका जेतपुर, जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से काम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या—अन्य/या
- (स) एसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः, अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं के अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. श्री वालाभाई सवर्जाभाई बुटानी गांव—चांपराजपुर, तालुका—जेतपुर, जिला—राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स वीमल खांडमरो उद्योग की ग्रोर से भागीदार श्री भगवानकी उकाभाई वेंकरीया वेकरीया मेन्सन, जैनपुर, जिला—राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी बार व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

बीन खेतीलायक जीमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 24442 वर्ग यार्ड है जिसका सर्वे नं ाा चैकी जो गांव चांपराजपुर जिला—राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्षीखत नं 134/27-8-1981 में दिया गया है।

> जी ० सी० गग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण ) ग्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

मोहर 🕆

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंत रेंज-1 ,श्रहमदाबाद प्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश सं० धी० ग्रार० तं० 1797— पतः मुझे जी० सी० गर्ग

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 180-1 है तथा जो उपलेटा—जिला —राजकीट में स्थित है (श्रीर उपसे उपायक श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण क्या ने योजनारे) प्रतिस्तृतकर्ग श्राधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में र्यजस्तुतकरण श्राधितियम, 1908 कार्यालय, उपलेटा में र्यजस्तुतकरण श्राधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीच 18 श्रागस्त 1981

कां पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोद्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रियक्त से, एंगे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रितिका से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससं बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की अनुभरण मो, मौ, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

1. श्री (पा) वेलजीभाई लठाभाई जीरया प्लोट, उपलेटा, जिला—राजकोट।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स ग्राम्मपाली को० थो० ए० मोसायटी लिमिटेड की श्रोर से श्री छगनलाल प्रेमजीभाई सानी, प्लोट. उपलेटा, जिला—-राजकोट।

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रपल 2901-90-86 वर्ग मीटर है, जिसका सर्वे नं० 186-1 है जो उपलेटा जिला---राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन उपलेटा रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1750/18-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद)

नारीख: 18-3-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-घ (1) के अधीन सूचना** 

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च, 1982

निनेश मं० पी० श्रार० नं० 1798—यतः मुझे जी० सी० गर्ग

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269 खं के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिचत बाजार मृस्य 25,000/-रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० खुली जमीन है तथा जो गांव—साडीया जिला—ग्रमरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाक्षद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से निणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाडीया में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18 ग्रगस्त 1981

कां पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निर्वास करा। का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत कंकत अधि-नियम, के प्रधीन कर देंगे के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, भिन्ते भारतीय धाय-कर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या क्वत अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, छक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्। ---  बाई इफनबार श्रव्दुलहुसेन बोरा बालाचीर की शेरी, गांव--बगसरा, जिला --श्रमरेली।

(ग्रन्सरक)

 श्री ग्रमृतलाल गीरधरलाल धानक गांव—बगसरा बजार में जिला—श्रमरेली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5484 वर्ग यार्ड है, जो नटवरनगर, तालुका—वाडीया, जिला ---अमरेली में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन वाडीया रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 837/18-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, मक्षम पाधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1799—यत. मुझं जी० मी० गर्ग

गायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 402-105-106 चेकी व्यांट नंव 71 हैं। तथा जो मापकी राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह - श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधात है): रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिशर्ट्रीकरण श्रीव्यतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, तारीच 10 अगस्त 1981

का पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंगे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बार्की वक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---  श्रीमती गुक्तानौरी प्रभुदासभाई व्यास गढडा-स्वामीना, जिला--भावनगर।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री दिनेश ग्रम्तलाल भावसार

(2) श्रीमती मालतीबेन नीतीनकुमार भावमार, धर्मेन्द्र रोड़, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रभल 1141-3-0 वर्ग यार्ड हैं जिसका सर्वे नं० 402-405-406 चैकी जो मापदी, राजकोट में स्थित हैं, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 6472/10-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० <mark>गर्ग,</mark> सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

# प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर भ्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज 1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश सं० नं० पी० ग्रार० नं० 1800----ग्रनः मुर्झ जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रंचल श्रपार्टमेन्ट पर पलेट हैं। तथा जो श्रीरी नं० 22 जागनाथ प्लोट, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रगस्त 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. श्री राजेन्द्र गोविंदजी कारीया ग्रीर ग्रन्य 15, सरदारनगर, "जय जलाराम नीवास", राजकोट। (भ्रन्तरक)
- श्रीमती योभावेन ग्रनील कुमार श्रीर ग्रन्थ 22, जागनाथ प्लोट, राजकांट।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोवन सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपश्य में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सात में गमान होते। हो, का भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के गान निर्मालन के दिला का सकांगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

फलेट, श्रंचल श्रपार्टमेंट में है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1102 वर्ग फीट, तीसरी मंत्रील पर ओ 22, जागनाथ प्लोट राजकोट में स्थित है, तथा जिसका एर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रोकर्ता विश्रीखत नं० 4958/श्रगस्त 1981 में दिया गया है।

> जी० गी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज-1, सहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰एस॰-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. श्रहमदाबाद

अहमदायाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेण सं ० पी० आए० न० 1801---यन: मुझे जी० सी० गर्ग

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितियम' उन्न गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, पर विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसका सं सर्वे नं 421, प्लोट नं 11 तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीत इससे उपायद्व श्रनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है); रिजिस्ट्रायनी ग्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रायण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीत तरिख 5 श्रीस्त 1982

को पृषेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया एगा है:——

- (क) अन्तरण में हुई किमो यात की बाबत, इक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसं किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृश्विभा के लिए;

वतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में,, इक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- श्री सरला महेन्द्र कारीया श्रौर श्रन्य राजकोट। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती निर्मलाबेन नुलर्मादास फलीया 2, मनहर प्लोट, राजकोट।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जी के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्वच्छीकरण।—इसमे प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

मकान, जिसका कुल क्षेत्रफल 183.3 वर्ग यार्ड है जो महीला कालेज के नजदीक राजकीट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकीट रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखन नं० 5669/5-8-81 में दिया गया है।

> जीं० सी० गर्ग, मक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1, स्नहमदाबाद

तारीख: 18-3-82

मोहर

# प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंग-1, ऋहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च, 1982

निदेश मं० पी० ग्राप्ट नं० 1802 एक्वी 23-T/81-82---यतः मुझे जी० मी० गर्ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- रू के अधीन रक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 2150 पैकी है । तथा जो बधावन जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्री. इसमें उपायद्ध श्रमुसूर्चें में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है); रिजर्स्ट्रकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, बधावन में रिजर्स्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, ताराख श्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रनिष्ठ प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किश्वत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभीन, गिम्निक्सिन व्यक्तियों, अर्थाद.----  श्री हममुख लाल व लगुख संघली ग्रीर अन्य गरेन्द्रनगर।

(अन्तरकः)

 श्री महेणकुमार बृजलाल शाह श्री गुनवंतलाल पानाचंद शाह सरेन्द्रनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह गूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

### अन्सुची

जमीन जिसका सर्वे नं० 2150 पैकी कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 0 गुंठा है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन वधायन रजिस्ट्री-कर्ता बिकीखत नं० 2969/81/ग्रगस्त 81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज 1, स्रहमदाबाद

नारीषा: 18-3-1982

प्रकृष काइ \_ टी. एम्. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायुक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमद(बाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश सं० पी० अ।र० नं० 1803-एक्वी० 23-1/81-82 ---यतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संवसर्वे नंव 2150 पैकी है। तथा जो बधायन, जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकार्त अधिकारी के कार्यालय बढवान में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंकीरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त कीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित क्यक्तियों अधीत :----

 श्री चंदूलाल दलमुख संघवी स्वस्तीक सोभायटी स्रेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकुलकुमार मुगटलाल शाह मुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल ब्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बर्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 2150 पैकी कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 3 1/2 गुंठा है, तथा जिसका पूर्ण वरणन वधावन रजिस्ट्रीकर्ला बिकीखत नं० 2970/81/अयस्त 1981 में दिया गया है।

> जीं० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

तारीख: 18-3-82

मोहर 🕡

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---- -

# भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ध । 259-च (1) के मजीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायन्त आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेण मं० पी० आर् नं० 1804 एक्बी० 23-I/81-82 — यतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं० सं० एस० नं० 1/4454/पैकी हैं। तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मुरेन्द्रनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 अगस्त 1981

को १ बोंक्त संपित्स के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रज्ञ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/गा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री हरीलाल छवभुज शार मेला के मैदान के मामने भुरेन्द्र नगर।

(ग्रन्तरका)

2 हरीपार्क को० स्रो० रा० सोसायटी लिमिटेड की श्रोर से, श्रा यशवंत पी जानी, 9 सर्योदय सोसायटी, सूरेन्द्रनगर।

(श्रन्तरिती)

को यह यूचना जारो हरके पूर्वोकन सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उकत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—-

- (क) इस स्वता के राजपन्न के प्रशासन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धन्धि, जी भी भन्धि बाद ें समाप्त हो हैं। दें, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सुबना के राजपत में श्रकाशन की नारीख से 45 दिन के बीतर अबन स्थावर सम्पत्ति में हिनत्र के किसी अस्य अयस्य गरा, राओक्स्ताक्षरी के पास लिखन में विस् का सकेंगे।

साब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता, जी उस प्रक्र्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2886.6 वर्ग गार्ड है तथा जो मुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन वढवान रजिस्ट्रीकर्ता विकीखन नं० 3728/25-8-81 में दिया गया है।

> जी०सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1, श्रहमदायाद

अतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीखाः 18-3-82

matt:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश सं० नं० पी० ग्रा.र० नं० 1805 एक्बी० 23-1/81-82—यतः मुझे जी० सी० गर्म ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४५ए से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1935/1 हैं तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वधावन में रिजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख 27 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त मंपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिष्यित व्यक्तिगों, अर्थान :- —  मैंसर्स दादभावाला एण्ड संघयी कंपनी कीक्रोर से भागीदार,

> श्री सुरेण कुमार एतीलाल, प्लाट नं० 25, कन राकुंज, अरोरा थीयेटर के पीछे, कीन्स सर्कल, बोम्बे।

> > (म्रन्तरक)

 श्री अतीतकुमार रसीकताल णाह और अन्य 6, श्रांदर्ण सीमायटी स्रेन्द्र नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8243.95 वर्ग वार्ड है, जो सुरेन्द्रतगर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्गन वधावन रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3741/27-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

नारीख : 18-3-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक 18 मार्च 1982

निदेश सं. पी० ग्रार०नं० 1806 एक्डी० 23-J/81-82 ---यतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1750 है। तथा जो वधायन जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, वधावन में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, नारीख 29 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पान के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिका का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिव नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की वाबत, एक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या जससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-मरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखितव्यक्तियों; ग्रायीत्:—  श्री चंदुलाल दलसुखभाई संघर्का स्वास्तीक सोसाइटी, सुरेन्द्रनगर।

(ध्रन्तरक)

 श्री दीपक गीरधरलाल सेठ महाजन बिल्डीग के पीछे "दीप" सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन की धर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रधि जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में हितकड किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्सों ग्रीर पर्यो का, को जनन ग्रीधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जर्मान जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 38 गुंठा है जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन वधावन राजिस्ट्री-कर्ता विक्रीखत नं० 3753/29-8 81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग स**क्षम प्राधिकारी** सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

नारीख: 18 3-82

मोहरः

प्रकृष घाई ० टी० एन० एस०---भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रापा 269-व (1) के अधीन,सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1982

निदेश मं० पी० ग्राप्त नंत 1807 एक्सी०23-1/81-82 ग्रानः मुझे जी० मी० गर्ग आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नेन बाजार

मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 54 है तथा जो बालश्राश्रम के सामने सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है); रिजिस्ट्राकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, वधावन में रिजिस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रीन, तारीख 19 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वं जार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विण्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पग्द्रह प्रतिणत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अप्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से किया गया है :——

- (क) खन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य आस्नियों की, जिन्हों नारतीय आयकर इ.धिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रक्षितियम, या धनकर श्रिष्टितियम, या धनकर श्रिष्टितियम, या धनकर श्रिष्टितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिल स्यक्तियों अथित ——

- (1) मैंसर्स नवयुग जोप फेक्टरी मुख्नयार—केणवलाल वीर जोलाएका।
  - (2) श्री नवीनमाई के० शेलारका श्रीर अन्य "राम निवास" सरदार पटेल रोड़, सुरेन्द्र नगर।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सौराष्ट्र रचनात्मक समिता सैकेटरी--श्री देवेन्द्रकुमार श्रार० देणाई, राष्ट्रीयणाला, दरबार गोपालदास भवन, राजकोट-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के 'अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जी उस अध्याय में दिया गया ै।

### अनुसुची

मकान जिसका कल क्षेत्रकत 761 10 वर्ग मीटर है जो बालग्राश्रम मुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन वधावन राजिस्ट्रीकर्ती विकाखित ने० 3575/19-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1, श्रहमदाबाद

नारीख: 18-3-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

# भारियकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घा**रा 269**-घ(1**) के श्रिधान सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनां क 18 मार्च 1982

निदेश सं० पी० प्रार्० नं० 1808-- एक्वी ० 23-I/81-82 यतः मुझे जी० सि० गर्ग

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 2053/1, 2053/2, 2053/3 है। तथा जो वधावन जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप के वर्णित है); रिजर्स्द्रांकर्नी अधिकारी के कार्यालय, वधावन में रिजर्म्ह्रांकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तरोख अगस्त 1981

का पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय सेकम के दृश्यमान अति फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्म मम्पिक का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान श्रीतफल मे ऐसे दृश्यमान अति है। का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक छूप मे कथित नहीं किया गया है '—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में पुतिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाग या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :---  श्री: श्रतंतराय क्रियनजा ज्याम श्रीर ग्रस्य वधावन सिटी, जिला--सरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री महीपत लाल कस्तुरचंद ग्रीर श्रन्य सुरेन्द्रनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां कारता हो।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में काई की आक्षेप :--

- (क) इ.न सूचना के जनगत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया नत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अपिक, जो भी प्रविध बाद में जनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि से व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजाब में प्रशासन की तारीख से
    45 दिन के बोर उक्त स्थावर संपत्ति मे
    हिनबद्ध किसा अन्य व्यक्ति उत्ता, प्रबोहस्ताक्षरी
    के पार परितर में उत्तर सहसे।

स्पष्टोकरगः --इसमें प्रपुत्रा गन्दी और पदी का जो उत्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिया गया है।

## अन्सूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 17 गुंठा, 1 एकड़ 19 गुंठा, 1 एकड़ 28 गुंठा, जो वधावन जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन वधावन रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खन नं० 3554/3555 श्रीर 3556/अगस्त 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

市付付: 18-3-82

माहर:

प्रस्त्य आहो . हो . एन . एस . ----- -----

# आयफर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत अधना

कार्यालय, सहायक आयकार आयका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1982

निदेश सं पी० भ्रार० नं 1565/एकयू-23-II/81-82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

श्रीयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके प्रवचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मक्षम प्रीधिकारी का, प्रदृत्विण्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुष्ण से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 252/273 है तथा जो कलोल सीम में स्थित है (श्रीर इससे उपायह श्रनुसूची में स्थीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल (गारा गूजराती) में रिजस्ट्रीदरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रवीन तारीख 25 श्रमस्त, 1981

- (क) अन्तरण में हुई किसी पाल की बायन, उक्त धीवनियम के अनीन अर दने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या तमने बचने में सुविधा के लिए अलि/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या हिसी घन या अस्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) स्व जनत श्रिधिनियम, या घन-कर प्रथितियम (1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य सम्बद्धिरी द्वारा शंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में मुखिका के लिए;

अतः अत्र, उन्न श्रिधितियम को आरा 26%मा के श्रम्सरण में, मैं, उन्त अधितिया के उत्तर २६००व की सम्धारा (1) के अधीन, निम्मिलिकिंग अर्थातन्यों, अर्थात —- (1) श्रा मध्येत्र गोबिन्द भाई, सोमाभाई, गाधस्या वाम, कालोल (उत्तरी गुजरात)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रानन्द पार्क को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोस।इटी लिमिटेड के द्वारा प्रमुख श्री मोहनलाल जेतालाल ग्रसोडिया, मानजुश्री मिल्स चाल। श्रसरवा श्रह-मदाबाद।

(श्रन्त(रती)

को यह मुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मिति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के पस्त्रन्थ में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) ध्रम सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्बीक्षरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उच्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुल्ला जमीन बिकेखत नं० 944 पर जैसे वर्णित किया गया है जो सब-रजिस्ट्रार कलोल (उत्तरी गुजरात) के कार्यालय में तारीख 25-8-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∐, स्रहमदाबाद ∤

नारीख 20-3-1983

माहर १

प्रकृत आहु . टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अख्कत, (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज- ,

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1982

निदेश मं० पी० श्राम्० नं०  $1566/ \overline{v}$ न्थू/23- /81- 82—श्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

आयण जी ियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संव टीव पीव एसव 6, एफव वीव नंव 114, है तथा जो ग्रानन्द में स्थित है (प्रीर इससे उपाग्रह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्रानन्द में राजस्ट्रीकरण श्राधिकारी के कार्यालय, ग्रानन्द में राजस्ट्रीकरण श्राधिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-8-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाकित व्यक्तियों, अर्थात् के

(1) फूला भाई भीखा गाई पटेल, गाणीधाणी खाउँ। श्रातन्य।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री नगर की-श्रापरीटव हार्कासग सोसायटी लिमि-टेड (प्रस्थावित) के द्वारा चीफ प्रमीटर मनु भाई रनळाड़भाई पटेल, अनडी स्ट्रीट, श्रानन्द। (श्रन्सरिती)

कांग्रह सूचना जारी करके पृथाकित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

जमीन जो टी० पी० एस० ६, घ्रानन्द बिक्रीखाता नं० 1991 पर संपूर्ण वर्णित पर ग्रानन्द सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 19-8-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

नारीख: 22-3-1982

मोहरू.

# प्रकप भाई • डी • एन • एस •--

# आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

### मारत सरकार

सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1567/एक्यू/23-II/81-82---भ्रतः मुझे जी० सी० गर्गे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 1547, टी० पी० एस० 4, है तथा जो एफ० पी० नं० 157, श्रानन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, श्रानन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-8-1981

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इश्यमान प्रतिक्त के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेसा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः धवः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---

1. सोलनकी रनछोड़ भाई सोमाभाई।
 2. सोलनकी सरोजबेन रनछोड़भाई।
 3. सोलनकी कानतीभाई रनछोड़भाई।
 सब प्रानन्द में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) इन्टरनेशनल होटल, श्रानन्द के डारा भागीदारों शाह भीखाभाई फूलकन्द श्रीर दूसरे। रहने हैं सारमा, (बाजार )) श्रानन्द तालुका। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पवडीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथे होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

### ग्रमुची

जमीन जो टी॰ पी॰ एस॰ 4, बिकीखासा नें॰ 2316 पर सम्पूर्ण वर्णित में सब रिजस्ट्रार, श्रानन्द के कार्यालय में तारीख 25-8-1981 में रिजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-3-1982

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1568/एक्बी/23- $\Pi/81$ -82—-ग्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० टी० पी० एस० नं० 1, एफ० पो० नं० 168 है तथा जो नडीयाड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिल व्यक्तियों, अर्थात् १को

(1) 1. श्री रावजी भाई मोती भाई पटेल 2. श्रीमती कुमुद भाई मोतीभाई पटेल 3. श्री चनचलबैन मोतीभाई पटेल। पीज भागोल। नडीयाड।

(ग्रन्सरक)

(2) पीलोक को-म्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड के द्वारा प्रमुख दयाभाई देशाई भाई पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# थनुसूची

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज-II, म्रहमदाबाद

तारीख: 22-3-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी, 1982

निदेश सं० पी० स्नार० नं० 1569/एक्बी०/23-II/81-82—स्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक **ह**ै ग्रीर जिसकी सं० नाद नं० 1929-के-4-ए-1, है तथा जो दाहोकवी रोड, साग्रामपुरा, सूरत में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 1981 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उत्दोष्य से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है [--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ग्रामी लैण्ड कारपोरेणन् के भागीदार।
मनोहर , गोपाल कृष्ण, त्रिलोकानन्द,
प्रकाण को० श्राप० हार्डामंग सोसायटी । अथवा
लाइन्स , सुरत ।
सुबारणाबेन सतीण चन्द्र ।
प्रिया एपार्टमेंट नानपुरा सुरत :

(भ्रन्तरक)

- ( म। य ० हाउ०- ।यी । बाब्भाई, रतीलाल गाह, कृष्ण कुन्ज सीसायटी, पुष्पाबेन, मोती धनद, शाह, श्रोलपाड, जिला सरत ।
- (2) जलाराम ढेरेयिस को०ग्राप० हा० सोसायटी:
  - (1) नालिनकुमार, मोहनलाल फिटर, लुहार पोल, मछर्लापीढ़, सुरत ।
  - (2) नलोनी बेन, श्ररविन्द लाल गोपाल, हाथी फालिया, जाम्पा बाजार, सुरत । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, ओ 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो दाहलवी रोड, नोंद नं० 1929-के-4-ए-1 साग्रामपुरा, श्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गर्यो है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, ग्रहमदाबाद

तारीख 23-3-1982 मो**ह**र:

### प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजु, भोपाल ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1982

निदेण पी० श्रार० नं० 1570/एक्वी/23-II/81-82-श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पक्षचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
श्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/७० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ं नं ं 24, (पी), टीं पी ं एसं ं 4, है तथा जो एफं पी ं 224, 225-बी, 225-ए, नवागाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीत दिनांका श्रीस्त, 1981 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का परद्रह प्रतिशत से प्रश्नि है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीव ऐं। श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत विस्तिलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाष्टि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रय्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उपत अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त घिवियम, की धारा 269ना के प्रमुसरण में में, एक्त प्रधिनियम की घारा 269नव की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् [——  श्री नाथुभाई लक्ष्मण भाई पटेल बल्लभ भाई लक्ष्मण भाई पटेल परषोत्तम भाई लक्ष्मण भाई पटेल ताकोर भाई लक्ष्मण भाई पटेल रेलवे पुलिस लाइन्स के पीछे, खानव बाजार, वराछा रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

 लक्ष्मी नारायण को० भ्रा० हाउ० सोसायटी का श्रध्यक्ष श्री श्ररविन्द कुमार, शिवगंकर पुरानी, बराछा रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा धाधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणं]:--इसमें प्रयुक्त गडवों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिशाधित है, वही शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

मिलकत जो एस० नं० 24 (पी) टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 224-225- बी श्रौर 225-ए, नवागाम, श्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**ख** 23-3-1982 मोहर:

## प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व(1)** के **प्रधीत सूचना** 

#### भारत संस्कार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, धहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1571/एक्वी०/23-II/81-82—अतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रपये से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० नोद नं० 2233, जगबाल्लभ पोल, है तथा जो गोपीपुरा, सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सें, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथापागया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, सवं, उनत अधिनियम, धारा की 269-ग के भनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :—  डा० जगवीण मनुभाई मेहता, नानदीप प्रेमराज मेहता बाम्बे ।

(अन्तरक)

 हरिलाल चन्दुलाल भगद जनुमति, हरीलाल भगद। कृष्ण बेन, जनारदन भगद। जनाईन प्राणलाल। जासुबल्लभ पोल, गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की श्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रम्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में बिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं० 2233, जगाबल्लभ पोल, सुरत, श्रगस्त, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी॰ सी॰ गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, II, श्रहमदाबाद

सारी**ख** 23-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० नीद नं० 1653, वार्ड नं० 11, सुरत में हैं तथा जो सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रगस्त, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपभारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री कछरा भाई उर्फ चुन्नीलाल घेलाभाई चोकषी । मादानबेन, कचराभाई, रिवन्द्र कचरा भाई, खुद श्रौर रक्षकर्ता, श्रंवयकता बचे ज्योति, कछरा भाई नानावत, सुरत ।

(श्रन्तरक)

 श्री हंसमुख लाल नगीनदास, शोहत श्री शान्तीलाल नगीनदास शोहत नानावत, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अन्सूची

मिलकत जो नोद नं० 1653, वार्ड नं० 11, सुरत, भ्रगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> र्जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज- , भ्रहमदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर :

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

न्नायकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-II , श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, 'दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1573/एक्बी०/23-II/81-82—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सझम श्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिक है

श्रीर जिसकी सं० नोद नं० 200-ए, वार्ड नं० 4, है लया जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्श है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक चिष से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जपघारा, (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— बेनसीदार चीमननाल वेशजीवाला । खापटीया चकला, कालाश्रीपटनी पोल, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

 महमद भाई, श्रब्दुल्ला भाई, बेरेभवालो, जामबा बजार, सियथी मोहल्ला, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त मुम्रिनियम के श्रव्याय 20-क में परिमाधित है, बही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो नोद र्न० 200-ए, बार्ड नं० 4 सुरत श्रमस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रहसदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1574/एक्वी०/23-II/81-82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 5-19/1+2 है, तथा जो कात(रगाम, सुरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिनांक ग्रीमरता 1981

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बाँद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सव, उक्त सिधिनियम काँधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थातुः—  ईश्वर भाई, जगाभाई पटेल । कटारगाम, सुरत !

(ग्रसिरक)

- 2. कल्पतारु को० हाउ० सोसायटी का प्रमुख भ्रोर सचिव:
  - (1) नामजी भाई कारजी भाई पटेल।
  - (2) बाबु भाई काला भाई पटेल महीधारपुरा, नगर शेरी, सुरता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित् सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसु अध्याय में दिया ग्या है।

#### नगतनी

मिलकत जो एस० नं० 819/1+2, कितारगाम श्रगस्त, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजेंन रेंज-11, श्रहमदाबाद

ं तारीख 24∄3-1982 मो**ह**र ≟

# प्रकप आई• टी• एन• एस•—

# बायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II, श्रष्ट्रमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 1578/एक्की०/23-II/81-82----श्रतः सुझे जी० सी० गर्ग

श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 156/1-बी, प्लाट 4 श्रीर 5 है तथा जो डुंगरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बांच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, श्रीर अन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--15--46GI/82

 मुसा श्रादम श्रसमात लाबी, नानी डुंगरी,
 श्रोच ।

(भ्रन्तरक)

 श्रालबीव द्रविदेंसे भागीदारों, हाजी श्राणी हमीदाबेन, जम्माण पटेल, श्रीर दूसरे। हुंगरी, सुरत ।

(श्रन्सरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
  ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो जनत ग्रिधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 156/1-बी, डुंगरी अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर 🗓

# प्ररूप आई.टी.एन्.एस्. -----

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1576/ एक्की०/23-II/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाद्र संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- हर से अधिक है

भ्रौर जिसकों सं० भ्रार एस० नं० 132 है, तथा जो बेजलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भ्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपर्दित का उचित बाजार मूल्य ते कम के अवसान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है बीह बुके बहु विक्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्दित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि बा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्तिखत व्यक्तियों, अर्थातु :---  जासु एन्टेरप्रैस, भागीदारों :
 श्री विनोदचन्द्र भीखाभाई मिस्त्री बेजलपुर, सानदा चौक, क्रांच ।

(भ्रन्तरक)

 श्री रमणलाल, छागनलाल षेलत । मन्त्री, वसनम नगर, को० श्रा० हाउ० सोमायटी, बेजलपुर, बाबाखना, क्रोच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित्के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना को राजपत को प्रकाशन की वारी खंसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पद्यों का, पा अकत अभिनियम्, को अध्याय 20-का में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# वन्स्ची

मिलकत जो श्रार० एस० नं० 132, वेजलपुर, <mark>श्रगस्त,</mark> 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भावकत (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर :

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

# मायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-II, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1577/एक्बी०/23<sup>II</sup>/81-82—-ग्रतः मुक्को जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं ं नं 163 (पी) डुंगरी है तथा जो बोच में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बोच में रिजस्ट्रीक्तर श्रिधकारी के कार्यालय बोच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक ग्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रश्चिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के खिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--  लक्ष्मी श्रोरगतैसर, पानच बटी ,<sup>1</sup>/<sub>2</sub> सवाश्रम रोड, श्रोच ।

(ग्रन्तरक)

 लक्ष्मीनगर को० भ्राप० हाउ० सोसायटी, बुधदेव मार्केट,
 श्रोच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के संबंध में की इं भी आधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्ती कर ग: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त श्रधिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 163 (पी) डुंगरी (रजिस्ट्रेशन नं० 2316, 2317, 2332, 2333), अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गई है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 24-3-1982

प्रारूप बार्ड, टी. एन. एस. ---

भार्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाव

श्रहमदाबाद दिनांक 24 मार्च, 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्शास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 72-ए, भोलाव है तथा जो श्रोच में स्थित है (ग्रौर इससे उपावज श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनोंक श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से एसे दरयमान प्रतिफाल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्विद्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्जिक में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——  ईमामुदीन बाद्वुद्दीन, सैयेद, क्रोच ।

(ग्रन्तरक)

 प्रियनक सारवैदा, बेनी भोपीयली, ट्रस्ट।
 ट्रस्टी श्री किशन भाई लक्ष्मी चन्द, सारवैदा, प्रीतम, सोसायटी क्रोच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजफन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त पांचों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो भोलाव एस० नं० 72-ए, श्रगस्त, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, ग्रामहदाबाव

तारीख 24-3-1982 मोहर : प्रकप बाहु . टी. एन्. एस. -----

आवकर औषीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रस्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1579/एक्वी०/23-IJ/81-82—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 22 (पी), भोलाव है तथा जो श्रोच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रोच में र्राजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1981

को पूर्विकत संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशतअधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तीवृक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निष्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 कव 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. षाणाभाई ईश्वरलाल पटेल, चिमल भाई ईश्वरलाल पटेल, सावेश्वर ता० क्रोच ।

(ग्रन्तरक)

 ग्रमर श्राणा को० ग्रा० हा० सोसायटी, भोलाव, सा० क्रोच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वाक्त सम्पत्ति</u> के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित कद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा ग्या है।

# अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 22 (पी) भोलाव ग्रागस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर : प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1847/23-I/81-82—श्रतः मुझे, जीं० सी० गर्गेI

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 683/7 (पी) है, तथा जो बोटाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बोराड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ जनतिहती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सिष्धा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

 दलपाडी योभनभाई घनाभाई खोजा बोडिंग के नजवीक, बोटाइ ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जयेन्द्र कुमार जेठालाल, श्रपूर्ण बील्डर्स के भागीदार, 53/1, सील्वर फोल्ड, एम० सी० रोड, बोरीपली, बैंस्ट, बोम्बे-92

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृवांकित सम्पृत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन्की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकोंगे।

ह्मध्वीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

जमीन जिसका सर्वे नं० 683/7 (पी), जिसका क्षेत्रफल 4401.30 वर्ग मीटर जो बोटाड में स्थित है, जिसका वर्णन बोटाड रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 996/ग्रगस्त, 1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्र⊺धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**ख** 25-3-1982 मोहर: प्ररूप बरहरें. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 माच 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1846/23-1/81-82---- श्रतः मुसे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, तथा जो फालुभा रोड, भाय-नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर/वा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 दामोदरदास नागरदास णाह् 114-फकुफुल निवास, जुनी हनुमान गली कालबादेवी, बोम्बे-2।

(श्रन्तरका)

- 2. तिर्मला फ्लेट को श्राप० हा० सोमायटी लिमिटेड की श्रोर से :
  - श्री मनीश चन्द्रकान्त पारेख
  - 3, फालुभा रोड, भावनगर-2

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4% दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

#### अन्स्ची

जमीन जिसका प्लाट नं० 3, कुल क्षेत्रफल 859.18 वर्ग मीटर है, जो फालुभा रोड, भावनगर में स्थित है तथा जिसका वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 1858/1-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 25-3-1982 मोहर:

# प्ररूप बार्ड . टी. एन्. एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० डब्ल्यू० नं० 2, णीट नं० 14, सर्वे नं० 1130, ग्रौर 1131, है तथा जो भेमनपाडा, पीरबंदर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पोरबन्दर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-8-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:---

 हाजरा बेन बेग मामद की आोर से कुल मुख्यार श्रीमती जुबेदाबेन, तैयब, मेमनपाडा, पोरबन्दर, ।

(अन्तरक)

 वारल उलुम गनसे भ्राजम की भ्रोर से कुल मुख्तार श्री भ्रव्युल सत्तार श्रव्युल ह्वीब उमडानी, मेमनपाडा, पोरबन्दर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान जिसका सी० एम० डब्स्यू० 2, शीट नं० 14, सर्वे नं० 1130 श्रौर 1131 जो मेमनपाडा, पोरबंदर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण विवरण बोरबन्दर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-खत नं० 2804 श्रौर 2805/25-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 24-3-1982

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1844/23-1/81-82—श्रतः मुझ,जी० मी० गर्गे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० पीपला खडकी है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक 31-8-1981

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा ग्या प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

यत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित म्यवितयों, अर्थात् :--16--46GI/82

 श्री वस्लभदास कुलचन्द गेठीया, खबीबाड, शांतरीट।

(अन्तरका)

- (1) श्री मुबोध चन्द्र रघुनाथ गेठीया, महालक्ष्मी स्ट्रीट, पीपला खडकी, जुनागढ़ ।
  - (2) श्री सुधीर चन्द्र माधवलाल गेठीया, मांगलाथ रोड, ''परीमल'', जुनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यविनयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान जो पीपला खडकी जूनागढ़ में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 156-26-07 वर्ग मीटर है तथा जिसका वर्णन जूनागढ़ रजिस्ट्रीक्शर्ता विकीखत नं 2767/31-8-81 में दिया गया है।

> जीं जीं मीं गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, अहमदाबाद

त्रीख 24-3-1982 मोहर: प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेण मं० पी० भ्रार० नं० 1843/23-I/81-82---भ्रत: मुझे, जी'० मीं० गर्ग

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका संव सीव एसवनंव 3 सर्वे नंव 5318 पैकी है तथा जो पोरबंदर में स्थित है (श्रौर [इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-8-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में तृविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के गुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री कमलाबेन क्रजी वापडा,
  - (2) कान्तीलाल रतनजी दापडा,
  - (3) स्रानिलकुमार रतनजी दापडा, स्टेशन रोड, पोरबन्दर ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रो नटवरलाल काकुभाई ग्रौर ग्रन्थ
  - (2) श्री काकुभाई जीनाभाई लालचेता
  - (3) श्री द्वारकावास जीनाभाई लाल खेता खोख चौक, पोरबंदर ।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुस्ची

मन्नान जिसका सर्वे नं० 5318 पैकी सी० एस० नं० 3, जिसका कुल क्षेत्रफल 163-53, 154-17 श्रीर 168-30 वर्ग यार्ड है, जो पोरबंदर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2664, 2665, 2666/5-8-1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 24-3-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-च (1) के अधी**न स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1842/23-I/81-82—ग्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एफ पी नं 759/8, पैकी टी पी एस 3, है तथा जो घडावड उर्फ मादलपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-8-81

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ब्हरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी भाय की साबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) ताराचंद नानचंद महता की भ्रोर से कुल मुख्यतार-
  - (1) श्री जतीनकुमार जवरचन्द भीमानी
  - (2) तक्लताबेन सेड, भीमानी की श्रोर से कुल मुख्त्यार—— श्री जतीनकुमार जंवेरचन्द भीमानी 11, जवाहर नगर, सरखेज रोड, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
  - (2) मुक्ता एपार्टमेण्ट स्रोनर्स एसोसिएेणन चेयरमेन--शामलदास शकरालाल कोन्ट्राफटर, हीराबाग, स्रांबापाडी, श्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

# उन्द सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्परकोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 445 + 445 वर्ग यार्ड है। जो छडावड, मादलपुर म्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9766/9768/10-8-81 में दिया गया है।

जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक 24382 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आसकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ऋष्यकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-23-1/81-82 श्रहमदाबाद दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्राट० नं० 1841—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग.

नायकर अफ़्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 266 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 30 पैकी सब प्लोट नं० 20 पैकी ब्लोक नं० 3 है। तथा जो टी० पी० एस० 4 एश्वरपार्क को० श्रो० हा० सोसायटी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायिलय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13881

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्रु भूतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भूतभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री लानजी भाई गामजी भाई मेण्ट्रल फायर क्रिग्रेड के नजदीक, दानापीठ, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धनम्याम भाई मलेराम ग्रौर ग्रन्य रायचंद मेथराजकी चाल, ग्रमदुपुरा, नरोडारोड, ग्रहमदाबाद

(भ्रातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रन<u>ु</u>भूची

मकान जिसका कुल क्षत्रफल 96,32 वर्ग मीटर है जो रानपुर-हिरपुर टी०पी० एस०-4 अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण विवरण श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकरणकर्ता बिक्रीखत नं० 9913/12-8-81 में दिया गया है।

> जी०सी० गर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-I,धहमदाबाद ।

दिनांक ' 2-4-382

प्ररूप मार्इ.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (नरीक्षण) भ्रजन रेंज -23-1, 81-82

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1840——श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- वर्ष संधिक है

ग्रीर जिसकी मं० एफ० पी० नं० 288, पैकी टीं० पी० एस० 14, हैं, तथा जो वरीयापुर-फाजीपुर श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधित्यम, 1908 (1980 का 16) के श्रिधीत 5-8 81 को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कर्म का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिखत उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- (1) श्री हरीत्रसाद शम्भूत्रसाद और प्रन्य की श्रीर से कुल मुख्तयार— श्री जयेन्द्र भाई पटल श्रहमदाबाद ।
- (2) श्रीमती कुसुमबेन मनुभाई उर्फ मनजीभाई केशवलाल, होटल केपीटल, खानपुर । श्रष्टमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुमूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 736 वर्ग यार्ड वर्ग है भ्रौर 30 वर्ग यार्ड है, जो वरीयापुर काजीपुर, श्रहमबदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकी खत नं० 9621/5-8-81 में दिया गया है।

> जी०सी०गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाव

दिनांक: 24-3-82

# प्रकप बाह् , टी. एन्, एस. -----

শামকर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-23-I/81-82 श्रहमदाबाद

दिनांक 24 मार्च, 1982 निदेश सं० पी० घ्रार० नं० 1839---ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 184, 194 पैकी एफ० पी० नं० 181-बी० है। तथा जो पैकी० सब प्लोट नं० 12, श्रहमधाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमधाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 116) के स्रधीन 4-8-81

को पूर्वोक्त सपीति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों वर्धात् ह— (1) श्री श्रारवीन्द नगीनदास मोदी श्रौर श्रन्य नवी तलीयानी पोल, लुनसामाडो, दरियापुर, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) शाह भगतराम नानुराम श्रीर श्रन्य 3, चंदनवाडी, राज भवन के नजदीक, शाहीबाग, श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अभूसुची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 402-80 वर्ग यार्ड है जो ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका वर्णन ग्रहमदाबाद राजिस्ट्री-कर्ता विकीखत नं० 1719/4-8-81 में दिया गया है ?।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ♣्र

दिनांक: 24-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-23-1/81-82

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 1838—श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰-761, सब-प्लीट-5, हिस्सा नं० 2, है। तथा जो छडावड श्रहमवाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूधी में श्रीर पूर्ण कप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन 13-8-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में जान्तिक में कार्यां के बीच एसे जान्तरीय से उक्त अन्तरण जिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमां करने या उससे बचने पे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री रमाबेन रसीकलाल फोजदार कालोनी, संजीव बाग, एलिस क्रिज, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रजीनभाई भोलाभाई श्रीर श्रन्य ''मौन बिल्डिग'', कल्यान सोमायटी, एलिसभिज, श्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 356.50 वर्ग मीटर है जो छडावड श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन श्रहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9944/13-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 24-3-82

मोहरः

गर्ग.

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

न्नहमदाबाद ऋर्जन रेंज-23-1,81-82 श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1837, श्रत: मुझे. जी० सी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 62, एफ० पी० नं० 51 पैकी है। तथा जो वस्त्रापुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधियनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-8-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास कर को का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का प्रभुह भित्रवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) मेसर्स अग6िण कारपोरेणन श्री सुरेन्द्र क≉हैयालाल णाह, स्टेणन रोड, कलोल, जिला-महेसाना

(अन्तरक)

(2) श्री जीं क फलेटस ग्रोनर्स एमोसियेणन श्री श्रतुल जयंतीलाल वल्लभपार्क सोसायटी, माबरमती, डी—केबीन, श्रहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 24-3-82

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.------

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** 

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रहमदाबाद प्रजन रेंज-J, भ्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्घ, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1836—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अप के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1972, 1983, सी० 1973 से 1975, 1983 -बी हैं। तथा जो 1976, 1983 ए० -2, कालुपुर बोर्ड,-1, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्स्ट्रीकर्ता श्रिध कारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-8-81

को पूर्वों क्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसीं आय की बाबत, जक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--17---46GI/82

- (1) इसुमती विनोदचन्द्र परीख
- (2) हरेश विनोदचन्द्र परीख
- (3) विनोदचन्द्र छगनलाल परीख
- (4) मयक विनोदचन्द्र पारीख
   7, लल्लुभाई पार्क, सेन्ट सेवियर्स कोलज के नजदीक, नपरंगपुरा, श्रहमदाबाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) त्रिलोक सोप ग्रोनर्स एसोसियेशन प्रमुख—श्री रमेशचन्द्र शान्तीलाल पारीख, 7-बी, शास्त्रीपार्क, मुरेन्द्र पंगलदास रोड, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूर्खे।

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 460 वर्ग यार्ड है, व फालुपुर बोर्ड-J-ए श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण घरणन श्रहमदा-बाद रजिस्ट्र कर्ता बिकीखत नं० 9739, 9740, 9742, 9743/श्रगस्त 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रहमवाबाद ।

दिनांक : 24-3-82

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-23-I/81-82 ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1835—ग्रतः मुझे, जी०सी० गर्ग, -

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं क्यू ० सी ० नं ० 1933, सीट नं ० 30, दिखापुर बार्ड-2, है। तथा जो नानी हवेलीनी ोल, दिखापुर श्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) र श्रधीन 11-8-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जरून अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आर्डि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तिगर्गे, अर्थात् :---

(1) श्री चुनुभाई मनसुखराम 13, श्री नरसिंह नगर सोक्षायटी, नारसपुरा चार रास्ता, प्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) अमृतलाल वलसुखभाई और अन्य नानी हवेलीकी पोल, दिखापुर, अहमदाबाद ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों।

#### अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 58-45-81 वर्ग मीटर है जो जो दिरियापुर नानी हवेली की पाल, श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरणन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना बिक्तीखत नं० 9793/11-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 24-3-82

गर्ग.

## प्रकप बाई .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-J, श्चहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982 निवेश सं० पी० श्चार० नं० 1834—स्थ्रतः मृक्षे, जी० सी०.

269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 386-बी०-ए०-383 पैकी० एफ० पी० नं० 64 पैकी० है। तथा जो श्रसाख! श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-8-

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीन ः--

(1) श्री महादेव भाई मायजी भाई हरजीवन मावजीफी चाल, कल्यान मील के सःमने, नरोडा रोड, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कोके बिस्कीट कम्पनी भागीदार--रमेशचन्द्र कन्हैयालाल भैरवानी बी/6, हरसीघ इण्डस्ट्रीयल स्टेट, नरोडा रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो खक्त स्रक्षि-नियम के श्रद्धयाय 20-क में परिमाबित है, वही अर्थ होगा जी छस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिल्कत-मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 870 वर्ग यार्ड है, जो श्रसाखा सीम श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 9888/12-8-81 में दिया जाता गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद ।

विनांक 24 -3-82 मोहर : प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस. ------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेण सं० पी० श्रार०नं० 1833—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 805, सब प्लोट नं० 3, टी० पी० एस० 3 है। तथा जो पैकी कोचरब श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उपत प्रधिनियम के अधीन कर देन के भग्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रश्चिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कुमुद लाल डोसीवाडाकी चोल, भ्रहमदाबाद
  - (2) ग्रलक किशोर चंदुलाल डोसीपाडाकी चोल, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू सरस्वती एपार्टमेन्ट श्रांनर्स एसोसियेशन प्रमुख—-श्रीमती सरस्वती शंदुलाल सवेरी गीरीकृंज, मथुरादास रोड, फांझीवला (वेस्ट), बाम्बे।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भा श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर्तबंध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### अभूस्ची

मकान जो कोचरब, प्रीतमनगर ढाल, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्री-में स्थित है तथा जिसका पूरण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 9455/ग्रौर 9454/ग्रगस्त 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० **गर्ग** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्र**हमदाबाद** ।

दिनांक : 24-3-82

प्रकप् काई. टी. एन. एस.----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-। ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 1832--म्रातः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 395 है। तथा जो गांव सोला जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-8-81

को पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपन्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्सरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती चंपावेन मफतलाल शीयाभाई पटेल की पत्नी श्रौर ग्रन्य गांव-शोला, जिला-श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) अरुनभाई परसोत्तमदास भ्रौर भ्रन्य द्वाण्डयन इन्स्टीट्यूट श्रोफ मेनेजमेंट के नजदीक वस्त्रापुर, भ्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेंक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़, 13 गुना है 16093 वर्ग यार्ड, जो गांव-सोला, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 6414/11-8-81 में दिया गया है।

जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 24-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के मधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजJ, श्रहमदाबाद दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नुनं० 1831--ग्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह वश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिक्षिक है श्रीर जिसकी सं० ब्लाक न० 326 है। तथा जो गांब-श्रांबली जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिचेट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-8-1982 पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल हा पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) **के बी**च ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या भ्रत-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के क्षीन, निम्नुनिधित स्पृतिस्यों, स्थातिः (1) श्री शंकरभाई लगनाई ग्रौर ग्रन्य गांव-ग्रांबली, जिला-म्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) विज्वाबेन चंदुलाल ग्र**ौ**र श्रन्य गांव जोधपुर, जिला श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त नम्मि के प्रजा के पस्यत्थ्र में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 25 गुंठा है, जो गांव ग्रांबली, जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकिखित नं० 9550/7-8-81 में दिया गया है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 24-3-82

प्ररूप आहू".टी.एन.एन.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक द्वायकर द्वायका (निरीक्षण) द्वर्णन रेंज-I, द्वहमदाबाद द्वरहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1982 निदेश सं.०पी० द्वार०नं० 1830—द्वातः मुझे, जी० सी० गर्ग,

शायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त पिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ र • से पिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 328 श्रीर 330 पैकी है। तथा जो गांव-श्रांबली जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद ) रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-8-1981

मो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्रिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व में हमी करने पा उत्ते बचने में मुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रनछोड़भाई प्रह्नादभाई पटेल गांव-श्रांबली, जिला-श्रहमदाबाद ।

(अन्तरकः)

(2) विज्याबेन चंदुलाल श्रौर अन्य गांव-जोधपुर, जिला-श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी तसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रुष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ 31 गट्ठा है जो गांव आंबली जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता नं० 9551/7-8-81 में दिया गया है।

> जीं० मीं० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 24-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के अधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1829—ग्रातः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 328 ग्रीर 330 पैकी है तथा जो गांव-श्रांबली, जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदादबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इय्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कि तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावन नक्षा अधिनियम के श्रधीन कर वेसे के अस्तरक के वायित्व में किसी करने या उसके क्षेत्र के में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमो आप या किनी धन या ध्रम्य आस्तिथों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री दगरथलाल प्रह्लाद भाई गांव-ग्रांबली, जिला, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) पिज्याबेन चंदुलाल ग्रौर ग्रन्थ गांव-जोधपुर, जिला ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- ( b ) इस सूत्रता के राजा ज नें प्रकाशत की तारो के से 45 विन की सबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचला की सामीस में 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
  - (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सम्बेंगे।

राष्ट्रीहरण:---इसमें प्रयुक्त जब्दों और वहां का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणितः है वहां अर्थ होगा, वा उम अध्याय में विधा गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ 31 गुट्टा है जो गांब-श्रांबली, जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9592/7-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह(यक अ।यकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I श्रहमवाबाद ।

दिनांक : 24-3-82

प्रकृष आहें ती. एन . एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन समान

भारत मस्तुप्रः

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रोजन, श्रहमदःवाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्राप्येक तंत्र 1828 --श्रत स्झे जीठ सीठ मीठ गर्ग

आयकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रह सं अधिक ही

ग्रीर जिसकी मंजमर्वे नंज 60 पैकी है लथा जो ग्रोठव जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अतुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12 श्रीस्त 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्वानत संपित्त का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मीं, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जगभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत् :——

1 श्री हैमचदभाई नरेनभाई पारेख "घनश्याम वीला" धनास्थार की पोल श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरकः)

 मैसर्म लक्ष्मातः रायन सामित्स भागीदार श्री करसनभाई विश्वामभाई पटेल श्रोखन, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो जग अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फैक्टरी जिसका कुल क्षेत्रफल 1800 वर्ग यार्ड जमीन में बांधकाम किया गया है जिसका सर्वे नं ० 60 पैकी जो श्रोढव श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वणन श्रहमदाबाद एजिल्ह्यकर्ता विकास्वत नं ० 9871/12-8-81 में दिया गया है।

> र्जाः निर्णाणिक गर्ग सहायक स्नायकर स्नायुवत (निर्णाक्षण) स्नर्जन रोज-1, स्नहमदाखाद

न(रीखि: 24-3-82

मोहर्ः

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस. -----

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय सहावक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-1 प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 23 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1827----यनः मुझे जी० सी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारत है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से आधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 126-1-2 टी० पी० एस० 19 एफ ॰ पी॰ -106 पैकी सब प्लोट हैं। तथा जो नं० 4 शेखपूर-खानपुर नवरंगपुरा, भ्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध कारी के कार्यालय ब्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ब्रधिक्यिम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6 प्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम से कम के पुरुषमार प्रतिकाम के लिए प्रश्तरित की बर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके वृश्यमान प्रतिकश्व से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित रहेश्य से उदत अन्तरण निकार में बास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है।---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबल उकत ग्रिष्ठ-नियम के भ्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्ह प्रारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविद्या के सिए;

वतः, अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269=च की उपभारा (1) के वधीन नम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित्:—

- श्री चंदुलाल मनीलाल शाह 578 जामे जमभेद रोड़ मादंगा (सी० श्रार०) बोम्बे-400019। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सत्यम को० श्रो० हा० सोसायटी लीमिटेड चेरमैन—संध्यावेन अरूनधाई पटेल सत्यम सोसायटी नवरंगपुरा श्रहमदाबाद सेक्रेटरी—श्री विश्वभाई श्रंबालाल पटेल नटवरलाल एपार्टमेन्ट सेक्रन्ड पलोर नवरंगपुरा श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाष्त्र होती हो, के भीनर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रीहरनाक्षरी के पान जिल्लित में किए का सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर परों का, जो उनत श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्यं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 167.09+752.50 वर्ग यार्ड है जो टी० पी० एम० 19 अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खत नं 09661/6-8-81 में दिया गया है।

> (जी० सी० गर्ग) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1 श्रहमदाबाद

तारीखा: 24-3-82

प्ररूप धाई•डी•एन•एस•---

# आयकर **मधिनयन; 1961 (1961 का 43**) की धारा 269 व (1) के **घधीन सुचना**

#### पारत शरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1 श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 24 मार्च 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1826—यत: मुझे जी० सी०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति; जिसका प्रधित बाजार पूरुष 25,000/- क से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 403 सब प्लोट नं० 156 है । तथा जो बोडकदेप जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिकत से पश्चिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित में वास्तविक इप से कथित विदा नहीं बया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयनर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अथ, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसदण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युवित्यों, अर्थात्:-= ग. मैंसर्स श्रार० श्रार० ट्रेडींग कंपनी की श्रोर से रमेशचंद्र श्रग्रवाल श्री रमेशचंद्र प्रानलाल श्रग्रवाल श्रौर श्रन्य मरघापाइ लक्ष्मी बील्डींग तीसरी मंजील रीलीफ रोड़ श्रह्मदाबाद।

(श्रन्तरक)

2. श्री चंपकलाल शीवरतन कासट श्रौर श्रन्य 6-बी जलकमल सोसायटी शाहपुर दरवाजा बाहर ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूबना जारी भारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **सर्ज**न के लिए कार्य**बाहियां भारता** हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इस मूबना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी मन्य स्थक्ति द्वारा; मन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पट्टोकरग :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पक्षों का, जो 'उक्त धिनियम' के धश्याय 20-क में परिवाधित हैं, वही अयं होगा जो उस बन्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 583.72 वर्ग यार्ड है जो बोडकदेव जिला—ग्रहमदाबाद स्थित में है तथा जिसका पूर्ण वरणन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6719/ ग्रगस्त 1981 में दिया गया है।

> जीं० सीं० गर्ग सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजेन रेंज I श्रहमवाबाद

तारीख: 24-3-82

# प्ररूप् आई. टी. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निवंश मं० पी० श्रार० नं० 1825,/231-1/81-82 —यत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि एकार सम्पति, जिसका जीचत बाजार मूख्य 25,000/ रहा में अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आप या कियी पाया अन्य आखितया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत :---  श्री नरायनभाई दयालभाई रजनीगंधा सोसायटी वासना श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अस संबा यमिनो की श्रीर में मेनेजींग ट्रस्टी दिनेश फुलजाभाई महेना शाती सदन एस्टेट, नाल दरवाजी, एडोशन नं० 124, 125, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो लग अध्याय में दिया स्पाद्धी

जमान जिसका कुल क्षेत्रफल 715.80 वर्ग यार्ड हैं जो वासना जिला----श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण श्रहमदाबाद रिजर्स्ट्राकर्ता विकाखत नं० 9676/6-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 24-3-82

प्ररूप आर्द. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, श्रह्मदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनोगः 24 मार्च, 1982

निदेश मं० पीं० ब्राए० नं० 1824/23- 81-82--यतः मुझे, जी० मी० गंभ

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) [िष्से इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सर्वे मं० 363/1, पैकी एफ० पी० नं० 39/2, एस० प्लोट मं० 4 सव नं० तथा जो रानीय श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्टी जर्ना श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री जर्मा जिस्सारी, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14 श्रास्त 1981

को पूर्विकत संपित्त को उचित बाजार मूल्य मं कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत , उन्त निवृत्तिक के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भून या जन्य आहिस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री रमेणभाई रमचद्दभाई पटेल राजकमल मोमायटी, सरदार पटेल स्टेडिम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदावाद।

(भ्रतिस्कः)

2. मैं सर्म रामकोबा को० ग्रो० ह० सोसायटी लिमिटेडे चेयरमेन---पटेल भामाभाई जीवीदास, रानीय, ग्रहमदाबाद। (ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस वृशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी सूर्य होगा जो उस सुध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीत जिसका कुल क्षेत्रफल 415 + 415 वर्ग मीटर है, जो रानीय श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन श्रहमदाबाद रजिस्टीकर्ता विकीखत नंज 10004 श्रीर 10006/14-8-81 में दिया गया ई।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज 1, श्रहमदाबाद

तारीखर 24-3-82 मोहरर प्ररूप शाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- पू (1) को अभीन स्पूना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, म्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिानक 24 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं 182323-I/81-82--यतः मुझे, जी०सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छिनत बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मर्वे नं० 363/1 पैकी एफ० पी० नं० 39/2 सब प्लोट नं० 2 है तथा जो रानीय, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिष्टिनियम् 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख 14 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्भा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

 श्री महेशाभाई ईश्वर भाई पटेल बढपी सोतायटी सरदार पटेल स्टेडीयम नवरंगपुरा, श्रहमवाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स रामफोरषा को० ग्रो० ह्(० सोसायटी लिमिटेड चेयरमेन→-पटेल भीमाभाई जीवीदास, रानीय, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 415+415 वर्ग यार्ड है तथा जो रानीय श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10002 श्रीर 10003/14-8-81 में दिया गया है।

> जीं० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1 श्रहमदाबाद

तारीख: 24-3-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 24 मार्च 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1822/23-I/81--82----यतः मुझे, जी० सी० गग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 363/1 पैकी एफ पी० नं० 39/2, सब प्लोट नं० 4 है। तथा जो रानीय, श्रह्मवाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन् तारीख 14 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री श्रशोक भाई प्रह्नादभाई पटेल श्री नटवरलाल प्रह्मादभाई पटेल प्रफुल सोमायटी, सरदार पटेल स्टेडीयम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रह्मदाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. राम फारषा-ग्रो०-रा सोभायटी लिमीटेड चेयरमेन---पटल भीमाभाई जीवीदास रानीय जिला श्रहमदाबाद।

(ग्रन्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# \_ 🐔

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल  $418 \pm 418$  वर्गमीटर है जो रानीय ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 100005/14-8 -81 में दिया गया है।

अनुसूची

जीं०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज 1, स्रहमदाबाद

तारीखर 24-3-1982 मोहर: प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधिन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्तन रेज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1982

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 1821/23-1/81-82---यनः मझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'जनस प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिएवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० एफ० पी० नं० 285, टी० पी० एम०, 6 पैकी हैं भथा जो पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है में ग्रौर पूर्णरूप (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची वर्णित है); रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, अहमदाबाद में रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 12 अगस्त 1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार गूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्तरण से हुइ किसी आयुकी बाबत, उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। घोर/वा
- (छ) एंसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्ही भारतीय आय कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा श्री बनभाई हीमत्रताल णाह 10, ग्रमत्रवा कालानी, सरदार पटेल स्टेडीयम के नजदीक, अहभदाकदा,। (ग्रन्तरक)
- 2. मैमर्म चंदनबाला को० ग्रो० हा० सं(स)यटी मख्य प्रमोटर---रमेणचंद्र कान्तीलाल गाह 4, राजगीरी, मोपायटी, नारायननगर रोड, पनी की टंकी के नजदीक, पालडी भ्रहमदाबाद-१।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येबाहियां करता हं।

उन्त राम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्रारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1115 वर्ग मीटर है जो 🚤 पालंडी अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहभदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं∘ 9840/12-8-81 म दिया गया है।

> े जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकाी भडाबार अध्यक्त आप्का (निरीक्षण) श्रजन रेज 1. श्रहमदाबाद

तारी**ख**े: 24-3-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधितिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-1, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1982

निदेश र्से० पी० श्रार० नं० 1820/23-T/81-82---यनः मुझे जी० सी० गर्ग,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उति। वाजार मूल्य 25,000/- रुपए मे प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 350, सब प्लोट नं०4; टी० पी० एस० 3 हैं। तथा जो एलीसक्रीज स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबड़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 21 स्रगस्त 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य में उक्त भ्रन्तरण लिखित में वाहनविक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निवध के लिए;

धतः अब, उक्त धिधिनयम की धारा 269-ग के ध्रमुस्रध में, में, उक्त धिधिनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भाषीन, निस्तिलिखिन वैयक्तियों, अर्थातः :----19 -46 GI/82 श्रीमती मध्वेन बाबरभाई खुणालभाई की पृत्री की ग्रोर से कुल मुख्तयार, श्री जणभाई बी० पटेल 86, स्वस्थ्ति सोसायटी, श्रहमदाबाद-380009।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री विनोद भाई नारनभाई पटेल विक्रम एपार्टमेट, श्रांबावाडी, ग्रहमदाबाद ।
  - (2) श्री एच० डी० पटेल. हार्जिमग मोमायटी पंचवटी, सेकन्ड लारन ग्रांबावाडी, ग्रहमदाबाद।
  - (3) श्री चंद्रकास्त पी० जोशी, सी-3, जगनु पलेटस, गांधीनगर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इप सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजाल में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 207 66 वर्ग मीटर है, जो एलीस ब्रीज श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 7611/ 21-8-82 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 1819/23-1/81-81---यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

जिसकी सं० सर्वे नं० 229 सब प्लोट नं० 11 श्रीर 12, 2 एफ० पी० 55 श्रीर 56 है तथा जो पालडी, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के वार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्तयम, 1908 (1908 का 1) के श्रिधीन, तारीख 24 श्रगस्त 1981

कें पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री किशोर भजनलाल श्रमलानी जागनाथ प्लोट, ''नीजानंद'', राजकोट।

(ग्रन्सरक)

 कुमारी स्लेनीस गार्डनर फ्लेट नं० 4, दूसरी मंजिल, श्राहीरवाड फ्लेटस, नारायन नगर रोड, पालडी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-अव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 4, दूसरी मंजिल, श्राहीरवाड फ्लेट्स, नारायन-नगर रोड़, पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10019/24- ` 8-81 में दिया गया है।

> जी ०सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-3-82

प्ररूप आइ. दी. एत. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

The state of the s

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्राजेन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेश सं० पी० भ्रार०नं० 1818/23-I/61-82--यतः मझे, जी०सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 69 पैकी सब प्लोट नं० 4, म्यू सर्वे नं० 15-ए-4-2 हैं तथा जो राजपुर—हीरपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यीलय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-8-81

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण सें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात्ः--

- वचन कोर मुलचंद राल श्रौर अन्य "वच्चन निवास", रामलाल नागर मोसायटी, मनीनगर, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- श्रीमती शारदाबेन बिहारी लाल शाह जगाभाई पार्क, मनीनगर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविध्यस् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 69/4, म्यु० सी० नं० 15 —ए०-4-2 जो राजपुर हीरपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10345/25-8-82 में दिया गया है।

जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोज 1, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 23-3-82

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-J, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 1817/एक्वी 23-1/81-82 ---यन: गुझे जी० मी० गर्ग,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे न० 140-2, टी० पी० एम० 8, एफ० पी० 37 पैकी है। तथा जो दरीयापुर, काजीपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है); रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में अजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18 श्रीस्त 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अञ्चरक के दायित्ह मों कमी कारने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नही किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--  श्री मोरजभाई इद्राहिमभाई लतीफ 85, कृत्वी मोहल्ला, कालुपुर, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्म रीधम को० ग्रा० हा० मोनायटी लिमिटेड प्रमोटर—श्री मोराभाई गर्नेश दास पटेल, प्रभुनगर मोसायटी, श्रमारवा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1916 वर्ग यार्ड है, जी दरीयापुर काजीपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 10050/18-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज [, श्रहमदाबाद

नागीख: 23-3-82

प्ररूप भाई टी • एन • एस • --

### आयकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा** 2**69-ष (1) के** ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सार्च 1982

निदेश मं० पी० श्राप्य नं० 1816/एक्वी ० 23-1/81--82 ---यतः मुझे, जी० मी० गर्ग,

श्रीयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, असका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 78-1, 78-2, 80, 80-2 और 99-2, एफ०पी० है तथा जो 391+392, हिस्सा नं० 11, चंगीसपुर, श्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजर्ट्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21 ग्रगस्त 1981

कों पूर्वोकित संपर्तित को उचित बाजा रमूल्य से कम को दश्यमान प्रति-फल को लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपानं मं स्विधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थातः-- 1. श्रीमती विमलागौरी शान्ती लाल महता 11-ए० चंद्र कालोनी, एलिसब्रीज, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री त्रीभोवनदास केशवलाल पटेल 5, सुशील नगर नं ०-1, नीरंजन सोसायटी के नजदीक, ड्राइव-इन-रोड, मेमनगर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कर केप्रके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 360 वर्ग यार्ड है जो चंगीसपुर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन म्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10229/21-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

नारीख: 23-3-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज ], श्चहमदाबाद श्चहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेण सं० पी० म्नार० नं० 1815 एक्वी 23-T/81-82 ---यत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 292 पैकी टी०पी० एस० 21, हैं तथा जो पालडी श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजम्हीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27 ग्रगस्त 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमतो लील बेन, पर्योत्तम दाम अत्मा राम पटेल की विधवा पत्नी और अन्य मादलपुर, पटेल वास, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स कामेश्वर ज्योत को० श्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड चैयरमैन—पटेल चतुर भाई ग्रंबालाल कामेश्वर अपार्टमेन्ट, ग्रंबावाडी, ग्रहमदाबाद सेकेटरी—श्री रजनीकान्त व्रीकमलाल पटेल भारत कालोनी, वाडज, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त काब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसुची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 865 वर्ग यार्ड है, जो पालडी में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10382/27-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

नारीख: 23-3-82

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज [, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1992

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1814j 23-I 81-82—यतः मुझे, जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 361 पैकी टी० पी० एस० 22 हैं तथा जो वासना श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है),; रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 श्रगस्त 1981

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को, अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

 श्री करीममीयां श्रलीमीयां नवी महोलात, पांचकुवा श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री श्रफजल मोहमद उमर कतरावाला
  - (2) श्रीमती प्रतिभा रश्मिकांत महीडा
  - (3) श्रीमती चंपाबेन वर्धमान शाह, के/श्रो एक्षसेलो इंजीनियर्स, ए० एम० कतरावाला पादशाह की पोल के नजदीक, रीलीफ रोड़, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: -- इसमीं प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 786 वर्ग यार्ड हैं जो वासना श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 9148/31-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्भ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारी**ज**: 23-3-82

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

शायकर प्र<mark>धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा</mark> 269-ष(1) के **ग्रधीन** सूचना **गारत सर**कार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद 23 मार्च 1982

निवेश सं० पी० श्रार्० नं० 1813/23—I/81— $\cdot 82$  यत: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इस के परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधोा मजन पाधिकारों को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर मम्बद्धि जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्वये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 170-171, सब प्लोट नं० 1 से 3 पैकी टी० पी० एस० 3 हैं तथा जो शेखपुर—खानपुर, नवरंगपुरा श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनयम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31 श्रगस्त

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राथ की बावत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में ,उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :——

पार्कलेनु कोपंरियन संस्कृत हार कोर्ट रोड श्रहमदाबाद
 3800091

(भ्रन्तरक)

2 टोरेंट लेबोरेटरीज पी० समीर कारमाकेकेटीकल्स 15, नीलपाणी सोसायटी , पालडी श्रहमदाबाद-380006।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्येबाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति हे प्रजैन है नम्बन्ध में होई मी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि पा तनाम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किया ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20- कमें परिभाषित हैं, बहा अर्थ होना, जो उन प्रध्वार में दिया गया है।

### श्रन्युची

मिल्कत जिसका एफ० पी० नं० 170 श्रीर 171, सब प्लोट नं० 1 से 3 पैकी टी० पी० एस० 3, जो शेखपुर—खानपुर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन श्रहमदाबाद र्राजस्ट्रीकर्ना विकीखन नं० 10513/31-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

नारीख : 23-3-82

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज ।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 माच 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1812/23--- I/81--- 82 यत: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उचन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सृत्य 25,000/-रु. से अधिक **है** 

श्रौर जिकी सं० सी० एस० नं० 2854/बी, दरीयापुर वार्ड नं० 2, हैं। तथा जो दरीयापूर श्रहमवाबाद में स्थिती है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 27 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--20-46 G<sub>1</sub>/72

- 1 (1) श्री रमनजान जेलीगमाई पास र्गारीक्षंज, गरान इष्टिय, बोम्बे।
  - (2) था जयन्ति। जाल जासीमभाई शाह, 5, फ्लार, भारतीय भवन 72, मरान कुद्दिव, कुल मुख्तयार—-स्नेहत्रकुमार साराभा**ई शाह** ा. हिन्दू कालोनाः, नवरंगपुराः अहमदाबाद ≠9। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निकेशकमार जगदीश भाई पटेल फामेंग हाउस, मेंद्र मेपियर्स स्कूल रोड़, मेमनगर, श्रहमदाबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ब्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 187, 01---44 187, 01 41 वर्ग मीटर है जो दरीयापूर वार्ड नं 2 श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन श्रहमादावाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10411/27-8-81 में दिया गया है।

> (जीं० मीं० गर्ग) न्दक्षमः प्राधिकः**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-82

मोहरः.

44.44.3

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

काय लिय महत्यक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजीन रोज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेश मं० पी० ग्राप्ता नं० 1811/23—- । 82— यतः मुफ्ते, जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं.

श्रौर जिसकी संव सर्वे नंव 554 है तथा जो धलतेज जिला अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीखा 1 श्रगस्त 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्ति लिल उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिक्त में वास्तिं कर रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की साबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री दणस्थ भाई जी भाई ग्रीर अन्य गांव---थलतेज जिला---श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जयेन्द्र भोतीलात पटेल बंगला नं० 9, चैतन्यतगर सोमायटी, सरदार पटेल स्टेडायम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सुचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हु<sup>3</sup>, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय भे विमा गया है।

### अन्स्ची

### श्र<u>नुसूची</u>

जमीन जिसका सर्वे नं० 254 पैकी जी यलतेज जिला—-श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणा अहमदाबाद रिजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10549/31-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर श्रापुक्त (निर्मक्षण) शर्जन रोजा, अहमदाबाद

नारीख: 23-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

### भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 23 मार्च 1982

निदेश मं० पंत्र स्राप्त नं० 1819/23—I/81—82— यतः मुझे, जी० मी० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 371 पैकी टी॰ पी॰ एस॰ 25 एफ पी॰ 225-ए, सब प्लीट 19 है तथा जो खोखरा महमदाबाद मनीमासा सोपायटा के नजदीक, श्रहमदा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 श्रीसन 1981

को पूर्वीकत संपरित के उजित बाजार मूल्य मं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत ग्रिधि-नियम के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी ग्रग्र या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उनन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थातः :---  श्रीमतो पार्ववताबेन जाधुमल मावानी श्री मोपली डब्ल्यू मावानी मनियामा सोमायदो , खोखरा महमदाबाद, बंगलो "राधास्त्रामी" काटेज" श्रहमदा-बाद।

(अन्तरक)ा

2. श्रीमती गीताबेन परमानंद बुलचंदानी खोखर महमदाबाद मनीयासा सोधायर्टा के नजदीक "राधा-स्वामी काटेज" मनीनगर, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ने किए जा सकेंगे!

स्पब्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पटों का, भी उक्त श्राध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही श्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका कल क्षेत्रफल 445 वर्ग यार्ड है, जो खोखरा महेमदाबाद, ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरणन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10192 20-8-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-3-82

मो≩र:

प्ररूप, जाई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत् सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1982

निदेण सं० पी० ग्रार्० नं० 1809/23—1/81—82 थतः मुक्ते, जी० सी० गर्ग

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 17 सर्वे नं० 328, टी० पी० एस० 25 है। तथा जो खोखरा महेमदाबाद जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 ग्रगस्त 1981

को पृवांकित सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्-्रया
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री धीरणलाल फूलचंद तंबोली राधा मंदीर के सामने भावनगर।

(श्रन्तरक)

2. खोखरमा हेमदाबाद (प्रपोजाड) दहारकेश को० ग्रा० हा० सोमायटी लिमिटीड की ग्रोर में जयंतीलाल चुनीलाल शाह 1751, महादेववाला का खोचा हनानमावाली पोल, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

जमान जिसका कुल क्षेत्रफल 841 वर्गयाई है जो खोखरा महेमदाबाद, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन ग्रहमदाबाद राजिस्ट्रीकर्ता बिक्राखित नं० 10517/31-8-1981 में दिया गया है।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाब

नारं/ख . 23-3-82

五 (87):

प्रकप प्रार्थः टी० एन० एस०-

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जनवरी 1982

सं० राज/महा० ग्रा प्रर्जन/1119—यतः मुझे एस० एल० चौहान,

धायकर धिधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपंत पश्चान् 'उना अधिभियम' कहा गया है), की धारा 269-त्य के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्मति. जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० ष्लाट नं० 16 वी है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायिलय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-8-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति पंतित का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर अस्तरितों (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखन में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण ो हुई किथी पाप की बाबत उक्त धि-नियम के प्रजीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थें सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उन्त प्रिश्चित्रम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु .-- (1) श्री प्रनन्त प्रकाम दिक्षित पुत्र गिरधारी लाल गौर, पावटा जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) डा० मिश्रीलाल खत्नी पुत्र मेहराज खत्नी 16 बी०, पावटा शिप हाउम, रोड पोली जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी घाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 16 बी०, पोलोग्राउन्ड नं० 1, शिप हाउस रोड, पावटा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2030 दिनांक 21-8-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम'० एल**० घो**हान, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 5-1-1982

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi-110011, the 31st March 1982

No. A.J1016/1/81-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer on ad-hoc basis in the Office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

S. No		nri)	 	Perio	od			
1.	B. R. Basra			31-3-82 ionths.	for	а	period	of
2.	S. C. Jain .	•		1-4-82 onths.	for	a	period	of

2. The above officers shall draw special pay  $i\bar{q}$  Rs. 75/per month in terms of D.O.P. & A.R. O. M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11th December, 1975.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

### DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVI-REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th March 1982

No. A-20023/4/82-AD.V.—The Director, Central Burcau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Sumant Kumar Saxena as Public Prosecutor, C.B.I. with effect from 5-3-1982 (Foregoon).

### The April 1982

No. A-35013/23/82-AD. V—The President is pleased to appoint the following Deputy Superintendents of Police, CBI/SPE to officiate as Superintendents of Police in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the date mentioned against each until further orders:—

SI. Name of the officer No.	Branch to which posted	Date from which appointed as SP
1. Shri R. N. Kaul .	ClU (A)	31-3-82 (FN)
2. Shri R. P. Kapoor .	S.I.C.	26-3-82 (FN)
3. Shri Murari Lal	Training Centre	26-3-82 (FN)
4. Shri A. K. Majumdar .	EOW : Calcutta.	26-3-82 (AN)

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 7th April 1982

No. 11/75/79-Ad.L.—In continuation of this office Notification of even number dated 31st October, 1981, the President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe, an officer belonging to Grade II of the I.F.S., as Director of Census Operations for the Union Territories of Goa, Daman and Din and Dadra and Nagar Haveli, on ad-hoc basis, for a further

period up-to-the 31st March, 1983, or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Gandhe will be at Panaji.

P. PADMANABHA Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE

### DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 30th March 1982

No. BNP/C, 5/82.—Shri H. R. Sharma, Permanent Inspector (Control) is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 30-3-82 (FN) until further orders.

### The 1st April 1982

No. BNP/C 5/82,—Shri R, K. Ghoshal, Permanent Junior Supervisor (Numerota) is appointed as Technical officer (Printing and Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—13B—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group Group With effect from 1-4-82 for a period of three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

This ad-hoc appointment does not confer any prescriptive rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

> M. V. CHAR General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I. MADHYA PRADESH

Gwalior, the 31st March 1982

No. OE.I. GOs-Promotion/510.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforma promotion to Shri L. B. Singh (O2/273) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-1-1982 Forenoon.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 8th April 1982

No. AN/I/1818/5/Vol. I—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Indian Defence Accounts Service Officer:—

Name	Grade	Date of death	Date of struck off strength	Organisa- tion
Shri K.G. MENON D	C.D.A.	18-3-82	18-3-82 (AN)	CDA(AF) Dehradun.

R. K. MATHUR, Addl. Controller Genl, of Def. Acets. (AN)

### MINISTRY OF DEFENCE

### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 2nd April 1982

No. 3 82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Chakraborty, Subst. & Permt. Assistant, Offg.

Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-1-1982 (A. N.)

No. 4/82 A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Prasanta Rumar Chakraborty, Subst & Permt. Stenographer C. Officiating Private Secretary, retired from service with effect from 31-3-82 (A. N.)

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin.

fer Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th April 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (FSTABLISHMENT)

No. 6/1371/81-Admn(G)2311.—On attaining the age of superamulation Shri N. C. Saha, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1982.

J. K. MATHUR

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

### MINISTRY OF INDUSTRY

### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18th March 1982

No. A-19018/145/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. M. I. Tripathi, Assit. Director (Gr. II) (Feonomic Investigation), Small Industries Service Institute, Indore as Assit. Director (Gr. I) (Feonomic Investigation/Production Index) on ad-hoc basis in the same Institute with effect from the forenoon of 4th September, 1981 until further orders.

### The 31st March 1982

No. 12(674)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. I. P. Rao, Deputy Director (L/F) in Small Industry Development Organisation as Director (Gr. II) (I. F) on ad-hoc basis at Process-cum-product Development Centre, Ranchi, with effect from the forenoon of 31-12-1981 until further orders.

### The 2nd April 1982

No. 12(7)/61-Admn.(G)Vol.III.—On completion of his tenure of deputation as Experts under Commonwealth Secretariat/C.F.T.C. to Solomon Islands & Vanuatu, from 30-6-81 to 31-1-82 and on the expiry of F.L. from 1-2-82 to 6-3-82. Shri S. P. Singaram, assumed charge of the nost of Director (Gr. II) (I./F) in the Office of the DC/SSI), New Delhi w.e.f. the forenoon of 8-3-1982.

### The 8th April 1982

No. A-19018(427)/79-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to permit Shri A. S. Anant. 'Assistant Director (Gr. II) (G/C). SISI, Madras to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-5-81.

### The 14th April 1982

No A 19018(494)/80-Admn.(G)—The President is pleased to appoint Shri R K Jouhari. Assistant Director (Gd II) (Chemical) Small Industries Service Institute, Kanpur as Assistant Director (Gr.J.) (Chemical) at the same

Institute with effect from Use forenoon of 25-8-1981 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIFS AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 8th April 1982

No. A-6/247(236)/59.—Shri P. K. Mustafi, permanent Deputy Director of Inspection (Metallurgical) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' Metallurgical Branch) in the Office of Director of Inspection, Jamshedpur retired from Government Service w.e.f. 28-2-1982 (AN) on attaining the age of superannuation.

#### The 13th April 1982

No. A-6. 247 (406)/II.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Choudhury, officiating Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Textiles Branch) in the Madras Inspection Circle, in the same capacity on regular basis with effect from the forenoon of 28-7-1973 and until further orders.

N. M. PERUMAL Deputy Director (Administration)

### MINISTRY OF STEEL & MINES

### DEPARTMENT OF STEEL

#### IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 5th April 1982

No. FI-2(3/75(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shr1 B. M. Pandit, Superintendent, on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 31-3-1982 (FN).

S. N. BISWAS

Joint Iron & Steel Controller

### (KHAN VIBHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 2nd April 1982

No. 2441B/A-32013(AO)80/19A—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Adm. Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders:

SI. No.	Name			Date of appointment
1.	Shri S. Kujur .		•	 24-2-1982 (FN)
2.	Miss A. E. Thomas	٠	•	26-2-1982 (FN)
3.	Shri S. N. Das .	•	•	26-2-1982 (FN)
4.	Shri A. K. Bhattacharjec		٠	26-2-1982 (FN)

No. 2461B/A-32013(SO)/80-19A—The following Stores Superintendents (Tech.) Geological Survey of India are appointed on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650R-30-740-35-810.

EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the daths shown against each, until further orders.

SI. No	Name			Date of appointment
1.	Shri C. Biswas .	·		18-2-82(FN)
2.	Shri S. C. Roy			25-2-82 (FN)
3.	P. K. Bhattacharice	-		26-2-82 (FN)

J. SWAMI NATH, Director General

### SURVEY OF INDIA

### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 2nd April 1982

No. C-5803/718-A.—Shri B. R. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) in Directorate, Survey (Air), Survey of India, New Delhi in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18th December, 1981 (F. N.) vice Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer, transferred.

G. C. AGARWAL Brigadier Surveyor General of India

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th April 1982

No. 10/16/80-SIII.—Consequent upon his selection for the post of Deputy Armament Supply Officer in the Indian Navy, Shri R. M. Burman, Asstt. Engineer, A.I.R., Cuttack has relinquished charge of the post of Asstt. Engineer in All India Radio w.c.f. the afternoon of 12-3-1982.

H. C. JAYAL
Deputy Director of Administration
for Director General

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th April 1982

No. A. 12026/15/80-NMEP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Mehta H. E. T. Grade I in the C. H. E. B., New Delhi to the post of Public Relation Officer under the H. M. E. P., Directorate General of Health Services, New Delhi on a purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17th March, 1982, and until further orders.

O. P. BALI Deputy Director Administration (PH).

### New Delhi, the 13th April 1982

No. A. 12026/11/81(RMLH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Lall to the post of Medico Social Service Officer in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 16th February 1982 and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

### MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st April 1982

No. A-19025/1/82A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Chepurti Nandaiah has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 12-3-1982 (F.N.).

### The 2nd April 1982

No. A 19025 25 81-A.III.—S/Shri S O Ganorkar and V. P. Sharma, who have been officiating as Assistant Marketing Officer (Group I) on ad hoc basis w.e.f. 25-7-1981 and 10-7-1981 respectively, have been appointed to the posts of A.M.O. (Group I), on regular basis, w.e.f. 2-3-1982 (I.N.) until further orders.

2. Shri D. B. Bhardwaj, Senior Inspector, has been appointed to officiate as A.M.O. (Group 1) at New Delhi, on regular basis w.c.f. 12-3-1982 (F.N.) until further orders.

### Faridabad, the 2nd April 1982

No. A-31014/6/78-A-I: -The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and I Inspection, with effect from the date indicated against each:---

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

SI. No.	Name of Officer			Date of substantive appointment
S/	Shri		. —	
1.	S. D. Phadke .			25-3-1979
2.	P. Kutumba Rao			31-10-1979
3,	D. K. Ghosh .			Do.
4.	R. K. Vyaghra		-	Do.
5.	N. J. Pillai .			Do.
6.	E. S. Paulose .			Do.
7.	H. D. Stivastava			Do.
8.	R. S. Kataria .			Do.
9,	S. C. De			Do.
10.	K. S. Reddy .			Do,
11.	R. S. Verma .		-	Do.
12.	Shafique Ahmad			Do.
13.	R. P. Chaturvedi			Do.
14.	S. C. Das .			Do.
15.	D, K, Das .			Do.
16.	C. P. Gopinathan N	lair		Do,
17.	K. N. Rai .			Do.
18.	M. P. George			Do,
19.	V. P. Singh			Do,
20.	P. Y. Shirke .			Do.
21.	M. Kuralanathan	,		Do.
22.	R. P. Sachdeva			Do.
23.	N. B. Bhattacharya			Do,
24.	S. V. Mohan Rao			$\mathbf{D}$ o.
25.	T. Unnikannan			Do.
26.	Munder Ram .			 3-11-1979

2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Assistant Marketing Officer (Group-I

B. L. MANIHAR Director of Odmn.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400001, the 7th April 1982

No. DPS/2/1(3)82-Adm 8929.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Bhoodey Prasad Sharma, a semi-permanent Unper Division Clerk in Heavy Water Project, Kota to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary Capacity in the same Directorate in the scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from March 36, 1982 (FN) until further orders.

K. P. JOSFPH Administrative Officer.

### Bombay-400001, the 8th April 1982

No. DPS/23/3/79-Est./9020.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkat Essac George, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from October 19, 1981 (FN) to January 22, 1982 (AN) vice Shri T. C. George, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/23/3/79-Est./9026.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri John Vareed, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from December 17, 1981 (FN) to February 23, 1982 (AN) vice Shri Mohan Singh, Assistant Stores Officer, granted leave.

No. DPS/23/3/79-Est./9032.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Laxman Harischandra Bagwe, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of nay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from November 23, 1981 (FN) to January 16, 1982 (AN) vice Shri M. S. Gangnaik, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer.

### The 12th April 1982

No. DPS/2/15/80-Est./6526/9089.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri John Vareed, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200 with effect from the forenoon of April 1, 1982 until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL i AVIATION

### New Delhi, the 3rd April 1982

No. A 32013/3/79-EI.—In continuation of this Office Notification number A-32013/3/79-EI dated the 15-7-1981. the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri F. C. Sharma in the grade of Senior Scientific Officer beyond 29-10-1981 and upto 30-4-1982 or till the post is filled on regular basis, whichever, is earlier.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

### New Delhi, the 31st March, 1982

No. A. 32014/2/81-EC(Pt):—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Tech. Asstts. to the grade of Asstt. Tech. Officer on ad-hoc basis with effect from the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

S. Nam No.	c Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking overcharge
<u>1</u>	3	4	
S/Shri			
1. Ram Nath	. , ACS,	ACS,	3-3-82
	Jaipur	Jaipur	(FN)
2. S. P. Dhall	CRSD,	DGCA	17-2-82
	Delhi	(HQ)	(FN)
3. G. N. Saha	ACS,	ACS,	24-2-82
	Agartala	Kamalpur	(AN)
4. K. K. Sandily	a . ACS,	RCDU	20-2-82
	Delhi	N. Delhi	(FN)

	_	, 1701)		3903
1 2		3	4	
5. K. K. Saxena		ACS,	RCDU,	
		Delhi	N. Delhi	1-3-82 (FN)
6. R. S. Lota .		ACS,	ACS,	12-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
<ol><li>J.D. Rastogi</li></ol>		ACS,	ACS,	15-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
<ol><li>M. S. Chauhan</li></ol>		ACS,	ACS,	23-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
9. Jagjit Singh	,	ACS.	ACS,	15-2-82
		Delhi	Delhi,	(FN)
10. Balbir Singh		ACS,	ACS,	12-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
<ol><li>K. K. Gandotra</li></ol>		ACS,	ACS,	15-2-82
		Delhí	Delhi	(FN)
12. P. B. Dhule ,		ACS,	ACS,	2-3-82
		Rajkot	Bombay	(FN)
<ol><li>Y. K. Koushik</li></ol>		ACS,	ACS,	24-4-82
		Bombay	Bombay	(FN)
14. P. T. Gujrathi		ACS,	ACS,	24-2-82
		Bombay	Bombay	(FN)
15. D. K. Taneja		ACS,	ACS,	24-2-82
		Bombay	Bombay	(FN)
16. M. K. N. Iyengar		ACS,	ACS,	15-2-82
		Bangalore	Bangalore	(FN)
<ol> <li>J. R. Sethi</li> </ol>		CATC,	CATC,	15-2-82
		Allahabad	Allahabad	
18. H. S. Dua .		ACS,	ACS,	15-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
<ol><li>K. L. Kapoor</li></ol>		ACS,	ACS,	12-2-82
		Delhi	Dolhi	(FN)
20. S. S. Kang .		ACS,	ACS,	12-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
21. A. K. Abhyankar		ACS,	ACS,	24-2-82
		Bombay	Bombay	(FN)
22. R. N. Metha .		ACS,	ACS,	24-2-82
		Bombay	Bombay	(FN)
23. P. K. Kakaria		RCDU,	RCDU.	15-2-82
	·	Delhi	Delhi	(FN)
24. K. Venkataraman		ACS,	ACS,	13-2-82
24. IC. VOIRGIGIANIAN	•	Madras	Madras	(FN)
06 36 36 41:				
25. M. Manzoor Ali	•	•	ACS,	13-2-82
		Madras	Madras	(FN)
26. S. Subramanian	-	ACS,	ACS,	15-2-82
		Madras	Madras	(FN)
27. Harbhajan Singh		ACS,	RCDU,	24-2-82
		Delhi	Delhi	(FN)
28. M. V. Nambiar		ACS,	ACS,	24-2-82
		Coimbatore		(FN)
29. C. S. Ahluwalia		ACS.	RCDU,	22-2-82
25. C. S. Alli Gwalla		Delhi	N. Delhi	(FN)
30. H. S. Bhatia .		ACS,	ACS,	
30. n. 3. bhana .	•	Patna	Patna	19-2-82
				(FN)
31. K.M. Suryanarayan	an		ACS,	22-2-82
<u>-</u>		Nagpur	Nagpur	(FN)
32. K. C. Goswami		ACS,	ACS,	17-2-82
		Lucknow	Lucknow	(FN)
33. R. S. Randhawa		ACS,	ACS,	16-2-82
		Amritsar	Amritsar	(FN)
34. P. K. Sarkar .		ACS,	ACS,	17-2-82
2		Agartala	Agartala	(FN)
35. N. N. Singh .		ACS,	ACS,	25-2-82
25. 14. 14. NimBit +	•	Gauhati	Bhubanes-	(FN)
		> <del></del>	war	(111)
<u> </u>				

#### the 8th April, 1982

No. A. 38013/1/82-EC:—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 28-2-82 (AN) at stations indicated against each -

S. No.	Name & Designation	Station of posting.
,	Shri S. Sapre, Tech. Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay.
2. R.	R. Joshi, Comm. Officer	. Aero, Com. Stn., Bombay.

PREM CHAND, Assistant Director (Admn.)

### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 8th April 1982

No. 15/116/82-Ests-I.—The President, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Bharat Singh Bist, Research Officer (ad-hoc) to the post of Assistant Mensura-tion Officer with effect from the forenoon of 1st March,

No. 15/116/82-Ests-I.—The President, FRJ & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri K. S. Pruthi, Research Assistant Grade I (Selection Grade) to the post of Research Officer Timber Engineering Branch with effect from the forenoon of 20th February, 1982, until further orders.

> RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute & Colleges.

### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 12th April 1982

No. 81/W6/TK/14.—The last sentence of para 2 of Notification No. 81/W6/TK/14 dated 13-1-1981 regarding transfer of maintenance of track from Western Railway to Northern Railway may please be road as "Jurisdiction demarcation point would now be Km 89.18" instead of "Jurisdiction demarcation point would now be Km 89.77".

HIMMAT SINGH Secretary, Railway Board and Ex-officio Joint Secretary.

### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 7th April 1982

No. 1.—Shri Surject Singh, Senior Mechanical Engineer, Northern Railway, Hd. Ors. Office, Baroda House, Delhi expired on 3-4-1982.

> R. SRINIVASAN General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

New Delhi, the 5th April 1982

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S Omega Motors Private Limited

No. 3702/5421.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of M/s. Omega Motors Private Limited has this been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> D. N. PEG Asstt. Registrar of Companies Delhi

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX: WEST BENGAL-I,

Calcutta, the 11th March 1982

#### I PROMOTIONS:

Order No. 781 (F. No. 2E/28/75-76).—The following Inspectors of Income-tax are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect 30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effrom the dates they take over and until further orders:

#### S/Shrt

1. Tamal K. Bhanja Chowdhury

Jibendra Nath Moitra

- Amal Kanti Narayan Chowdhury
- Dhyan Das Gupta
- Manoranjan Roy Subhasis Basu
- Ramendra Nath Moitra
- 8. Sushil Ch. Ganguly
  9. Birendra N. Deshmukshya
- 10. Prakash Pattadar
- 11. Indu Bhusan Chowdhury
- Mihir Kr. Sengupta Gour Hari Ghosh
- 14. Santi Ranjan Bhattacharjee
- Shyam Sunder Ghosh Mrinal Kanti Chakraborty Sailendra K. Mukherjee

- 18. Sisir Ranjan Ghosh Roy 19. Tapas Chandra Bose 18.
- 20. Tapan Kr. Mukherjee 21. Samarendra Nath Moitra
- Milan Kumar Chakraborty Smt. Pratima Das
- 24. Satya Brata Sinha Roy 25. Kamini Kanta Halder

The appointments are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either retention seniority vis-a-vis other

Their services are liable to termination without notice and they are liable to reversion at any time, if, after a review of the vacancies, it is found that their appointments are in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under Section 124 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I hereby direct that—

### S/Shri

Tamal K. Bhanja Chowdhury

Jibendra Nath Moitra

- Amal Kanti Narayan Chowdhury
- Dhyan Das Gupta
- Manoranjan Roy Subhasis Basu
- Ramendra Nath Moitra Sushil Ch. Ganguly
- 9. Birendra N. Deshmukshya 10. Prakash Pattadar
- 11. Indu Bhusan Chowdhury

- Mihir Kr. Sengupta Gour Hari Ghosh Santi Ranjan Bhattacharjee
- Shyam Sundar Ghosh Mrinal Kanti Chakraborty
- 16.
- Sailendra K. Mukherice
- Sisir Ranjan Ghosh Roy Tapas Chandra Bose
- Tapan Kr. Mukheriee Samarendra Nath Moitra
- Milan Kumar Chakraborty
- Smt. Pratima Das
- Satva Brata Sinha Rov
- 25. Kamini Kanta Halder

on their appointment as Income-tax Officer, Group 'B', shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said Act in respect of such persons of classes of persons or such income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time.

### III. POSTINGS:

- (a) The services of S/Shri Tamal K. Bhanja Chowdhury and Jibendra Nath Moitra are, on promotion, placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax (Central)-1, Calcutta.
- (b) On promotion all the above officers, excepting those at Sls. 1 & 2, are posted as OSD in the Office of the Commissioner of Incompetax, West Bengal-I, Calcutta.
- (c) Shri R. Mandal is, on return from leave, posted as ITO, B-Ward, District-IV (3), Calcutta, relieving Shri P. N. Roy, ITO, of the additional charge.
- (d) Sl. No. 18 of this office Order No. 644/F. No. 2E/5/81-82 dated 21-12-1981 placing the services of Shri R. Mandal at the disposal of the CIT (Central)-I Calcutta, is hereby cancelled.

S. N. SEN Commissioner of Income-Tax, West Bengal-T: Calcutta.

### FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1982

Ref. No. 223/GZB/81-82/8301.—Whereas, I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kishan Devi Wd/o Shri Shiv Sahai, R/o Makanpur, Parg. Loni Teh, Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Prastha Builders, Pvt. Itd., 4/4, Asif Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

l and No. 223, 226 measuring 4 Bighas 17 Viswa situated at Village Makanpur, Parg. Loni, Teh. Dadri, Disti. Ghaziabad.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1982

### FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Babu Ram S/o Shti Chhatar Singh, R/o Kharkhonda, Teh. and Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Ram Prastha Builders, Pvt. Ltd., 4/4, Asif Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1982

Ref. No. 224/P.R./81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Dadri on 19-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
  - , therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby inltiate proceedings for the acquisition of the id property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 227, 313, measuring 4 Bighas 18 Viswa situated at Village Makanpur Teh. Dadri Disti. Ghaziabad.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 1-4-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1982

Ref. No. 225/P.R./81-82,—Whereas, I, BIBEK BANERII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Dadri on 19-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kishan Devi Wd/o Shri Shiv Sahai, R/o Makanpur, Parg. Loni Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Prastha Builders, Pvt. Ltd., 4/4, Asif Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 217 measuring 5 Bighas 4 Viswa situated Makanpur, Teh. Dadri Distt. Ghaziabad.

BIBEK
Competent
Inspecting Assistant Commissioner of I
Acquisition Rand

Date: 1-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1982

Ref. No. 310/P.R./81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 22-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Kabul Singh S/o Shri Lekh Raj Singh,
   (2) Smt, Kashmiri W/o Shri Kabul Singh,
   R/o Makanpur, Parg. Loni, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad,
  - (Transferor)
- (2) M/s. Ram Prastha Builders, Pvt. Ltd., 4/4, Asif Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Nos. 208, 228 measuring 4 Bighas 1 Viswa situated at Village Makanpur, Parg. Loni, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad,

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1982

Ref. No. 311/P.R/81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1508) in the office of the Registering Officer at Dadri on 25-9-1981 for such transfer as agreed to between the parties has not been value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S/Shri

- (1) (1) Ganga Sadan,
  - (2)

- Amar Nath,
  Subhash,
  Surendra Pal S/o Shri Chhotey Lal,
  R/o Makanpur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad. (Transferor)
- (2) M/s. Ram Prastha Builders, Pvt. Ltd., 4/4, Asif Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Nos. 299, 297, 300, 225, 292, 304 measuring 13 Bighas 16 Bishas situated at Village Makanpur, Parg. Loni, Teh. Dadri Distt, Ghaziabad.

BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1982

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Akkabai Sakharam Savant, & 7 Others, Vadgaon, Tal, Ichalkaranji, Dist, Kolhapur, (Transferee)

#### (2) Shri Pandurang Mahadeo Shendge, Shri Subhash Banappa Metri. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur,

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Punc-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC, CA5/SR. Ichalkaranji/Aug, 81/648/81-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gat No. 830 (1/5th Share) situated at Shahapur, Tal Ichalkaranji, Distt. Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on August, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-22-46GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 830 (1/5th share) situated at Shahapur, Tel, Ichalkaranji, Dist, Kolhapur.

Property as described in the sale deed registered under document No. 2096 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji in the month of August, 1981).

> R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiistion Range, Pune-1

Date: 2-4-982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Punc-1, the 18th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Sept. 81/629/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shet S. No. 242/1 situated at Mehrun, Distt. Jalgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:——

(1) Shri Sonu Chintaman Patil, At Mehrun Tal, and Dist. Jalgaon.

(Transferor)

(2) (1) Shri Pravinkukar Naginchand Mehta,
 (2) Sou. Kamalabai Mansingji Degriya,
 At Rajmal Lakhichand. Saraf Bazar, Jalgaon.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

ffixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet S. No. 242/1 situated at Mehrun, Dist, Jalgaon.

(Property as desired in the sale deed registered under document No. 3475 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Punc-1

Date: 18-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-1, the 18th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Kalyan/Sept. 81/630/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 93A Hissa No. 1,1 (Part) situated at Chikunghat, Kasbe Kalyan Muncipal Limits, Kalyan, Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Kalyan on Sept., 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Madhukar Damodar Joglekar, Agashi, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Niketan Co-op. Housing Society, Shri Building, Rambaug 1, KALYAN (Dist. Thane).

(Transferee)

Objections, if any, to 'he acqisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 93A, Hissa No. 1/1 situated at Mouje Chikanghar, Kasabe Kalyan Muncipal Limits, Kalyan, Dist. Thanaa.

(Property as desired in the sale deed registered under document No. 1085 in the office of the Sub Registrar, Kalyan in the month of Scpt. 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune-1

Date: 18-3-1982

Scal:

### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 19th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Maval/Oct. 81/637/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 15, R.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360
and C.S. No. 169 (Pt), 173 (pt) situated at B-Ward,
Lonavala Tal. Maval, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Maval on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naresh Jayantilal Kotak, 11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaharlal Nehru Marg, Lonavala-410 401, Dist. Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 15, R.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360 and C.S. No. 169 (pt), 173 (pt) situated at B-Ward, I onavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1743 in the office of the Sub Registrar Maval in the month of Oct. 81).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Punc-1

Date: 19-3-1982

#### FORM ITNG-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 19th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR, Maval/Oct./81/638/81-82,— Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 24, P.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360 C.S. No. 169 (pt), 173 (pt) situated at B-Ward, Lonavala Tal. Mayal Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Mayal on Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narosh Jayantilal Kotak, 11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaharlal Nehru Marg, Lonavala-410 401 Dist. Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 24, P.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360 and C.S. No. 169 (pt), 173 (pt) situated at B-Ward, Lonavala, Tal. Mayal. Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1746 in the Office of the Sub Registrar, Maval in the month of Oct. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Pune-1

Date: 19-3-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Punc, the 19th March 1982

Rel. No. IAC/CA5/SR.

Maval/Oct.-81/639/81-82.--

Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 27, R.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360 and C.S. No. 169 (pt), 173 (pt) situated at B. Ward Lonavala Tal. Maval, Distt. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Maval on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Naresh Jayantilal Kotak, 11. Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaharlal Nehru Marg, Lonavala-410 401, Distt. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 27, R.S. No. 169, Hissa No. 1 & 2 and S. No. 360 and C.S. No. 169 (pt), 173 (pt) situated at B-Ward, Lonavala, Tal. Maval, Distr. Pune. (Property as described in the sale deed registered under document No. 1742 in the office of the Sub Registrar, Maval

in the month of Oct. 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Pune-1

Date: 19-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX Act, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 22nd March 1982

Rev. No. IAC/CA5/SR.

Thane/Sept. 81/631/81-82.--

Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 5186/1 situated at Naupada, Thane hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Thane on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmentofany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narayansing Thakursing Baran, & Others, For M/s. Durga Builders, Thane.

Transferor)

 Deep Darshan Co-Operative Housing Society Ltd., Deep Darshan, Naupada, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ed 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 5/1 and 6/1 situated at Naupada, Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 936 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 23rd March 1982

IAC/CA5/SR. Maval/Oct. 81/634/81-82.— Ref. No. Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 16 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (part) 173 (part), situated at B-Ward, Lonavia Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Maval on Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Naresh Jayantilal Kotak. 11, Bank Street, Bombay.
- (Transferor)
- (2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaharlal Nehru Marg, Lonavla-410 401, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 16 in R. S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C. S. No. 169 (part) 173 (part) situated at B-Ward, Lonavla, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1744 in the office of the Sub Registrar, Mayal

in the month of Oct. 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 23-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 23rd March 1982

Ref. No. 1AC/CA5/SR. Mayal/Oct. 81/635/81-82.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at B-Ward, Lonavla Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR. Maval on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afereasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-23---46G1/82

(1) Shri Naresh Jayantilal Kotak, 11. Bank Street. Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaberlal Nehru Marg, Lonavla-410 401, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same mesning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 5 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and bearing City Survey No. 169 (Part) 173 (Part), B-Ward, Lonavla, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under

document No. 1741 in the office of the Sub Registrar, Maval in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 23-3-1982

1 1 1

Scal:

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE-1 Pune, the 23rd March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.

Maval/Oct.-81/639/81-82.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (Part) 173 (Part), situated at B-Ward, Lonavla Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Maval on Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Naresh Jayantilal Kotak, 11, Bank Street, Bombay.
- (Transferor) (2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawahselal Nehru Marg, Lonavia-410 401, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 6 in R. S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C. S. No. 169 (part) 173 (part), situated at B-Ward, Lonavla, Dist, Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1745 in the office of the Sub Registrar, Maval

in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 23-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune, the 24th March 1982

Ref. No; IAC/CA5/SR. Mavall/Oct. 81/632/&1-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot, No. 18 in R.S. No. 169 (Hissa No. 1 & 2) and S. No. 360 and C. S. No. 169 (part) 173 (part) situated at B-Ward Lonavala Dist. Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Mayal on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmala Vasant Kotak & Others, 11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit fawaharlal Nehru Marg, Longvlu-410 401, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

THE SCHEDULF
Property bearing Plot No. 18 in R.S. No. 169 (Hissa No. 1 & 2) and S. No. 360 and C.S. No. 169 (part) 173 (part) situated at B-Ward, Lonavia, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1740 in the Office of the Sub Registrar, Maval in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1 Pune, the 24th March 1982

Ref. No. IAC/CA/SR. Maval/Oct 81/633/81-82.—Whereas, I, R, K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. No. 360 and C. S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at B-Ward, Lonavala Distt. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Maval on October 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-line nersons, namely:—

(1) Smt. Nirmala Vasant Kotak & Others, 11, Bank Street, Bombay.

(Transferor)

(2) The Antifriction Bearings Corporation Ltd., Pandit Jawaharlal Nehru Marg, Lonavla-410 401, Dist. Punc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 17 in R. S. No. 169 (Hissa 1 & 2 and S. No. 360 and C. S. No. 169 (Part) 173 (Part) situated at B-Ward, Lonavla Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1739 in the officer of the Sub Registrar, Maval in the month of Oct. 81).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 24-3-1982

#### FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Karvir/Aug. 81/640/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 2394, situated at C-Wad, Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR-Karvir, on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sou. Bedrunissa Husen Bagwan, C.S. No. 2394, C-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

 Shri Abdul Gani Bakshu Patwegar, C.S. No. 799, D-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 2394, situated at C-Ward, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3059 in the office of the Sub Registrar, Karvir in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 2-4-1982.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Karvir/Aug. 81/650/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 153/1 & 154/1, situated at Vill. Vadange, Tal. Karvir, Distt. Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR-Kavir, on August 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Dattoba Dada Patil, H. No. 2195, A-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

(2) 1.Shri Vilas Chandar Mane alias Nejdar, 2. Shri Vishvas Chandar Mane alias Nejdar, 3. Shri Ananda Chander Mane alias Nejdar, 4. Shri Shivaji Chander Mane alias Nejdar, 5. Shri Pandit Chander Mane alias Nejdar, 6. Shri Kamlakar Chander Mane alias Nejdar, House No. 446, E-Ward, Kasba Bawda, Kolhapur. 7. Shri Tukaram Malhari Mane alias Najdar House No. 457, E-Ward, Kasba Bawda, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 153/1 & 154/1 situated at Mouja Vadange, Ta.1 Karvir, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1811 in the Office of the Sub Registrar, Karvir in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona-1.

Date: 3-4-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY.

Bombay, the 11th March 1982

Ref. No. AR-1/4595/18/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 1210 of Fort Division, situated at Frere Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-8-1981 Document No. S. 2671/79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cento fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rev. Sylvester Percira, Trustee of St. John the Evangelist Church.
  - (Transferor)
- (2) Shri Mohamed Hanif Ismail.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1599/79 and as registered on 28-8-1981 with the Sub-Registrar of Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-3-1982.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 18th March 1982

Ref. No. AR-III/2018/3/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 22, C.S. No. 14A, situated at Sion Trobmay, Road Chembur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-8-1981 Document No. S-2671, 79

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anuradha Dayanand Dekha.

(Transferor)

(2) Shri Balkrishna Shripatrao Shinde.

(Transferce)

(4) Shri Balkrishna Shripatrao Shinde.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2671/79 and registered on 28.8.1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 18-3-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY.

Bombay, the 27th March 1982

Ref. No.AR-JII/2014/7/81-82.—Whereas, [ SUDHAKAR VĀRMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 7, Hissa No. 7 (part), situated at Village Mohili Off Kurla-Andheri, Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 7-8-81 Document No. S-340/81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 24-46G1/82

(1) Shri Anubai Augustien Borges.

(Transferor)

1. Ratilal Vallabhji Vora.

- 2. Kirit Trobhovandas Vora,
- Manilal Jivraj Mehta.
   Kishore Manilal Mehta.
   Dinesh Manilal Mehta.
- Shantilal Amratlal Vaid.
   Vijay Shantilal Vaid.
   Cawasji Jamasji Umrigar.
- 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
- 10. Prem Laxmandas Bhatia.
- Madan Laxmandas Bhatia.
- 12. Mukesh Laxmandas Bhatia.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-340/81 and registered on 7.8.1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Compaiss for of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 27-3-82.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 27th March 1982

Ref. No. AR-II/2012/5/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 51, H. No. 18 (pt), situated at Village Mohili Off Kurla—Andheri Road,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7.8.81 Document No. S-2718/80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Agnes Simom Gomes.

(Transferor)

- 1. Ratilal Vallabhji Vora.
  - Kirit Tribhovandas Vora.
  - 3. Manilal Jivraj Vora,
  - Kishore Manilal Mehta. Dinesh Manilal Mehta.
  - 6. Shantilal Amratlal Vaid.
  - Vijay Shantilal Vaid.
     Cawasji Jamasji Umrigar.

  - 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
    10. Prem Laxmandas Bhatia.
  - 11. Madan Laxmandas Bhatia.
  - 12. Mukesh Laxmandas Bhatia.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2718/ -80 and registered on 7.8.1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge-III, Bombay.

Date: 27-3-1981

Scal:

(1) Smt. Indumati Mansukhlal Doshi.

(Transferor)

(2) Shri Thakkar Patel & Associates.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY.

Bombay, the 27th March 1982

Ref. No. AR-III/2017/2/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 832 & 833, S. No. 1000 C.T.S. No. 877 & 877/1 to 877/18, situated at Mulund,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 29-8-81 Document No. S-1690/81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1690/81 and registered on 29.8.81 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 27-3-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY.

Bombay, the 31st March 1982

Ref. No. AR-III/2011/2/81-82.-Whereas, I SUDHAKAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 51, Hissa No. 19(pt), situated at Village Mohili, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-81 Document No. S-2583/80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Caitan Mates Borges.

(Transferor)

- Ratilal Vallabhji Vora.
   Kirit Tribhovandas Vora.
  - Manilal Jivraj Mehta.
  - Kishore Manilal Mehta. Dinesh Manilal Mehta. Shantilal Amratlal Vaid. Vijay Shantilal Vaid.

  - 8. Cawasji Jamasji Umrigar,
  - 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatia. 10. Prem Laxmandas Bhatia.

  - Madan Laxmandas Bhatia 12. Mukesh Laxmandas Bhatia.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2583/ 80 and registered on 7.8.1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY.

Bombay, the 31st March 1982

Ref. No. AR-III/2009/2/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 7, H. No. 2(pt), situated at Village Mohili,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7.8.81 Doc. No. S-2575/80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rosy Dominic Borges, 2. Peter Dominic Borges, 3. Joyee Dominic Borges, 4. Philip Dominic Borges, 5. Patric Dominic Borges, 6. Margaret Vincent Karazai. 7. Macccelene Marquis D'Souza, 8. Louisa widow of Vincent Borges, 9. Branda Vincent Borges, 10. Oskar Vincent Borges, II. Ingrade Vincent Borges.

  (Transferor)
- (2) 1. Ratilal Vallabhji Vora.
  - 2. Kirit Tribhovandas Vora.
    3. Manilal Jivraj Mehta.
  - 4. Kishore Manifal Mehta.
  - 5. Dinesh Manilal Mehta.
  - 6. Shantilal Amratlal Vaid.
  - 7. Vijay Shantılal Vaid.
  - 8. Cawasji Jamasji Umrigar.
  - 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
  - 10. Prem Laxmandas Bhatia.
  - 11. Madan Laxmandas Bhatia.
  - 12. Mukesh Laxmandas Bhatra.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2575/80 and registered with the Sub-Registar, Bombay, on 7-8-1981.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-3-1982.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 31st March 1982

Ref. No. AR-III/2010/3/81-82.-Whereas, I SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 51, Hissa No. 19 (pt), situated at Village Mohili, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 7-8-81 Document No. S-2582/80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Caitan Mates Borges.
- (Transferor)
- Ratilal Vallabhji Vora.
   Kirit Tribhovandas Vora.
   Manilal Jivraj Mehta.
   Kishore Manilal Mehta.
  - Dinesh Manilal Mehta. Shantilal Amratlal Vaid. 6.
  - Vijay Shantilal Vaid. Cawasji Jamasji Umrigar. Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
  - 10. Prem Laxmandas Bhatia. 11. Madan Laxmandas Bhatia

Mukesh Laxmandas Bhatia.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2582/ 80 and registered on 7-8-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-3-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 2nd April 1981

Ref. No. AR-III/2013/6/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 51, Hissa No. 19(pt), situated at Village Mohili, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-81 Document No. S-339/81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anubai Augustien Borges.

(Transferor)

- 1. Ratilal Vallabhji Vora.
  - Kirit Tribhovandas Vora.
     Manilal Jivraj Mehta.
     Kishore Manilal Mehta.
     Dinesh Manilal Mehta.

  - Shantilal Amratlal Vaid.
  - Vijay Shantilal Vaid. Cawasji Jamasji Umrigar
  - Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
  - 10. Prem Laxmandas Bhatia.
  - Madan Laxmandas Bhatia.
     Mukesh Laxmandas Bhatia.

whichever period expires later;

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-339/ 81 and registered on 7.8.1981 with the Sub-Registar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 2-4-1981,

Scal:

(1) Shri Madhav Gopal Athavle.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Madhavi Madhav Athavle.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY

Bombay, the 5th April 1982

Ref. No. AR-I/4596-20/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40A, New Survey No. 1244 C.S. No. 134H/10 of Matunga Division, situated at Dadra Matunga (South Estate),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-8-81 Document No. BOM/1801—80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1801/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 28-8-1981.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 5-4-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th December 1981

Notice No. 384/81-82. - Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 4377 khata No. 4379 situated at Basavanahalli Cross Road, Chikmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikmagalur under document number 962 on 10-8-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 26 -46G1/82

(1) 1. Shi i M. S. Kumar s/o M. K. Ashwathanarayan Sety; 2 Master Sachin s/o Shri M. S. Kumar tepresented by Sci M. S. Kumar, M. G. Road, Chikmagalur.

Transferor(s)

(2) Shri Thimmegouda s.o Sri Channegouda, State Bank of Mysore, Chikmagajur.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 962 dated 10-8-81] Land & building bearing H. No. 4377, Khata No. 4379 situated at Basavanhalli Cross Road, Chikmagalur.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalorc-560001, the 4th December 1981

Notice No. 385/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1/1, 1/2, 3/4D, 3/4C, 3/4G & 22 situated at Halahalli Kasba Hobli, Sakleshpur taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908) in the office of the Registering Officer at

Sakleshpur under document number 690/81-82 on 12-8-1981 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- 1. Shri H. M. Chandrashekhar 2. Shri H. C. Kumar 3. H. S. C. Kumari 4. Kum. H. C. Hemamalini, minor guardian Shri H. M. Chandrashekhar, R/o Halahalli Kasaba Hobli, Taluk: Sakleshpur. Transferor(s)
- (2) Smt. Sarojamma w/o D. M. Mahadevappa R/o Devalapura, Tal: Nagamangala Dist: Mandhya.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 690/81-82, dated 12-8-1981] Coffee Plantation detailed below situated at Halahally, Kasba Hobli, Tal. Sakleshpur.

Survey No.	A.G
1/1	0-34
1/2	1-04
3/4D	0-03
3/4C	0-06
3/4G	2-12
22	3-16

SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-81

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1982

Notice No. 405/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assitant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 8/2 Sub-dvn. No. 2 situated at Kakoda Village:

(an' more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem Under Document No. 270 on 20-8-1981 fgor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The United Provinces Institute of the blessed Virgin Mary, Allahabad (U.P.)
  Represented by its Provincial Superior and President Rev. Mother Scraphica I.B.M.V.

  Transferor(s)
- (2) Our Lady of Perpetual Succour Convent Kakoda:
  Curchorem: Sanvardem: Goa.
  Represented by its Vice President Sister Superior
  Mary Cleophas.
  Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 270. Dated 20-8-81]

Land measuring 3064 Sqm. (Southern part of S. No. 8/2) known as "Gitonem Tool" also known as "Gitemotology" bearing S. No. 8/2 and situated near Govt. Hospital at Village Kakoda: Goa.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dato: 21-1-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1982

Notice No. 406/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 8/2, Sub. Dvn. No. 2 situated at Kakoda village, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at

Guepem Under document Number 271 on 20-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The United Provinces Institute of the Blessed Virgin Mary, Allahabad (U.P.) Represented by its Provincial Superior and President Rev. Mother Scraphica I.B.M.V.

  Transferor(s)
- (2) Our Lady of Perpetual Succour Convent. Kakoda, Curchorem, Sanvardem, Goa. Represented by its Vice President Sister Superior Mary Cleophas.

Transferee(s)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 271 dated 20-8-81] Land measuring 5190 Sqm. (Northern part of S. No. 8/2) known as "Gitonem Tooi" also known as "Gitemotoly" bearms S. No. 8/2 and situated near Govt. Hospital at village Kakoda, Goa.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-1-1982,

\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th February 1982

Notice No. 408/81-82.—Whereas, I, SMT, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 378 (part) & 379 (part) situated at Amona Village, Bicholim, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bicholim Under document number 277 on 12-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as ate esaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Sri Ragunath Navayan Suria Rau Desai
 Smt. Anandibai Ragunath Suria Rau Desai
 R/o Guirgaum, Bombay.

Transferor(s)

(2) Seza Goa Pvt. Ltd. Altino, Panaji, Goa.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 277 dated 12-8-81] Land measuring 7297 Sqm. (half portion of C.S. No. 379) known as "melog" and land measuring 1900 Sqm. (part of C.S. No. 378) known as "melog Tucdo" situated at village Amona, Bicholim, Goa.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-2-82.

Scal:

#### FORM JINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 6th February 1982

Notice No. 407/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 378 (Part) & 379 (Part) situated at Amona village, Bicholim, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bicholim under document number 278 on 13-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduciton or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ajit Vaman Suria Rau Desai.
 (2) Shri Vaman Narayan Suria Rau Desai.

(3)Smt. Subhangui alias Sheela Vaman Desai,

Sri Visvas & Borkar

(4) Sri Visvas & Borkar
(5) Smt. Neela Profully Sabnis,
(6) Sri Profulla A Sabnis,
(7) Sri Ashok Vaman Suria Rau Desai
(8) Smt. Pratibha A Suria Rau Desai Sri Anil Vaman Shria Rau Desai

R/o Bombay.

(Transferors)

(2) M/s. Seza Goa Pvt. Ltd., Altino, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 278 dated 13-8-81]

Land measuring 7297 sqm. (half portion of C.S. No. 379) known as "Melog" and land measuring 1900 sqm. (part of C.S. No. 378) known as "Melog Tucdo" situated at Village Amona, Bicholim, Gos.

SMT, MANJU MADHAVAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th February 1982

Notice No. 411/81-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS. No. 2986 and 2987 situated at Khade Bazar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 953 on 20-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri N. Iqbal Ahmed.

  - Meher Nigar.
     Saber Begum.
     Hamera Paravin.
  - Naseer Begum.
  - Imtiaz Ahmed.
    - Istek Ahmed.

      R/o No. 7, Wuthucattan Street, Meriamet,
      Madras-600 003.

Transferor(s)

- (2) 1. Dr. Abdul Salam Sultansab Attar.2. Dr. Gulam Dastagir Sultansab Attar.

  - Shri Khateeb Ahmed Sultansab Attar.
     Mrs. Gulshanbi Abdulfagar Attar. R/o No. 2487, Maligalli, Belgaum.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 953 dated 20-8-1981] Land and building bearing C.T.S. No. 2986 and 2987 situated at Khade Bazar, Belgaum.

> SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd March 1982

412/81-82.—Whereas, I, SMT. Notice No. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67/4, 66/P & 67/6 situated at Siragunda Taluk Chickmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmagalur under document No. 1011 on 20-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) 1. Sri H. Ebrahim S/o Hussain Saheb, Sh E. Estalim 570 Hussain Saheb,
 R/o Basavanagudi Extension, Shimoga.
 Sri H. Mirza Hussain S/o Hussain Saheb,
 R/o Karehally village, Tq. Kadur.
 H. E. Dada Kalender S. o N. Ebrahim.

R/o Basavanagudi Extension, Shimoga. H. E. Tajuddin S/o M. Ebrahim. R o Basavanagudi Extension, Shimoga.

H. N. Rafiq Ahmed S/o late Niruddin, Guardian Smt. Akthar Unnisa, Shimoga.

Transferor(s)

(2) The Baliapatam Tile Works Ltd., Pappinisseri, Cannanor Dist., Kerala State.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1011/81 dated 20-8-81]

Industrial Building and land at S. No. 67/4, 66/P & 67/6, with plant and machinery installed therein situated at Sirguda village, Tq. Chickmagalur.

> SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-3-1982

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF

Bangalore-560001, the 15th March 1982

C.R. No. 62/31953/81-82/ACQ/B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 88/1 situated at Richmond Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Doc. No. 1757/81-82 on 15-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—46GI/82

 S. Thomas, 769, Poonamallie High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. A. V. Thomas & Co. I.td., Beech Road, Alleppey, Kerala.

(Transferee)

(3) Self occupied.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1757 Dated 15-9-81]
Portion of premises 88/1, Richmond Road, Bangalore, bounded on the North by property of Vendor, south by property known as 'Daes Ford' on East by 'Barfied;; on West by 'Avendale'.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1982

C.R. No. 62/31812/81-82/Acq-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 88/1, situated at Richmond Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Document No. 1734 on 31-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed ot between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Thomas S. 769, Poonamallie High Road, Madras-10.

(Transferoi)

J. Thomas,
 Vijayarughavachari Road,
 Madras-18.

 Smt. Mable Annet, 384, Pantheon Road, Madras-8.

 Smt. Doris Victor, 769, Poonamallie High Road, Madras-10.

4. Sint. Gladys Thomas, No. 1/5, Ritherton Road, Madras-10.

(Transferee)

(3) Self occupied

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1734 dated 31-8-1981) Portion or premises 88/1, Richmond Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-3-1982

#### FORM I.T.N.S .-

## - NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 2nd April 1982

C.R. No. 62/32417/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Municipal No. 40, (Old No. 2) situated at Sheshadri road, Bangalore-9,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore Under Document No. 2187/81-82 on 19-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri B. S. Raj, S/o Late Sri B. K. Srinivasa Iyengar No. 40, Sheshadri Road, Bangalore.

 Smt. Lakshamma D/o Late B. K. Srinivasa Jyengar No. 3-6-460, Gokul Hardikar bagh. Himayathnagar, Hyderabad-29.

 Sri B, S. Narayana Swamy S/o Late B. K. Srinivasa Iyengar, No. 3-6-509, Hardikar Bagh, Himayathnagar, Hyderabad-29.

(Transferor)

(2) K. S. R. Trust Represented by Sri K P. Sathyanarayana Shetty No. 19, Shanthappa Lane, Bangalore2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2187/81-82 Dated 19-8-1981( All that property with land and building Bearing No. 40, Old No. 2), situated at Sheshadri road, Bangalore-9. Bounded by

On North: Tourist hotel,
On South: No. 39, Sheshadri Road,
On East: No. 3, Belonging to Ramainah Shetty.
On West: Race Course Road.

MANJU MADIIAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

> > Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. F. 11607.--Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 84 & 91 situated at Somanur, Karumathampatti

Main Road, Coimbatore (Doc. 1175/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sulur on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Subramaniam, Bali Reddi, Rami Reddi, Petha Venkatasubbiah, Sri Balaji 'Fextiles, Erode.

(Transferor)

(2) A. Doraiswamy Gr., D. Viswanathan, D. Rangaswamy, A. Pornuswamy Gr. Sri Devi Textiles, Somanur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 84 and 91, Karumathampatti, (Doc. 1175/81)

> R. RAVICHANDRAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 2-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd March 1982

Ref. No. 11580.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11/2 situated at Sanganur, Coimbatore (Doc. 3810/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. S. Venkatesan,
 19th Avenue, Ashok Nagar,
 Madras-660 083.

(Transferor)

 K. Govinda Shenoy, 96B, Dr. Rajendra Prasad Road, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 11/2. Sanganur 11th St., Tatabad, Combatore. (Doc. 3810/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 2-3-1982

(1) Sm. Ena Mitter & Ors.

(Transferor)

(2) Hansnukhray Laxmi Chand Gaglani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 2nd March 1982

Ref. No. 1024/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I. M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 82 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of land measuring 1 bigha 2 cottahs with building situated at 82. Satat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700016.

Date: 2-3-1982

(1) Sri Arun Kr. Mukherjee

(Transferor)

(2) Kishori Lal Saha

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 24th March 1982

Ref. No. 1044/Acq.R-III/81-82,---Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 79A, situated at Sova Bazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 5CH 19 eft. with buildings situated at 70A Sova Bazar Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 24-3-1982

(1) Sri Kishori Mohan Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ram Samuji Shaw.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-700016, the 26th March 1982

Ref. No. 1045/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

No. 1B situated at Shankar Ghosh Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 6CH 10 sq. ft. with building being portion of premises No. 1B, Shankar Ghosh Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 26-3-1982

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March 1982

Rcf. No. RAC 266/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Thokatta Bownpally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—46GI/82

 Sri B, Ashok Reddy S/o B. Pulla Reddy H, No. 1-12-195 Tarbund, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sanjcevaiah Nagar Co-operative House Building Society, Reg. No. TB C 55 Rep. By President Sri Jayaprakash Reddy S/o P. Ananth Reddy 1-10-170 Bowenpally Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Thokatta Village Bowenpally Se.u.d.rabad in Survey No. 132 area 3146 sq. yds registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 2412/81.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1982

Seal

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March 1982

Ref. No. RAC 267/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Thokatta situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri B, Ashok Reddy S/o B. Pulla Reddy H. No. 1-12-195 Tarbund, Secunderabad,

(Transfero)

(2) M/s. Sanjecvaiah Nagar Co-operative House Building Society, Reg. No. TB C 55 Rep. By President fri P. Yayaprakash Reddy S/o P. Ananth Reddy 1-10-170 Bowenpally Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Thokatta Village Bowenpally Secunderabad Survey No. 132 area 14 guntas registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 2470, 81.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 16th March 1982

Ref. No. RAC 268/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agl. Land situated at Chinna Thokatta Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marcdpally on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ac, (1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri K. Bal Reddy
  Late K. Muthyam Reddy
  2. Sri K. Malla Reddy
  S/o Late Venkat Reddy
  - 3. Sri K. Malla Reddy S/o Late K. Muthyam Reddy Bowinpally, Secunderabad,

(Transferor)

(2) M/s. Amarjyothi Weaker Section Co-operative Housing Society, 11-4-322/20/34 Chilkalguda, Secunderabad. Rep. By President Sri R. Pandu Rao S/o Late R. Pentaiah 11-4-322/20/34 Chilkalguda, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressiins used herein as are defined in Chapter XXA of the sa'd Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre 1 guntas Survey No. 86, 87 and 29 at Chinna Tokatta Bowinpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc No. 2245/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 16-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th March 1982

Ref. No. RAC 269/81-82.-Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrfl Land situated at Chinna Tokatta Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Maredpally on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) J. Sri K. Bal Reddy S/o Late K. Muthyam Reddy 2. Sri K. Malla Reddy

S/o Late Venkat Reddy
3. Sri K. Malla Reddy
S/o Late K. Muthyam Reddy
Bowinpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Amariyothi Weaker Section Co-operative Housing Society, Rep. By President Sri R. Pandu Rao S/o R. Pandu Rao 11-4-322/20/34 Chilkalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre in Survey No. 86, 87, and 92 at Chinna Tokatta Bewinpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 2246/81.

> S. GOVINDARAJAN. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 16-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th March 1982

Ref. No. RAC 270/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Bldg situated at Tılak Road, Hyd.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Fali Sarkari S/o Late Perojshaw Sarkari

2. Sri Parvez Hodiwalla S/o Late Burjorji

 Sri Firdosh Maneck Debara S/o Late Maneck Debara Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Sri Vazir Ali

S/o Hasan Ali Boghani 2. Sri Shoukat Ali Topiwala

S/o Sherali 3. Smt. Doulat S. Kherani

W/o Sultan Ali
4. Smt. Farida Sharif

W/o Mr. Shariff
H. No. 4-1-15 & 16 Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building No. 4-1-15 & 16 Tilak Road Hyderabad area 701.60 sq. Yds. registered with Sub Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4899/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th March 1982

Ref. No. RAC 271/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open land situated at Premnagar Khairatabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Λct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Y. Williams S/o Sri Purushotham, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri E. Aravind Rao S/o K. Venkata Rao Narsaiah Moghul Builders 5-9-58/1-15, Babukhan Estate Bashirbagh, Hyderabad and Smt. Najmunnisa Begum W/o Eqtedaruddin Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land with Shed in MCH No. 6-3-222/5 Premnagat Khairatabad Hyderabad area 1250.69 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4464/81.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 25-3-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th March 1982

Ref. No. RAC 272/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot situated at Masab Tank, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Scetha Jai Singh H. No. 10-2-289/57 Shanthi nagar Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Sri M. Padmanabhan H. No. 4-1-1046, Bogulkunta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot in M. No. 10-4-41 Masab Tank Hyderabad area 307 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5100/81.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 25-3-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th March 1982

Ref. No. RAC 27381-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Seetha Jai Singh 10-2-289/57 Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. Damodar Reddy S/o Sri M. Satyanarayana Reddy Raikal village Shadnagar Taluk, Hyderabad. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot in M. No. 10-4-41 Masab Tank Hyderabad area 315 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5239/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 25-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s Uma Karan Tejkaran H. No. 8-2-547 Banjara Hills Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lata Pawa C/o Pawa Surgical Co. No. 5-4-455 Station Road, Nampally Hyderabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st March 1982

Ref. No. RAC 274/81-82.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1219/35 situated at Umanagar Begumpet, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—46GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 6-3-1219/35 Umanagar Begumpet Hyderabad area 387 sq. yds, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4537/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 31-3-1982

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC. No. 1/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land (Site) situated at Tangella Mudi Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the ffice of the Registering Officer at Eluru in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri Kunamneni Purnachandra Rao ((B&G Kunamneni Purnadhandrarao minor son of Venkatdwara Prasad, Tangellamudi Presently, residing at Vijayanagaram.

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. (P) Ltd., Eluru. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land (Site) admeasuring Ac. 2-88 cents at Tangellamudi Village under R.S. No. 141/1 and 142/2 was registered with the SRO, Eluru during the month of August 1981 vide document No. 4968/81,

S. GOVINDARAIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982 Seal: FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor) (2) Sri Muppiri Venkata Nageswara Rao, S/o Venkata

Rao, Prodipeta, Guntur.

(1) Smt. Digavalli Rukminamma, W/o Venkata Subba

#### (2) Sri Muppiri Venkata Nageswara Rao, S/o Venkata Narasimha Rao, Petrol Bunk, Brodipeta; Guntur. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC No. 2/82-83 Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Site situated at Kankara Gutta, Guntur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab. property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Site admeasuring 503 sq. vds. at Kankara Gutta-Guntur Municipal Old Ward No. 17-New Ward-21-Block No. 4 was registered with the SRO, Guntur during the month of August 1981 while document No. 9107/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC No. 3/82-83. Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site situated at Kankara Gutta Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kalavagunta Annapurnamma, W/o Narasinga Rao, Brodipeta, Guntur. (Transferor)
- (2) Sri Muppiri Venkata Nageswara Rao, S/o Venkata Narasimha Rao, Petrol Bunk, Brodipeta, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Site admeasuring 492 2/3 sq. yards at Kankaragutta Guntur Municipal Old Ward No. 17-New Ward 21-Block No. 4 was registered with the SRO, Guntur during the month of August 1981 vide document No. 9106/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

#### FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC No. 4/82-83 Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 41-1-29 situated at Site at Kakinada Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Pydah Sri Rama Krishnaiah, S.o Chalamaiah,
 Sri Pydah Chalamaiah S/o Sri Ramakrishnaiah,
 Sri Pydah Seshagiri Rao S/o Sri Rama Krishnaiah
 All are residing Temple Street, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Dwarapudi Baskar Reddy S/o Krishna Reddy, Sri Dwarapudi Chendrasckara Reddy Minor S/o Sri Baskar Reddy. (3) Sri Dwarapudi Veerabadra Reddy Minor S/o Sri Baskara Reddy and (4) Dwarapudi Padmavathi, D/o Sri Baskara Reddy, Kakinada

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Site admeasuring 3167 sq. yards with sheds at Door No. 41-1-29 Asst. No. 9645-Kakinada Town was registered with the SRO. Kakinada during the month of August 1981 vide document No. 7386/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

#### FORM INTS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC. No. 5/82-83/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Vacant Site situated at Srinagar, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Varrey Satyavathi, W/o Sri Venkateswara Rao, New Colony, Srikakulam.
  - (Transferor)
- (2) Sri S. V. V. Subramanyam, Seo Sri S. V. Pattabiramanna, Vella-Ramachendrapuram Taluk.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Site admeasuring 550 Sq. yards 5th Ward S. No. 240-Asst. Nos. 714 and 715 at Sri Nagar, Kakinada Town was registered with the SRO, Kakinada vide document No. 7339/81 during the month of August 1981.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC No. 6/82-83/Kakinada Squad.—Whereus, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site situated at Chirala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala in August 1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce to: the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Maddi Ramaswamy S/o Narasimham, Swarana Rd., Chir.da, 2. Sri Maddi Janardhana S/o Chinna Narasimham, Main Road, Chirala, 3. Sri Duggi Subramanyam, S/o Seshaiah, Perala (Chirala), 4. Sri Maddi Radhakrishna Mur.hy, S/o Murthy, S/o Ramaswamy, Swarna Road, Chirala, 5. Sri Maddi Srinivasarao (Minor son) by Guardian father Sri Radhakrishna Murthy, 6. Sri Maddi Venkateswararao S/o Ramaswamy, Swaran Rd. Chirala, and 7. Sri Maddi Satya Vara Prasad Rao S/o Chinna Narasimham, Main Road, Chirala. (Transferors)
  - 1. Sri Kurma Nagabushanam, S/o Venkata Subbaiah, Jandrepeta Post, Chirala Tq. 2. Sri Savanam Siva Mala Reddy S/o Addanki Reddy Jandrepeta Post, Chirala Tq.
     (Tranferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open Site admeasuring 2599 sq. yards beyond Railway Track—near Rama Mandiram, Chirala Town under T.S. No. 27 and 28 was registered with the SRO, Chirala during the month of August 1981 vide document No. 3148/81.

S. GOVINDARAIAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC.No. 7/82-83 Kakinada Squad.—Whereas, J S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25/1 situated at Gaigolupadu Kakinada Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Sidda Kondal Rao, S/o Satyanarayana Rao, Nemani Village, Kakinada Taluk.

  (Transferor)
- Sri Degala Irwin Romel, S/o Bolomon Jacob, Kakinada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land (Site) Ac-1-25 cents at Gaigolupadu-Near Sarpavaram Junction, Kakinada Jown-under S. No. 25/1 was registered during the month of August 1981 vide document No. 6601/81.

S. GOVINDARAIAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC. No. 8/82-83 Kakinada Sqad. Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25/1 situated at Gaigolupadu, Kakinada, (und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—46GI/82

 Sii Tatavarthi Suryanarayana Murthy, S/o Kondala Rao, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Degala Irwin Romel, S/o Solomon Jacob, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land (Site) admeasuring Ac. 1-20 cents at Gaigolupadu Near Sarpavaram Junction, Kakinada Town under S. No. 25/1 was registered with the SRO, Kakinada during the month of August 1981 vide document No. 6600/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 039

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1551 Acq. 23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 206(P) 205A (P) land situated at Tithal, Valsad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Premalkumar Lalitmohan Gandhi; Opp. Gandi baug, Nanpura, Surat.

(2) Anupkumar Lalitkumar Gandhi; 1010, Shaheja Centre, Nariman Point, Bombay,

2. India Gelatine & Chemicals Ltd. & others; G.I.D.C. Vapi, Tal. Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :— .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Tithal, Valsad R.S. No. 206 (P) 205A (P) registered in August 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IL Ahmedabad

Date: 5-3-1982

#### FORM 1.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1552 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 174, 175, 176 Desara, situated at Billimora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ambalal Pursottamdus Amin; Desara, Tal. Gandevi. (Transferor)
- (2) Ramaben Fakirchand Shah; Bazar, Bunder Road, Billimora, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Desara-S, No. 174, 175, 176 registered in August 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8-3-1982

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

5970

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1553 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 403+403-| 404 (P) land situated at Desara, Rillimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ballubhai Jivanji Lad; Desara—Sonna Parod, Tal, Gandevi,

(Transferor)

(2) 1. Parbhubhai Premabhai Patel;

2. Ranchhodbhai Premabhai Patel;

3. Ramjibhai Premabhai Patel;

 Mohanbhai Premabhai Patel; Satakpur—Tal. Chikhali, Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Desara—S. No. 403+403+404 (P) registered in August 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1554 Acq. 23-11/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 4384, RS. No. 235 (P) land situated at Chhapra Road, Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P.A. Holder of Mohanbhai Jivanbhai Patel and others; Smt. Ambaben Jivanbhai Patel; Kachhiavadi, Naysari.

(Transferor)

- (2) 1. Madhavbhai Parbhabhai Patel; Patel Socy. Chhapra Navsari.
  - 2. Madhuben Dhirajbhai Desai, Karwad, Navsari.
  - Savitaben Dahyabhai Patel; Umbhel, via Chalthn, Tal, Kamrej.
  - 4. Parvatiben Rameshbhai Patel; Parab, Tal. Kamrej. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 4364, RS. No. 235 (P) Chhapra Road, registered in August 1981.

G. C. GARO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-3-1982

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1555 Acq. 23-II/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 239 (P) CS. No. 4425, 4423 situated at Navsari Kasba,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Lalbhai Madhavbhai; P.A. Holder of Jamnaben Govanbhai; Chovisi Falia, Kachhiavadi, Navsari.
  - 2. Valiben Bhavanbhai,
  - 3. Dhirubhai Bhavanbhai;
  - Kishorbhai Bhavanbhai; Chovishi--Kachhiavadi, Navsari.
- (Transferor)
  1(2) Ichhiben Muljibhai Patel; Joshi Mahollo, Navsari,
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 239 (P) CS. No. 4423-4425 registered in August 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-3-1982

341 :

#### FORM ITNS-- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Dahyabhai Devchand Shah; Nagarvad, Navsari. (Transferor)

(2) Shri Manubhai Kalidas Shah; Ashok Nivas, Nr. Tower, Navsari, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1556 Acq 23-IJ/81-82.-Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 273/3, Mr. Sandhkuva, Nagatalavadi area situated at Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at RS. No. 273/3 (P) Nr. Sandhkuva, Nagatalavadi area, registered in August 1981.

**্ৰাক্তি বিশ্বাসন্মা**ল কা

G. C. GARG Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 12-3-1982

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-H,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 12th March, 1982

Ref. No. P.R. No. 1557 Acq.23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-an! bearing

S. No. 145, 148/1 + 2, 147/1 + 2 + 3, 157, 158 (P) situated at Kabilpor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lallubhai Morarji Patel, Moti Chovisi, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Shri Maganbhai Kalyanji Patel;
Pinjara Street, Navsari.
2. Shri Bhavanbhai Dallabhbhai Patel;
Kachhiavadi, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 145, 148/1+2, 147/1+2+3, 157 158(P) registered in August 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12th March, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1558 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 2, Tika No. 15/2, Wd. No. 7, situated at Navsari and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—46GI 82

(1) Thakorbhai Vishvanath Bhatt P.A. Holder; Indiraben Dolatrai Desai; Sum Circle, Bombay-22.

(Transferor)

(2) Shri Prakassingh Ramprasad Sauhta; Nagaryan Bldg., Tarotta Bldg., Naysari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 2, Tika No. 15/2, Wd. No. 7, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12th March, 1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 16th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1559 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 185, B. No. 196, Village Kareli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kamrej on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shri Thakorbhai Ratanjibhai Patel;
 Shri Kishorbhai Thakorbhai Patel;
 Kan Falia, Bardoli,
 Distt. Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmiben Chhitabhai Patel; Village Tundi, Teh. Palsana, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Kareli—S. No. 185, B. No. 196, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-3-1982

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDΛBAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 16th March 1982

Ref. No. P.R: No. 1560 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 306+307, Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pardi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jayeshkumar Babubhai Desai; Dipakkumar Babubhai Desai; Vapi, Taluka: Pardi.

(Transferor)

(2) Promoters of Bani Fatima Coop. Housing Society,
1. Mudatali Gulamhussein Unwala;
2. Suleman Hussinbhai Cyclewala;
Vapi, Tal. Pardi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Chala S. No. 306+307, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16th March 1982

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1561 Acq.23-II/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 60/1 situated at Moje Ambaji, Danta Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chandrakant Ambalal Patel; Staying at Ambaji, Danta Taluka.

(Transferee)

(2) Pa Maganbhai Madhavbhai; Marblewala, Ambaji, Danta Taluka,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as Jully described in sale deed No. 2223 registered in the office of Sub-Registrar, Palanpur on 6-8-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17th March 1982

#### FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1562 Acq.23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 634/1 to 6 and 635/1 to 4 situated at Palanpur sim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Kaidvapatel Amrutbhai Chelabhai and others; Lakshmipura, Palanpur.

(Transferor)

(2) Swastik Coop. Housing Society Ltd., Palanpur; Through: Vikrambhai Chhotala Patel; Staying at Nava Deesa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Non-agricultural land as fully described in sale-deed No. 2305, registered in the office of Sub-Registrar, Palanpur on 14-8-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1563 Acq.23-JI/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 419-2-4(P) land situated at Ankleshwar (and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Bai Hava Ahmad Mohmad;
 P.A. Holder—Ayub Ahmad Motala;
 Jitali Naka, Ankleshwar.

(Transferor)

 Promoters of Shri Dwarkesh Coop. H. Socy.
 Shri Kanubhai Hasmukhlal Kotiya, 128, Pritam Socy. No. 2, Broach.

(Transferce)

Shri Kishorbhai Dahyabhai Katiya; 131,
 Pritam Socy. No. 2, Broach.
 Raghunath Laxmi Narayan Dalmiya;
 Vishvas Colony, Alkapuri, Baroda.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 419-2-4 (P) at Ankleshwar registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1564 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 413(P) land situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Baikhatijabibi Yusuf Hasanji Patel; Ahmad Yusuf Hasanji Patel; Makbul Husein Hasanji Patel; Abdulkadar Hasanji Patel; P.A. Holder Shri Ayub Ahmad Motala; Jitali Naka, Ankleshwar.

Mullavad, Ankleshwar. (Transferor)

 President & Secretary of Viratnagar Coop. Housing Society;
 Shri Sudhirkumar Maganlal Shah: Opp. Panchayat Quarters, Ankleshwar,
 Shankerbhai Karsanbhai Patel; Piraman Naka Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 413(P) at Ankleshwar, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

CONTRACTOR OF THE CANADA CONTRACTOR OF THE CONTR

#### Smt. Jaishriben Mahendrabhai Dholakia; Block 21-F, Marine Drive, Bombay-4000020.

(Transferor)

(2) Shri Dilubha Jorubha Jadeja;6-Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferee

#### GOVERNMENT OF INDIA

OUTICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1792 Acq.23-I. 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at 25, New Jagnath, Rajkot

Kashmiri Gate, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 4-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building standing on land adm. sq. yds. 146-4-12 situated at 25, New Jagnath Main Road, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot ide sale-deed No. 6320/4-8-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1793 Acq 23-f. 81-82. —Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/S. No. 119 situated at Morbi, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morbi on 10-8-1981

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhayalal Visabhai; Merbi, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Prabhat Tiles Co., Through: Partner Shri Chunifal Nanji, Morbi, Dist. Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

N.A. land adm. 2-03 Guntha situated at Vajepur Dist. Morbi duly registered by Sub-Registrar, Morvi vide sale deed No. 240/10-8-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date; 18th March, 1982

Seal:

31----16GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, \( \Lambda \text{HMEDABAD-380 009} \)

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1794 Acq.23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 853 paiki situated at Jetpur Dist. Rajkot (and more fully desribed in the Schedule annexed hereto).

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 19-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjan Ramji Patel; Desaiwadi, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferor)

Shri Ramkrishna Printery;
 Through Partner: Rasilaben Bhagwandas,
 Kanakiya Plot, Jetpur, Dist. Rajkot.
 Jayvallabh Dyeing & Ptg. Works;
 Through: Partner Shri Kiritkumar Mansukhlal;
 Kanakiya Plot, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1291-4-0 of Plot No. 1 and adm. 1140 sq. yds. of Plot No. 5 and sq. yds. 1250 of Plot No. 2 and adm. 1490-4-0 of Plot No. 3 situated at Jetpur, duly registered by Sub-Registrar, Jetput vide sale-deed No. 1325 and 1326/19-8-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1795 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1183 situated at Village Vajepar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Satwara Dama Ratha;
   Shri Nanji Kala & another;
   all at Village Vajepar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot.
   (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sushila Babulal;
  2. Shri Chandrakant Rupchand;
  3. Shri Valji Vashrambhal;
  All at Morvi, Dist. Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

N.A. land adm. 6292 sq. vds. situated at village Vajepar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Morvi, vide sale deed No. 3254/August, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1796 Acq.23-1 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11 paiki situated at Village Chaprojpur, Tal. Jetpur, Dist. Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Valabhai Savjibhai Butani; Village: Champrajpur, Tal. Jetpur Dist. Rajkot. (Transferor)
- (2) Vimal Khandsari Udhyog; Through: Partner Shri Bhagwanji Ukabhai Vekaria; Vekariya Mansion, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

N.A. Land Adm. 24442 sq. vards bearing S. No. 11 paiki situated at village Champrajpur, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Jetpur vide sale deed No. 134-27-8 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

(1) Shri (Pa) Veljibhai Ladhabhai; Jeerapa Plot, Upleta, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1797 Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

S. No. 186-1 situated at Upleta, Dist, Rajkot (and more fully described in the Schedule anneed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Upleta on 18-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than futeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act,1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Amrapali Coop. H. Socy. Ltd. Through: Shri Chhaganlal Premjibhai Shani; Plot, Upleta, Dist. Rajkot.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 2901-90-86 sq. mts. bearing S. No. 186-1, situated at Upleta, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Upleta vide S.R. No. 1750 18-8-81 i.e property as fully described therein.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rangel, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

# 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1798 Acq.23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Village Vadia, Dist. Amreli (and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vadia on 18-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Λct, 1922 Act,1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Bai Rukanbai Abdulhusain Vora; Balapir's Sheri, Village Bagsara, Dist. Amreli.
- (2) Shri Amratlal Girdharlal Dhanak; Village Bhagsara, In Bazar, Dist. Amreli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the saida property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 5484 sq. yds. situated at Natvernagar, Tal. Vadia, Dist. Amreli duly registered vide Sub-Registrar, Vadia vide S.R. No. 837/18-8-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME- $\Gamma$ AX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1799 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 402-405-406 paiki, Plot No. 71 situated at Maydi, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Muktagauri Prabhudashhai Vyas; Gadhada-Swamina, Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

Shri Dinesh Amratlal Bhavsar;
 Maltiben Nitinkumar Bhavsar;
 Dharmendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1141-3-0 sq. yds. bearing S. No. 402-405-406 paiki situated at Mavdi, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale deed No. 6472/10-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1800 Acq.23-I/81-82. Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat of Anial Apartment situated at

Sheri No. 22, Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raikot on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Rajendra Govindji Karia & others;
 Sardarnagar, "Jai Jalaram Niwas", Rajkot,

(Transferor)

(2) Smt. Shobhaben Anilkumar & others; 22, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Anjal Apartment of 1102 sq. ft. at 3rd Floor, situated at 22, Jagnath Plot, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide Sale deed No. 4958/August, 1981,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IJ, Ahmedabad

Date: 18th March 1982

(1) Smt. Sarla Mahendra Karia & others; Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmalaben Tulsidas Falia; 2, Manhar Plot, Rajkot.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1801 Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 421, Plot No. 11 situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 5-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-46GI /82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building standing on land sq. yds. 183.3 situated at near Mahila College, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar vide sale deed No. 5669/5-8-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 18th March, 1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1802 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 2150 paiki situated at Wadhawan Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Wadhawan in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hasmukhlal Dalsukh Sanghvi & others; Surendranagar.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Maheshkumar Vrajlal Shah;

2. Sh. Gunvantlal Panachand Shah; all at Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a preiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land bearing S. No. 2150 paiki adm. A3-OG duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 2969/81/Aug. 81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 18-3-82

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sh. Chandulal Dalsukh Sanghvi; Swastik Society of Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Prafulkumar Mugatlal Shah; Surendranogar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1803 Acq. 23-I/81-82,---Whereas, 1, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. So. 2150 paiki situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Wadhawan in August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 2150 parki adm. 3A—34G duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 2970'81/August 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 18-3-82

Seal

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1804 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 1/4454/paiki situated at

Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Office at Surendranagar in August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Harilal Chhatrabhuj Shah; Opp. Mela's Medan, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Huripark Coop. Housing Society Ltd., through: Sh. Yashwan, P. Jani, 9-Sarvodaya Society, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1.

of the second

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter, ·

# THE SCHEDULE

Land adm. 2886.6 sq. yds. situated at Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 3728/25-8-81.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-3-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1805 Acq. 23-I 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1935/1 situated at

Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan in Aug. 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dadbhavala & Sanghvi & Co. (through partner; Sh. Sureshkumar Ratilal) Plot No. 25, Kanak Kunj, Behind Arora Theatre, Kings Circle, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Anilkumar Rasiklal Shah; & others; 6, Adarsh Society, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

l and adm. 8243.95 sq. yds. situated at Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide tale deed No. 3741/27-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1806 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1750 paiki situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhawan in Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chandulal Dalsukhbhai Sanghvi; Swastik Society, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Dipak Girdharkal Sheth; Behind Mahajan Building, "DP" Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

l.and adm. A-2-38G, situated at Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 3753/29-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-3-82

#### FORM ITNS----

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1807 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being th: Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 54 situated at

Opp. Balashram, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhawan in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Navyug Soap Factory and the legal heirs of Keshavial V. Selarka;
 Sh. Nvinbhai K. Selarka and others;
 "Ram Niwas" Sardar Patel Road, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Saurashtra Rachnatmak Samiti; Secretary: Sh. Devendrakumar R. Desai; Rashtriya Shala, Darbar Gopaldas Bhawan, Rajkot-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the mentioned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 761-10 sq. mts, situated at Baleshram, Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 3575/19-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-3-82

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1808 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, f, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 2053/1, 2053/2, 2053/3 situated at

Wadhawan Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Wadhawan in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Anantrai Karsanji Vyas & others; of Wadhawan City, Dist. Surendranagar. (Transferor)
- (2) Sh. Mahipatlol Kasturchand & others; all at Surendranagar.

  (Trans

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in 'b' Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. JA. 47 G. 1 A-19 G., J-A 28G, situated at Wadhawan Dist. Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide Sale deed Nos. 3554/3555 & 3556/81 Aug. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 18-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1565 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 252/273 situated at

Kalol sim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol (N. Guj.) on 25 Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

33---46GI/82

(1) Sh. Gandhary Govindbhai Somabhai; Gandhary yas, Kalol (N. Guj.).

(Transferor)

(2) Shree Anand Park Coop. Housing Society Ltd., through President: Shri Mohanlal Iethalal Asodia; Manjushri Mills Chawl, Asar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Open land as fully described in Sale deed No. 944 registered in the office of Sub-Registrar, Kalol (N.Guj.) on 25-8-81.

G. C. GARG

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1566 Acq. 23-II/81-82 .-- Whereas, I, G. C. GARG

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000. - and bearing No. T.P.S. 6, F.P. No. 114, situated at

Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anand on 19 Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Sh. Fulabhai Bhikhabhai Patel; Maniyani Khad, Anand,

(Transferor)

(2) Sh. Shreenagar Coop. Housing Society Ltd. (Proposed) Through: Chief Promoter; Manubhai Ranchodbhai Patel; Andy Street, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TP. S. 6, Anand as fully described in sale deed No. 1991 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 19-8-81.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad ,

Date: 22-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Solanki Ranchhodbhai Somabhai;

2. Solanki Sarojben Ranchhodbhai;

3. Solanki Kantibhai Ranchhodbhai; all staying at Anand.

(Transferor)

(2) International Hotel; Anand. Through: Partners; Shah Bhikhubhai Fulchand & others; staying at Sarsa (In Bazar), Anand Taluka.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1567 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 1547, TPS. 4, F.P. No. 15, situated at Anand

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 25 Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitce under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TP S. 4, Anand as fully described in sale deed No. 2310 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 25-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-3-82

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 22nd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1568 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C.  $G \Lambda R G$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T.P.S. 1, F.P. No. 168 situated at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Nadiad on 13-88-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ravjibhai Motibhai Patel;
 Kamudbhai Motibhai Patel;

3. Chanchalben Motibhai Patel; Pij Bhagol, Nadiad.

(Transferor)

(2) Trilok Coop. Housing Society Ltd., Through: Chairman: Dayabhai Desaibhai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at TP S. 1, Nadiad, as fully described in sale deed No. 1440, registered in the office of Sub-Registrac, Nadiad on 13-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1560 Acq. 23-II, 81-82,—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1929-K-4-A-1 situated at Dahelvi Road, Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Surat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Partner of Arti Land Corpn.
  Manohar Gopalkrishna Trikannad,
  Prakash Coop. H. Society, Athwa Lines, Surat.
  Suvarnaben Satischchandra;
  Priya Apartment, Nanpura, Surat.
  (Transferor)
- Vardhman Terrace Coop. Hsg. Society;
   Babubhai Ratilal Shah, Krishna Kunj Society,
   Puspaben Motichand Shah, Olpad, Dist. Surat.
   Jalaram Terrace Coop. Housing Society;
   Nalinkumar Mohanlal Fitter;
   Luhar Pole, Machhali Pith, Surat.

   Jyotiben Arvindlal Goyal;
   Hathi Fália, Zampa Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Dahelvi Road, Nondh No. 1929-K-4-A-1 Sagrampura, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 23-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1570 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 24 (P) TPS, 4, FP, 224, 225B, 225A situated at Navagam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer of Surat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nathubhai Laxmanbhai Patel; Vallabhbhai Laxmanbhai Patel; Parsottambhai Laxmanbhai Patel; 'Thakorbhai Laxmanbhai Patel; Behind Rly. Police Lines, Khand Bazar, Varachha Road, Surat,

(Transferor)

(2) Chairman: of Laxmannagar Coop. H. Society; Shri Arvindkumar Shivshanker Purani; Varachha Read, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property S. No. 24 (P) TPS. 4, FP. 224-225-B & 225-A, Navagam, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-390 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1571 Acg. 23-II/81 82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2233, fagvallabh Pole, situated at Gopipura, Surat

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Surat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Jagdish Manubhai Mehta; Nandip Premraj Mehta; Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Harilal Chandulal Bhagat; Jasumati Harilal Bhagat; Krishneben Japardan Bhagat; Janardan Pranlal; Jasuvallabh Pole, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2233, Jagavallabh Pole, Sarat registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-3-82

#### FORM ITNS----

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1572 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C: GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1653, Wd. No. 11, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kachrabhai urfe Chunilal Ghelabhai Chokshi; Madanben Kachrabhai;
 Ravindra Kachrabhai self and guardian of minor Niraj Jyoti Kachrabhai,
 Nanavat, Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Hasmukhlal Nagindas Sheth; Shri Shantilal Nagindas Sheth; Nanavat, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1653, Wd. No. 11, Surat, registered In August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-82

(1) Sh. Bansidhar Chimanlal Veragivala; Khapatia Chakla, Kalashripatni Pole. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mahmadbhai Abdullabhai Barafvala; Zampa Bazar, Saifi Mahollo, Surat.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1573 Acq. 23-JI/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 200-A, Wd. No. 4, situated at Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 200A, Wd. No. 4, Surat registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

ns, Date : 24-3-82

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

GOVERNMENT OF INDIA

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1574 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 519/1+2 situated at

Katargam, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat in Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Ishvarbhai Jagabhai Patel; Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) President & Secretary of Kalpataru Coop. Hsg. Society, 1. Namjibhai Karjibhai Patel;

1. Babubhai Kalabhai Patel; Mahidharpura, Nagar Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 519/1 + 2, Katargam registered in August, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1575 Acq. 23-II/81-82.—Whereas 1, G. C. GARG,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

S. No. 156/1-B, Plot 4 & 5,

situated at Dungari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Broach on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afercsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Musa Adam Asmat Leby Nani Dungari, Broach.

(Transferor)

(2) Partners of Al Rashid Traders, Hajiani Himadaben Umarji Patel & Others, Dungari, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expries later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

expressions medi EXPLANATION :--The and terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 156/1-B, Dungari, registered in August,

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 24-3-1982 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Řef. No. P.R. No. 1576 Acq. 23-11/81-82.—Whereas I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 132, situated at Vejalpur, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Broach on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on he said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jasu Enterprise—Partners, Shri Vinodchandra Bhikhabhai Mistry, Vejalpur, Zanda Chawk, Broach.

(Transferor)

(2) Ramanlal Chhaganlal Shelat, Mantri & Vasantnagar Coop. Housing Society, Vejalpur, Babakhana, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 132, Vejalpur, registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1577 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing S. No. 163(P) at Dungari,

S. No. 163(P) at Dungari situated at Broach,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) Laxmi Organiser, Panch Batti, Sevashram Road. Broach.

(Transferor)

(2) Laxminagar Coop. Housing Society, Budhdev Market, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 163(P), Dungari registered in August, 1981 (Regd. No. 2316, 2317, 2332, 2333).

G. C. GARO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1578 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 72-A, Bholay, situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Broach in August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Imamudin Badrudin Saiyed, Broach.

(Transferor)

(2) Priyank Sarvaiya Beneficiary Trust, Trustee: Shri Kirtibhai Laxmichand Sarvaiya; Pritam Society, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Bholav S. No. 72-A, registered in August, 1981.

G, C. GARG Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor)

#### (2) Amar Asha Coop. Housing Society, Bholay, Tal. Broach.

(1) Shanabhai Ishvarbhai Patel Chinanbhai Ishvarbhai Patel, Zadeshver, Tal. Broach.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. 1579 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 22(P) Bholay, situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Registering Officer at

Broach on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 22(P) Bholav, registered in August. 1981.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1982

Ref. No. P.R. 1847 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 683/7(P), situated at Botad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursues, namely:—.

 Dalwadi Thobhanbhai Dhanabhai, Near Khoja Boarding, Botad.

(Transferor)

 Shri Jayendrakumar Jethalal, Partner of Apurva Builders, 53/1, Silver Gold M.C. Road, Borivali West,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 683/7(P) admeasuring 4401.30 sq. mts. situated at Botad vide sale Deed No. 996 registered in August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-3-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 25th March 1982

Ref. No. P.R. 1846 Acg. 23-1/81-82.--Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 3, situated at Kalubha Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhaynagar on 1-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followShri Damodardas Nagardas Shah, 114-Kankuphul Niwas, Juni Hanuman Gali, Kalbadevi, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Nirmala Flat Coop. Housing Society Ltd., Through: Shri Manish Chandrakant Parekh, 3, Kalubha Road, Bhavnagar-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 3, admeasuring 859.18 sq. mts. situated at Kalubha Road, Bhavnagar duly registered by · Sub-Registrar, Bhavnagar vide sale deed No. 1858/1-8-1981.

> G. C. GARG Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-3-1982

Seal:

35---46 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1845 Acq. 23-I/81-82,—Whereas 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.W. No. 2, Sheet No. 14—S. No. 1130 & 1131, situated at Memonwada, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbander on 25-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pu.poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Hajraben Bag Mamad, Through: P.A. Holder Smt, Abedaben Taiyyab, Memanwada, Porbander.
- (2) Shri Darul Ulum Ganshe Azam, Through: P.A. Holder, Shri Abdul Sattar Abdul Habib Hamdani, Memanwada, Porbander.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing C.S.W. 2, Sheet No. 14, S. No. 1130 & 1131 situated at Memanwada, Porbander, duly registered vide Sub-Registrar, Porbander vide sale-deed No. 2804 & 2805/25-8-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1844 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to are the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Pipla Khadki, Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Junagadh on 31-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Vallabhdas Fulchand Ghadiya, Khatriwad, Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Subodhchandra Rughnath Ghediya, Mahalaxmi Street, Pipla Khadki, Junagadh.
  - 2. Shri Sudhirchandra Madhavlal Ghediya, Mangnath Road, "Parimal" Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introcvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building situated at Pipla Khadki, Junagadh, standing on land 156-26-07 sq. mts. duly registered by Sub-Registrar, Junagadh, vide Regn. No. 2767/31-8-81.

G. C. GARG Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1843 Acq. 23-1/81-82.--Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS. No. 3 S. No. 5318 paiki, situated at Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Porbander on 5-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating th concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Kamlaben Kurji Davda, Kantilal Ratanji Davde, 3. Anilkumar Ratanji Davda,

All at Station Road, Porbander.

(Transferor)

(2) 1. Shri Natverlal Kakubhai and others, Khokh Chowk, Porbander.

2. Shri Kakubhai Jinabhai Lalcheta, Khokh Chowk, Porbander.

3. Shri Dwarkadas Jinabhai Lalcheta, Khokh Chowk, Porbander.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 5318 paiki C.S. No. 3, stunding on land 163-53, 154-17 and 168-30 sq. yds, situated at Porbander, duly registered by Sub-Registrar vide sale deed No. 2664, 2665, 2666/5-8-1981.

G. C. GARG Competent Authority . Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1842 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing FP. No. 759/8 paiki, TPS. 3,

situated at Chhadavad, alias Madalpur, Ahmedabad tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of ny income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tarachand Nanchand Mehta, Through: P.A. Holder Shri Jatinkumar, Zaverchand Bhimani,
  - Tarulataben Z. Bhimani, Through: P.A. Holder Shri Jatinkumar Zaverchand Bhimani, Both at 11, Jawaharnagar, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mukta Apartment Owners Association, Chairman: Shamaldas Shakralal Contractor, Hirabaug, Ambawadi, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 445+445 sq. yds, situated at Chhadawad-Madalpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 9766/9768/10-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1841 Acq. 23-1/81-82.—Whereus I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 30 paiki, Sub-Plot No. 20 paiki, Block No. 3, stuated at TPS. 4, Ishwar Park, Coop. Housing Socity Ltd., Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 13-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or
  which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laljibhai Shamjibhai, Near Central Fire Brigade, Danapith, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyambhai Maleram & another. Ruichand Meghraj's Chawl, Amdupura, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on sq. mts. land 96.32 situated at Raipur-Hirpur, TPS, 4, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9913/13-8-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

# FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1840 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.P. No. 288 paiki, TPS. 14,

situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 5-8--1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hariprasad Shambhuprasad & others, Through: P.A. Holder: Shri Jayendrabhai Patel, Ahmedabad. (Transferor)

 Smt. Kusumben Manubhai alias Manjibhai Keshavlal, at Hotel Capital, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 726 sq. yds and 30 sq. yds situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9621/5-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 24-3-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1839 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 184+194 paiki, FP. No. 181-B, Paiki, Sub-Plot No. 12, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arvind Nagindas Mody, & another, Navi Taliyani Pole, Lunsawado, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shah Bhagatram Nanuram and another, 3, Chandanwadi, Near Raj Bhawan, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 402.80 sq. yds, situated at Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 1719/4-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1838/Acq. 2 3-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS 3, FP. 761, Sub-Plot 5, Hissa No. 2, situated at Chhadawad, Abmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the incresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—46GI/82

(1) Smt. Ramaben Rasiklal, Fozdar Colony, Sanjeev Baug, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Ajitbhai Bholabhai & another; Mann Building, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 356.50 sq. mts. situated at Chhadawad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 9944/13-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Rs. No. P.R. No. 1837/Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 62-FP. No. 51 paiki, situated at Vastrapur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Jagdish Corporation, Shri Surendra Kanaiyalal Shah, Station Road, Kalol Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shrijee Flats Owners Association, Shri Atul Jayantilal, Vallabh Park Society, Sabarmati, D-Cabin, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 2424.77 sq. mts. situated at Vastrapur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 7923/14-8-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner on Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1836/Acq. 23-I/81-82.—Whereas 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1972, 1983-C, 1973, 1974 1975, 1983, 1983-B, 1976, 1983-A-2, situated at Kalupur Wd. I, Ahmedabad, (and more fully described in the Scheduled annexed, hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 7-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Hasumati Vinodchandra Parikh, 2. Haresh Vinodchandra Parikh,

Vinodehandra Chhaganlal Parikh,
 Mayank Vinodehandra Parikh.

 Mayank Vinodchandra Parikh, All at 7, Lallubhai Park, Near St. Zavier's College, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

Trilok Shops Owners Association;
 President: Shri Rameshchandra Saantilal Parikh;
 7-B, Shastri Park, Surendra Mangaldas Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sai immovable property within 45 days from the dat of the publication of this notice in the Officia Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building standing on land 460 sq. yds, situated at Kalupur Wd. I, A, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9739, 9740, 9742, 9743/August. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1835/Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Muni. C. No. 1933, Sheet No. 30, Dariapur Wd. 2, situated at Nani Havelini Pole, Dariapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

2

- Shri Chinubhai Mansukhram, 13, Shri Narsihnagar Society, Naranpura Char Rasta, Ahmedabad.
- (2) Shri Annatlal Dalsukhbhai & others, Nani Haveli's Pole, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building standing on land 59-45-81 sq. mts. situated at Dariapur, Nani Havelini Pole, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9793/11-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1833/Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section

269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 386-B-A-383 paiki, FP. No. 64 paiki, situated at Asarva, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 12-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahadevbhai Mavjibhai, Harjivan Mavji's Chawl, Opp. Kalyan Mill, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kokay Biscuit Co., Partner: Rameshchandra Kanaiyalal Bhairwani, B/6, Harsiddh Industrial Estate, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the saidd property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property—Building standing on land 870 sq. yds. situated at Asarva sim. Ahmedabad duly registered by Sub Registrar vide Regn. No. 9888/12-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1833 Acq. 23-1/8-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 805, Sub-Plot No. 3, TPS. 3, paiki, situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-8-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kumud Chandulal, Doshiwada's Pole, Ahmedabad.
  - Alak Kishore Chaudulal, Doshiwadani Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Saraswati Apartment Owners Association, President: Smt. Saraswati Chandulal Zaveri, 'Girikunj' Mathuradas Road, Kandivali (West), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building at Kochrab, Pritamnagar Dhal, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9455 and 9454/August, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Abmedabad

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. PR. No. 1832 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 395.

situated at Village Sola, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Champaben W/o Mafatlal Shivbhai Patel, and another, Village Sola, Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Arunbhai Parshottamdas & others, Nepr Indian Institute of Management, Vastrapui, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 3A-13G. i.e., 16093 sq. vds. situated at Village Sola Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 6414/11-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1831 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 326, situated at Village Ambli, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankerbhai Chhaganbhai & others, Village Ambli, Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Vijyaben Chandulal & others, Village Jodhpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 1 A 25 G. at village Ambli, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9550/7-8-81.

G. C. GARG
Acquisition Range
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1830 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 328 & 330 paiki, situated at Village Ambli, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule agreed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ahmedabad on 7-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-37—46GI/82

(1) Ranchhodbhai Prahladbhai Patel, Village Ambli, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vijyaben Chandulal & others, Village Jodhpur, Dist, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 11A-31 G. at village Ambli, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sale deed No. 9551/

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date ; 24-3-82

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. 1829 Acq. 23-1/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Block No. 328 & 330 paiki situated at

Village Ambli, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Dashrathlal Prahladbhai; Village Ambli, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Vijyaben Chandulal & others; Village: Jodhpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 11A—31 G. at village Ambli, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9552/7-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>(1)</sub> OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1828 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 60 paiki situated at Odhay, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hemchandbhai Narainbhai Parckh; "Ghaneshyam Villa", Dhanasutbar's Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

 M. s. Laxmi Narayan Saw Mills; Partner: Shri Karsonbhai Vishrambhai Patel; Odhav, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory shed on land 1800 sq. yds. bearing S. No. 60 paiki, situated at Odhav Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar vide sale deed No. 9871/12-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. 1827 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 126-1-2, TPS. 19, FP. 106, paiki Sub-Plot No. 4, situated at TPS. 19, Sheikhpur-Khanpur, alias Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beile that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Chandulal Manikal Shah;
 Jame Jamshed Road, Matunga (C.R.),
 Bombay-400019.

(Transferor)

(2) Satyam Coop. Hsg. Society Ltd. Chairman: Sandhayaben Aranbhai Patel; Satyam Society, Navrangpura, Ahmedabad, Secretary: Shri Visnubhai Ambalal Patel, Natverlal Apartment, 2nd Floor, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 167.09 + 752.50 sq. yds. situated at TPS. 19, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide salo deed No. 9661/6-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 24th Majch 1982

Ref. No. P.R. No. 1826 Acg. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 403—Sub-Plot No. 156, situated at Bodakdev, Dist., Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. R. R. Trading Co. through: Rameshchandra Agarwal (HUF-Kar(a), Sh. Rameshchandra Panalal Agarwal, & others; Mirghawad, Laxmi Bldg., 3rd Floor, Relief Road, Ahmedabad.
  - (Transferor)
- Sh. Champaklal Shivratan Kasat & another;
   6-B, Jalkamal Society, Outside Shahpur Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 583.72 sq. yds. situated at Bodakdev, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad R. No. 6719/August, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1825 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>S</sub>, 25,000/- and bearing

S. No. 421, 424 & 425 & 426 & 430 paiki, TPS, 22, situated at FP. No. 343, Sub-Plot No. 1, situated at Vasna, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-8-81

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Narayanbhai Dayalbhai; Rajnigandha Society, Vasna, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Sri Ram Seva Samiti; Through: Managing Trustee; Shri Dinesh Fuljibhai Mehta; Shantisadan Estate, Lal Darwaja, Audition No. 124, 125, Ahmedabad.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 715-80 sq. yds. situated at Vasna, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 9676/6-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 24-3-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D#1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1824 Acq. 23-1/81-82.--Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25009/and bearing

S. No. 363/1 paiki, FP. No. 39/2, Sub-Plot No. 4, situated at Ranip, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Ahmedabad on the 14th Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rameshbhai Ramchandbhai Patel; Rajkamal Society, Nr. Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Ramkorba Coop. H. Socy. Ltd., Chairman: Patel Bhimabhaí fividas; Ranip, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land—adm. 415 + 415 sq. mts. situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10004 and 10006/14-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range I, Abmedabad.

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Rcf. No. P.R. No. 1823 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 363/1 paiki, FP. No. 39/2, Sub-Plot No. 2, situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Maheshbhai Ishwarbhai Patel; Gadhavi Society, Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Ramkorba Coop, H. Socy. Ltd., Chairman: Patel Bhimabhai Jividas; Ranip, Ahmedabad,

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 415 + 415 sq. mts. situated at Ranip, Abmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sale-deed No. 10002 and 10003/14-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Abmedabad.

Date: 24-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1822 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 363/1 paiki, FP. No. 39/2, Sub-Plot No. 4,

situated at/Ranip, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on the 14th Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—46GI/82

Sh. Ashokbhai Prahladbhai Patel;
 Sh. Natwarlal Prahladbhai Patel;
 both at Praful Society,
 Nr. Sardar Patel Stadium, Navrangpura,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ram Korba Coop. H. Socy. Ltd., Chairman: Patel Bhimabhai Jividas; Ranip, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 418  $\pm$  418 sq. mts. situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 100005/14-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1821/Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FP. No. 285, T.P.S. 6, paiki situated at

Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 12-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bachubhai Himmatlal Shah; 10, Amrutbaug Colony, Nr. Sardar Patel Stadium, Ahmedabad-14.

(Transferor)

(2) Chandanbala Coop. H. Socy, Main Promoter: Rameshchandra Kantilal Shah; 4, Rajgiri Society, Narayannagar Road, Nr. Water Tank, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferce)

Objectinos, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 1115 sq. mts. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 9840/12-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. R.P. No. 1820/Acq. 23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FP. No. 350, Sub-Plot No. 4, TPS 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Madhuben daughter of Baberbhai Khushalbhai;
through P. A. Holder:
Sh. Jashbhai B. Patel,
86, Swastik Society, Ahmedabad-380009.
(Transferor)

J. Sh. Vinodbhai Naranbhai Patel;
 Vikram Apartments, Ambawadi, Ahmedabad.
 Sh. H. D. Patel, Housing Society, Panchvati,
 Second Line, Ambawadi, Ahmedabad,
 Chandrakant P. Joshi, C-3, Jatranu Flats,
 Gandhinagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 207.66 sq. mts. situated at Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 7611/21-8-81,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

#### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Sh. Kishor Maganlal Amlani; 'Jagnath Plot, "Nijanand", Rajkot.

(Transferor)

(2) Miss Glenis Gardner; Flat No. 4, 2nd Floor, Ahirwad Flats, Naruyannagar Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1819/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 229, Sub-Plot No. 11 & 12, Sub Plot No. 2, FP. 55 & 56 situated at

Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 24-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 at 2nd Floor, of Arhirwad Flats, situated at Narayannagar Road, Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10019/24-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-390 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1818 Acq. 23-181-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 69 paiki, Sub-Plot No. 4, Mun. S. No. 15-A-4-2 situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 25-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Bachan Kaur Mulchand Ral and another; "Bachhan Niwas", Ramlal Nagar Society, Maninagar, Ahmedabad.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Sardaben Biharilal Shah; Jagabhai Park, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
   45 days from the date of publication of this notice
   in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 69/4, Muni. C. No. 15-A-4-2, situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10345/dt. 25-8-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1817/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 140-2, TPS 8, FP 37 paiki—southern side situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Moizbhai Ibrahimbhai Latif 85, Kutbi Mohallo, Kalupur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Rhythem Coop. Housing Society Ltd.
  Promoter Sh. Somabhai Ganeshdas Patel;
  Prabhunagar Society, Asarwa,
  Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building standing on land 1916 sq. yds, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10050/18-8-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-82.

#### FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1816 Acq. 23-I/81-82,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78-1, 78-2, 80, 80-2 & 99-2, FP. 391 and 392, Hissa No. 11 situated at Chingispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vimlagauri Shantilal Mehta; 11-A, Chandra Colony, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Tribhovandas Keshavlal Patel; 5, Sushilnagar No. 1, Nr. Niranjan Society; Drive-in-Road, Memnagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building standing on land 360 sq. yds, situated at Changispur, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10229/21-8-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 23-3-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1815 Acq. 23-J/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 292 paiki, TPS. 21, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 27th Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Lilaben widow of Parshottamdas Atmaram Patel;
   & others;
   Madalpur, Patel Vas, Ahmedabad.
  - (Transferor)
- (2) Kameshwar Jyot Coop, H. Socy. Ltd. Chairman: Patel Chaturbhai Ambalal, Kasmeshwar Apartment, Ambawadi, Ahmedabad.
  Secretary: Shri Rajnikant Trikamlal Patel;
  Bharat Colony, Wadaj, Ahmedabad.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 895 sq. yds. situated at Paldi, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 103 82/27-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82.

THE GAZETTE OF INDI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE J, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1814 Acq. 23-1/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

FP. No. 361 paiki, TPS, 22, situated at Vasna, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad in Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Karimmiya Alimiya; Navi Maholat, Panehkuva, Ahmedabad. (Transferor)

(2) I. Sh. Alzalmohmad Umar Katrawalla; 1. St. Wangaman Cora Kao 2. Pransba Ristimikant Mahida; 3. Champaben Vardhman Saah; All Cyo Excello Engineers, A. M. Katrawallo, pali f. Pand Nr. Padshah's Pole, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 786 sq. yds. situated of Vasna, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Sub-Registrar, Ahmedabad's Regn. No. 9148-8-1981.

G. C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Parkland Corporation; "Shanskrut" High Court Road, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Torrent Laboratories; Prop. Samir Pharmaceuticals; 15, Nilparna Society, Paldi, Ahmedabad-380006.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1813 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section

269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 170-171, Sub-Plot No. 1 to 3 paiki, TPS. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in Aug 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1/4 121 0

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property bearing FP. No. 170 & 171, Sub-Plot 1 to 3 paiki, TPS. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10513/31-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1812 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 2854/B—Dariapur, Wd. No. 2, situated at Dariapur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Ramanlal Jeshingbhai Shah;
   "Girikunj", Marine Drive, Ahmedabad.
   2. Sh. Jayantilal Jeshingbhai Shah;
   5th Floor, Bharatiya Bhawan,
   72, Marine Drive, through P.A. Holder:
   Shri Sehalkumar
   Sarabhai Shah;
   4, Hindu Colony, Navrangpura,
   Ahmedabad-9.
- (2) Sh. Nikeshkumar Jagdishbhai; Patel farming House, St. Xaxier's School Road, Memnagar, Ahmedabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 187.01.44 ± 187.01.44 sq. mts. situated at Dariapur, Wd. No. 2, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10411/27-8-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION OF INCOME-TAX, RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1811 Acq. 23-I/81-82.-Whereas, I,

G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 254 situated at Thaltej, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 1st August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property HS aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Dashrathbhai Jibhai & others; Village: Thaltej, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

 Sh. Jayendra Matilal Patel; Bungalow No. 9, Chaitanyanagar Society; Near Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 254 paiki situated at Thaltej Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10549/31-8-81.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 23-3-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1810 Acq. 23-1, 81-82,----Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 371 paiki, TPS, 25-FP, 225A, Sub-Plot No. 19 situated at Khokharamehmadabad, Near Maniyasa Society, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20th August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Parwatiben Wadhumal Mawani;
 Sh. Morli W. Mawani;
 Both at Maniyasa Society, Khokharamehmadabad,
 Bungalow "Radhaswamy Cottage",
 Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Gitaben Parmanand Bulchandani: Khokharamehmdabad, Nr. Maniyasa Society, "Radhaswamy Cottage", Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building standing on land 445 sq. yds. situated at Khok-haramehmudabad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 10192/20-8-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1, Ahmedabad.

Date: 23-3-82

#### FORM I.T.N.S.-

Opp. Radha Mandir, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Khokharamehmdabad (Proposed) Dwarkesh Coop. H. Socy. Ltd. through: Sh. Jayantilal Pujalal Shah; 1751, Mahadevwalla's Khancho, Manumanwali Pole, Ahmedabad.

Sh. Dhirajlal Fulchand Tamboli,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1809/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP. No. 17—S. No. 328, TPS. 25, situated at Khokharamehmdabad, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 841 sq. yds. situated at Khokharamehmadabad, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 10517/31-8-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1119.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 16-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Iodhpur on 21-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesæid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesæid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereofre, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anant Prakash Dixit S/o Girdharijal Gaur, Paota, Jedhpur,

(Transferor)

(2) Shri Dr. Mishrilal Khatri S'o Shri Hemraj Khatri, Village Marwala Teh, Jalore (Raj).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plor No. 16-B, situated at Pologround No. 1, ship House Road, Paota, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 2030 dated 21-8-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-1-1982